वर्ष-14 - अंक 145
पृष्ट-08 मूल्य : 02 रुपया

सीतापुर
शुक्रवार ,04 सितम्बर 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाजियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

एसएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक 3

राष्ट्रीय आत्मविश्वास को मजबूत करेगा जीएसएलवी-..... 4

दुष्कर्म मामले में इंसाफ के लिए अकाली दल ने खोला मोर्चा, राज्यपाल 08

गंगा का जलस्तर 2016 के उच्चतम बाढ़ स्तर से ऊपर, फिर भी सुरक्षित है पटना : संजय झा

पटना(एजेंसी)। जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा ने गुरुवार को कहा कि पटना में गंगा नदी का जलस्तर वर्ष 2016 में दर्ज अब तक के उच्चतम बाढ़ स्तर को भी पार कर गया है। इसके बावजूद राजधानी पटना में स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों के दौरान राज्य सरकार की ओर से बाढ़ प्रबंधन, तट सुरक्षा और जल निकासी समेत विभिन्न क्षेत्रों में किए गए कार्यों का असर इस बार साफ दिखाई दे रहा है। संजय कुमार झा ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्होंने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री, जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार के साथ पटना में गंगा के किनारे विभिन्न स्थानों का जायजा लिया। दोनों नेताओं ने राघोपुर पुल से दीघा घाट तक तथा जेपी सेतु से गंगा के दूसरे छोर तक पहुंचकर बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों से मौजूदा हालात की जानकारी ली गई और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। संजय झा ने कहा कि गुरुवार सुबह पटना में गंगा का जलस्तर वर्ष 2016 में दर्ज उच्चतम बाढ़ स्तर से भी ऊपर पहुंच गया। उन्होंने कहा कि इतने अधिक जलस्तर के बावजूद राजधानी के अधिकांश हिस्सों में स्थिति नियंत्रण में रहना पिछले वर्षों में किए गए बाढ़

प्रबंधन कार्यों की प्रभावशीलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में तटों की सुरक्षा, बाढ़ से निपटने की तैयारी और संवेदनशील क्षेत्रों में किए गए विभिन्न कार्यों के कारण पटना को इस बार भीषण जलस्तर के बीच अपेक्षाकृत सुरक्षित रखने में मदद मिली है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि बाढ़ का पानी कई इलाकों में फैलने से लोगों को परेशानी हुई है और कुछ स्थानों पर कटाव की स्थिति भी बनी है। संजय झा ने कहा कि नेपाल में हाल के दिनों में आई प्राकृतिक आपदा बेहद गंभीर है। बिहार की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि नेपाल में होने वाली भारी बारिश और प्राकृतिक घटनाओं का सीधा असर राज्य की नदियों पर पड़ता है। नेपाल से आने वाला अतिरिक्त पानी बिहार की नदियों में पहुंचता है, जिससे यहां बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि इस बार भी गंडक सहित कई नदियों में बड़ी मात्रा में पानी आया है। बाढ़ का पानी किसी सीमा को नहीं मानता कि वह नेपाल में है या बिहार में। नेपाल में हुई भारी बारिश और प्राकृतिक घटनाओं के बाद जिस तरह पानी बिहार की नदियों में पहुंचा, उससे स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी। जदयू नेता ने कहा कि राज्य सरकार ने बाढ़ की स्थिति को देखते हुए पहले से तैयारी कर रखी थी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उपमुख्यमंत्री सह जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी के नेतृत्व में प्रशासन तथा जल संसाधन विभाग ने राहत और बचाव कार्यों का बेहतर प्रबंधन किया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन लगातार प्रभावित क्षेत्रों पर नजर रख रहा है। अधिकारियों से नियमित रूप से स्थिति की जानकारी ली जा रही है और जरूरत के अनुसार राहत एवं बचाव कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि इसी तत्परता के कारण बिहार में अब तक कोई बड़ा अप्रत्याशित संकट उत्पन्न नहीं हुआ है। हालांकि, बाढ़ के पानी के फैलाव से कई क्षेत्रों में आम लोगों की मुश्किलें बढ़ी हैं। कुछ स्थानों पर कटाव की समस्या भी सामने आई है। सरकार की ओर से इन क्षेत्रों में लगातार निगरानी की जा रही है। संजय झा ने बताया कि पुनपुन नदी का पानी एक स्थान पर सड़क के ऊपर से बह गया है। उन्होंने कहा कि पानी का स्तर कम होने के बाद सड़क की आवश्यक मरम्मत कराई जाएगी। वहीं, भागलपुर के कुछ इलाकों में बाढ़ का पानी फैलने और कटाव की समस्या सामने आई है। इन क्षेत्रों में भी प्रशासन की ओर से लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि बाढ़ जैसी परिस्थितियों में जलस्तर में उतार-चढ़ाव पर लगातार नजर रखना जरूरी है। प्रशासन को संवेदनशील इलाकों में विशेष सतर्कता बरतने और जरूरत पड़ने पर तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

पीएम मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के बीच साझेदारी को गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके बेल्जियम समकक्ष बार्ट डी वेवर ने गुरुवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता के दौरान दोनों देशों के आपसी संबंधों के पूरे आयाम की समीक्षा की। इस बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने भारत और बेल्जियम के बीच साझेदारी को गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इसके साथ ही दोनों पक्षों के बीच आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए पोस्ट में कहा गया, 'दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के पूरे आयाम की समीक्षा की, जिसमें रक्षा, व्यापार, निवेश, नवाचार, सेमीकंडक्टर, फिनटेक, महत्वपूर्ण खनिज, लोगों के बीच संबंध और अकादमिक व अनुसंधान सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और भारत-बेल्जियम की घनिष्ठ और बहुआयामी साझेदारी को गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।' पीएम मोदी और पीएम बार्ट डी वेवर ने दोनों देशों के बीच रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, अपराध से लड़ने और राजनयिक प्रशिक्षण स्थापित करने के क्षेत्र में समझौता ज्ञापन के आदान-प्रदान को देखा। विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों पक्ष अगले पांच वर्षों में

द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने, एक बिजनेस फोरम, एक निवेश फोरम और एक कांसुलर डायलॉग स्थापित करने पर सहमत हुए। दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, पीएम के प्रधान सचिव पीके मिश्रा, विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। इसके बाद बेल्जियम के प्रधानमंत्री वेवर भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) के बारे में भारतीय उद्योग परिसंघ (कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री/सीआईआई) के एक व्यवसायिक कार्यक्रम में अपना संबोधन भी देंगे। नई दिल्ली के बाद, बार्ट डी वेवर शुक्रवार को मुंबई जाएंगे, जहां वे डायमंड, पोर्ट्स और लॉजिस्टिक्स सेक्टर के स्टेकहोल्डर्स समेत अलग-अलग स्टेकहोल्डर्स से बात करेंगे। बेल्जियम के प्रधानमंत्री गुरुवार को भारत के आधिकारिक दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे। पिछले साल फरवरी में कामकाज संभालने के बाद यह उनका पहला भारत दौरा है। यह दो दशकों में बेल्जियम के किसी प्रधानमंत्री का पहला भारत दौरा भी है, जो भारत-बेल्जियम संबंधों में एक अहम नए दौर की शुरुआत है।

संक्षिप्त खबरें

अहमदाबाद पुलिस ने दुष्कर्म मामले में 21 दिनों के भीतर जांच पूरी कर दाखिल की चार्जशीट

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर पुलिस ने आनंदनगर पुलिस थाना क्षेत्र में कथित दुष्कर्म मामले में फोरेंसिक, परिस्थितिजन्य और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच पूरी करने के बाद 21 दिनों के भीतर चार्जशीट दाखिल कर दी है। यह मामला 8 अगस्त को अहमदाबाद की एक आवासीय सोसायटी में 22 वर्षीय इंटीरियर डिजाइन की छात्रा के साथ कथित यौन उत्पीड़न से संबंधित है। अधिकारियों के अनुसार, युवती एक पेइंग गेस्ट के रूप में रह रही थी। वो टहलने के लिए छत पर गई थी, तभी आरोपी ने कथित तौर पर उस पर हमला किया और उसका यौन उत्पीड़न किया। आरोपी की पहचान धर्म सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया था कि सिंह घटना से कुछ ही दिन पहले सुरक्षा गार्ड के रूप में भर्ती हुआ था। जांचकर्ताओं ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी निगरानी का इस्तेमाल करते हुए उसका पता लगाया, जिसमें आनंदनगर पुलिस, स्थानीय अपराध शाखा और अपराध शाखा की कई टीमें तलाशी में शामिल थीं।

गंगा का जलस्तर उच्चतम बाढ़ स्तर पार करने की आशंका, आपदा प्रबंधन विभाग ने जारी किया अलर्ट

पटना। बिहार में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर को लेकर आपदा प्रबंधन विभाग ने अलर्ट जारी किया है। जल संसाधन विभाग से प्राप्त पूर्वानुमान के अनुसार पटना के गांधी घाट पर गुरुवार रात तथा हाथीदह (मोकामा) में चार सितंबर की दोपहर गंगा का जलस्तर उच्चतम बाढ़ स्तर को पार करने की संभावना है। इसे देखते हुए नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की गई है। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, गंगा के जलस्तर में संभावित वृद्धि से भोजपुर, पटना, सारण, वैशाली, नालंदा, बेगूसराय, लखीसराय और जहानाबाद जिलों के नदी किनारे तथा निचले क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। विभाग ने लोगों से किसी भी प्रकार का जोखिम नहीं लेने और प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने को कहा है। विभाग ने सोशल मीडिया के जरिये लोगों को नदी, घाट, तटबंध और निचले इलाकों में अनावश्यक रूप से नहीं जाने की सलाह दी है। साथ ही बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को नदी एवं जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रखने की अपील की गई है। प्रशासन द्वारा चिन्हित सुरक्षित स्थानों और राहत शिविरों की जानकारी पहले से रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सुरक्षित स्थान पर जाने को कहा गया है।

तेलंगाना में बड़ी कार्रवाई: विवादों के बीच मंत्री कोंडा सुरेखा कैबिनेट से बर्खास्त, चिन्ना रेड्डी भी पद से हटाए गए

हैदराबाद(एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को अनुशासनहीनता के मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए वन, पर्यावरण और बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा को तत्काल प्रभाव से मंत्रिमंडल से हटा दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इस संबंध में राज्यपाल को अपनी सिफारिश भी भेज दी है। मुख्यमंत्री ने इसी के साथ तेलंगाना योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ. जी. चिन्ना रेड्डी की नियुक्ति भी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी। उनकी जगह गडवाल विजयलक्ष्मी को योजना बोर्ड का नया उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, नेरेला शारदा को तेलंगाना राज्य महिला आयोग का अध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सदस्य जी. सुधा रानी को काकतिया अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी (कुडा) का अध्यक्ष नियुक्त करने को भी

मंजूरी दे दी गई है। सरकार ने इन नियुक्तियों से संबंधित आदेश जारी कर दिए हैं। कोंडा सुरेखा और चिन्ना रेड्डी पर कार्रवाई कांग्रेस की राज्य अनुशासन समिति की सिफारिश के बाद की गई। पार्टी नेतृत्व ने दोनों के खिलाफ अनुशासनहीनता के आरोपों को गंभीर मानते हुए सख्त कदम उठाने का फैसला किया। कोंडा सुरेखा अपनी बेटी सुष्मिता के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ दिए गए बयानों के बाद विवादों में घिर गई थीं। उन्हें जारी कारण बताओ नोटिस पर भी उन्होंने आपत्ति जताई थी और कहा था कि बेटी के व्यक्तिगत विचारों के लिए उन्हें जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। यह फैसला कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल की सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ हुई अहम बैठक के बाद लिया गया। पिछले तीन दिनों से राज्य कांग्रेस नेतृत्व के साथ लगातार बैठकों का दौर चल रहा था। बुधवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, कोंडा सुरेखा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने अलग-अलग पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की थी। वहीं, सुरेखा ने कांग्रेस की तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन से भी मुलाकात कर अपना पक्ष रखा था। कोंडा सुरेखा ने कार्रवाई से पहले कहा था कि वह पिछड़ा वर्ग से आती हैं और उनके साथ अलग व्यवहार नहीं होना चाहिए। उन्होंने दावा किया था कि सरकार के अन्य मंत्रियों पर भी गंभीर आरोप हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। साथ ही उन्होंने कहा था कि मंत्री के रूप में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है और उन पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है।

'मेरे गांव के करीब 200 लोग लापता हैं', नेपाल में तबाही से बचे लोगों ने सुनाई भयावह दास्तान

काठमांडू(एजेंसी)। नेपाल में विनाशकारी बाढ़ और अचानक आई बाढ़ (फ्लैश फ्लड) के करीब एक सप्ताह बाद भी तबाही का मंजर लोगों के जेहन में ताजा है। प्रभावित इलाकों से बचाए गए और फिलहाल अस्थायी शिविरों में रह रहे लोगों ने गुरुवार को आईएएनएस से बातचीत में एक दशक से अधिक समय में नेपाल की सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदाओं में से एक के बाद की भयावह स्थिति बयां की। मुस्तांग के एक मठ में बने अस्थायी शिविर में रह रहे एक व्यक्ति ने बताया कि उनके गांव का करीब 80 प्रतिशत हिस्सा तबाह हो चुका है और स्थानीय आबादी के लगभग 200 लोग अब भी लापता हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे लोगों को तिमुरे से बड़ी मुश्किल से बचाकर यहां लाया गया। हमारे गांव की स्थानीय आबादी में करीब 200 लोग अभी भी लापता हैं। करीब 80 प्रतिशत लोग गायब हैं और हममें से सिर्फ 20 प्रतिशत ही यहां पहुंच पाए हैं। जो लोग काठमांडू या अन्य जगहों पर रह रहे थे, वे सुरक्षित हैं। हजारों

लोग मारे गए हैं या लापता हैं। इस समय हालात बेहद खराब हैं। 'आपदा की भयावहता बताते हुए उन्होंने कहा कि लोग रोजमर्रा के काम में व्यस्त थे, तभी अचानक बाढ़ ने सब कुछ तबाह कर दिया। उन्होंने बताया, 'लोग अपना सामान्य काम कर रहे थे। बाढ़ इतनी भयानक थी कि पूरा गांव महज दो मिनट के भीतर बह गया। वहां से करीब आठ से दस लोगों को ही बचाया जा सका, बाकी सभी बह गए।' उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से मदद की अपील करते हुए कहा, 'हम शून्य पर पहुंच गए हैं। हमारा घर, रोजी-रोटी का साधन, सब कुछ खत्म हो गया।' नेपाल के सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में शामिल त्रिशूली में एक स्थानीय निवासी ने बताया कि आपदा में उसका घर और दुकान पूरी तरह बर्बाद हो गए।

हरियाणा सरकार ने गन्ना किसानों के लिए सब्सिडी योजनाओं का किया ऐलान

चंडीगढ(एजेंसी)। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए 'गन्ना तकनीकी उद्देश्य परियोजना' के अंतर्गत किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। इस योजना के तहत राज्य के प्रमुख गन्ना उत्पादक क्षेत्रों-यमुनानगर, नारायणगढ़, शाहाबाद, करनाल, असंध, भादसों, पानीपत, कैथल, रोहतक, सोनीपत, जींद, पलवल, भूना, गोहाना और महम के सहायक गन्ना विकास अधिकारियों के क्षेत्राधिकार में आने वाले किसानों को अनुदान राशि प्रदान की जाएगी। विभाग के प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह अनुदान राशि गन्ने की अधिसूचित व सिफारिश की गई किस्मों की बिजाई आधुनिक विधियों, जैसे कि 'प्रमोशन ऑफ़ वाइड रौ स्पेसिंग (4 फ़ीट)', सिंगल-बड, बड-चिप विधि, फाउंडेशन सीड नर्सरी/ बीज उपचार, और 4 फीट की चौड़ी पंक्ति दूरी में पेड़ी-प्रबंधन (Ratoon Management) के माध्यम से प्रदर्शन-प्लाट लगाने पर दी जाएगी। प्रवक्ता ने आवेदनों की समय-सीमा की जानकारी साझा करते हुए बताया कि जिन किसान भाइयों ने अपना गन्ना वसंत या ग्रीष्म ऋतु (अप्रैल के बाद) में लगाया है, वे इस योजना का लाभ उठाने के लिए 30 सितंबर 2026 तक अपना पंजीकरण करा सकते हैं। वहीं, जो किसान शरद ऋतु (आगामी अक्टूबर-नवंबर) में गन्ने की बिजाई करने वाले हैं, उनके लिए आवेदन की तिथि 1 अक्टूबर 2026 से 31 दिसंबर 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक किसान विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.agriharyana.gov.in पर जाकर अपना ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके अलावा, राज्य सरकार कृषि क्षेत्र में मशीनीकरण को बढ़ावा देने के लिए Mechanization in Sugarcane Implements योजना के तहत भी विभिन्न कृषि यंत्रों पर सब्सिडी दे रही है।

राम मंदिर ट्रस्ट में नियुक्ति के बाद बोले मदन मोहन पांडे

अयोध्या(एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य नियुक्त किए गए वरिष्ठ अधिवक्ता मदन मोहन पांडे ने कहा कि उनकी नई जिम्मेदारी में श्रद्धालुओं की सुविधा और मंदिर का विकास सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि अयोध्या आने वाले दर्शनार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए ट्रस्ट के माध्यम से हरसंभव प्रयास किया जाएगा। मदन मोहन पांडे लंबे समय से राम जन्मभूमि से जुड़े संघर्ष और कानूनी लड़ाई का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस मामले में वर्ष 1994 में औपचारिक रूप से वकालतनामा दाखिल

किया था। यह वकालतनामा महंत परमहंस रामचंद्र दास की ओर से दाखिल किया गया था। इसके बाद उन्होंने रामलला की ओर से भी अदालतों में कानूनी पैरवी की। पांडे ने कहा कि उन्होंने राम जन्मभूमि मामले को इलाहाबाद हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक देखा और दोनों स्तरों पर कानूनी पैरवी की। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला उनके पक्ष में आया था। इससे पहले इलाहाबाद हाई कोर्ट में भी फैसला उनके पक्ष में रहा था, हालांकि बाद में दूसरे पक्ष की ओर से फैसले में हिस्सेदारी को लेकर प्रक्रिया आगे बढ़ी। ट्रस्ट में शामिल किए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पांडे ने कहा कि लंबे समय तक जिस विषय से जुड़े रहे, उससे संबंधित ट्रस्ट में जिम्मेदारी मिलना उनके लिए महत्वपूर्ण है। अब उनका प्रयास रहेगा कि इस जिम्मेदारी के तहत वह अधिक से अधिक सेवा कर सकें।

चित्रकूट में उफान पर मंदाकिनी; 1,438 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

सतना। मध्य प्रदेश के सतना जिले के चित्रकूट में बाढ़ का पानी 50 से ज्यादा गांवों को प्रभावित कर रहा है, जिसके चलते कम से कम 1,438 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। जिला प्रशासन, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ दिन-रात राहत और बचाव कार्यों में लगे हुए हैं। सतना में भारी बारिश और मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण 29 अगस्त से बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। कई निचले इलाके जलमग्न हैं, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है और लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। जिला मजिस्ट्रेट पुलकित गर्ग ने बताया कि बाढ़ से अब तक करीब 650 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि 70 घर पूरी तरह ढह गए हैं। प्रशासन प्रभावित इलाकों का सर्वे कर रहा है और जोखिम

वाले इलाकों से लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचा रहा है। निकाले गए परिवारों के लिए राहत शिविर बनाए गए हैं और प्रभावित लोगों को जरूरी सामान बांटा जा रहा है। एनडीआरएफ ने 1,438 लोगों को सुरक्षित निकाला है, जबकि एसडीआरएफ ने बाढ़ प्रभावित इलाकों से करीब 100 लोगों को बचाया है। जोखिम वाले इलाकों में बचाव कर्मियों को तैनात किया गया है और वे नावों व अन्य उपकरणों का इस्तेमाल करके बाढ़ के पानी से घिरे या फंसे लोगों तक पहुंच रहे हैं। डीएम पुलकित गर्ग ने गुरुवार को बताया कि बाढ़ के कारण कोतवाली कर्वी पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत बराछी ग्राम पंचायत में एक दुखद घटना हुई, जहां भारी बारिश के बाद एक कच्चा घर ढह गया, जिससे एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन प्रभावित परिवार को मदद पहुंचा रहा है और इलाके में राहत कार्य चला रहा है। मंदाकिनी नदी चिंता का मुख्य कारण बनी हुई है, जिसका जलस्तर खतरे के निशान के करीब लगभग 138.52 मीटर दर्ज किया गया है। प्रशासन ने कहा कि और बारिश की संभावना को देखते हुए स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। बाढ़ का असर आस-पास के इलाकों में भी देखा गया है। मैहर में मुकुंदपुर मार्ग को बंद कर दिया गया क्योंकि पुलों के ऊपर से पानी बहने लगा था, जिससे सड़क संपर्क प्रभावित हुआ। गुरुवार को मध्य प्रदेश में मौसम की स्थिति सक्रिय बनी रही। मौसम विभाग ने टीकमगढ़ और दमोह में बहुत ज?यादा बारिश के लिए रेड अलर्ट और ग्वालियर, भिंड, दतिया, गुना, अशोकनगर, छतरपुर, निवाड़ी, पन्ना, सागर, रायसेन, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा समेत 13 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यह सिस्टम 4 सितंबर को आगे बढ़ सकता है और राज्य के कई डिवीजन पर इसका काफी असर पड़ सकता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य से मालवाहक जहाजों की आवाजाही घटी

सिंगापुर/वाशिंगटन(एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में शामिल होर्मुज जलडमरूमध्य से मालवाहक जहाजों की आवाजाही में उल्लेखनीय कमी आई है। बुधवार को इस जलमार्ग से केवल छह कमोडिटी जहाज गुजरे, जबकि एक दिन पहले 11 जहाजों ने यहां से आवागमन किया था। पिछले दस दिनों में इस मार्ग से प्रतिदिन औसतन करीब 13 कमोडिटी जहाज गुजर रहे थे। ऐसे में मौजूदा गिरावट ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री व्यापार को लेकर चिंता बढ़ा दी है। शिप-ट्रैकिंग कंपनी केप्लर के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले छह जहाजों में दो बहुत बड़े गैस वाहक, दो लंबी दूरी के टैंकर, एक सुप्रामैक्स टैंकर और एक पैनामैक्स टैंकर शामिल थे। जहाजों की आवाजाही में यह कमी ऐसे समय में आई है, जब अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य तनाव एक बार फिर बढ़ा हुआ है। अमेरिकी हमलों के बाद ईरान की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई ने पश्चिम एशिया में सुरक्षा हालात को और जटिल बना दिया है। इसका सीधा असर क्षेत्र से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों पर भी पड़ रहा है। लगातार घटती आवाजाही को इस संकेत के तौर पर देखा जा रहा है कि कंपनियां और जहाज संचालक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने में बढ़ते जोखिम को लेकर सतर्क हो गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, भेजा न्यायालय

कोन/सोनभद्र- पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय के कुशल पर्यवेक्षण में कोन पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 03.09.2026 को मुखबिर खास की सूचना पर थाना कोन पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 143/2026, धारा 3(1) उ0प्र0 गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम, थाना कोन, जनपद सोनभद्र से संबंधित वांछित अभियुक्त धर्मेन्द्र यादव पुत्र इन्द्रजीत यादव, निवासी परती, थाना केतार, जनपद गढ़वा, झारखण्ड, उम्र करीब 27 वर्ष को थाना कोन क्षेत्रान्तर्गत चांचीकला पुलिया से नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। अभियुक्त का आपराधिक इतिहास- मु0अ0सं0 23/2026, धारा 3/5ए/5बी/8 गोवध अधिनियम, थाना कोन, जनपद सोनभद्र, मु0अ0सं0 143/2026, धारा 3(1) गैंगस्टर एक्ट, थाना कोन, जनपद सोनभद्र। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्र0नि0 अखिलेश कुमार मिश्र, प्रभारी निरीक्षक कोन, उ0नि0 वीरेन्द्र वर्मा, चौकी प्रभारी बागेसोती, उ0नि0 राकेश राय, चौकी प्रभारी चांचीकला, हे0का0 राजेश कुमार यादव शामिल रहे।

बाणसागर से अतिरिक्त जल प्रवाह को देखते हुए प्रशासन अलर्ट, जलस्तर की निरंतर निगरानी

रिहंद बांध से चरणबद्ध तरीके से जल प्रवाह नियंत्रित करने की कार्यवाही, चोपन में जलस्तर पर रखी जा रही पैनी नजर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश- मध्य प्रदेश स्थित बाणसागर बांध से दिनांक 02 सितंबर 2026 को रात्रि 10:30 बजे 8 गेटों के माध्यम से लगभग 1.20 लाख क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ा गया है। उक्त अतिरिक्त जल प्रवाह का प्रभाव आज देर शाम तक चोपन गेज साइट पर पहुंचने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। चोपन में जलस्तर एवं डिस्चार्ज को नियंत्रित रखने के उद्देश्य से आज प्रातः 8:00 बजे रिहंद बांध के 2 अतिरिक्त गेट खोले जाएंगे। इसके पश्चात रिहंद बांध के कुल 7 गेटों से लगभग 77,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जाएगा। बाणसागर से छोड़े गए अतिरिक्त पानी के चोपन पहुंचने से पूर्व जल प्रवाह को संतुलित करने के लिए आज सायं 5:00 बजे तक रिहंद बांध के 5 गेट बंद कर दिए जाएंगे तथा केवल 2 गेट खुले रखे जाएंगे।

प्रशासन द्वारा जलस्तर एवं जल प्रवाह की

स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। संबंधित अधिकारी एवं राजस्व, पुलिस तथा अन्य विभागों की टीमें नदी एवं आसपास के क्षेत्रों का निरंतर भ्रमण कर स्थिति का जायजा ले रही हैं। सोन नदी के आसपास स्थित गांवों में लोगों को नदी के किनारे न जाने तथा किसी भी स्थिति में नदी के बढ़े हुए जलस्तर के निकट नहीं जाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखते हुए स्थानीय स्तर पर लोगों को आवश्यक सावधानियों के संबंध में जानकारी दी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनपदवासियों से अपील की है कि बाणसागर बांध से अतिरिक्त जल छोड़े जाने के कारण सोन नदी के जलस्तर में वृद्धि की संभावना को देखते हुए नदी, नालों एवं जलाशयों के आसपास अनावश्यक रूप से न जाएं। विशेष रूप से सोन नदी के किनारे रहने वाले नागरिक पूरी सावधानी बरतें और बच्चों एवं अन्य परिजनों को भी नदी के पास जाने से रोकें।

आगे उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और जलस्तर में होने वाले प्रत्येक बदलाव की मॉनिटरिंग की जा रही है। जनपदवासी प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देते हुए केवल अधिकृत सूचना पर ही विश्वास करें।जिला प्रशासन द्वारा बाणसागर एवं रिहंद बांध से होने वाले जल प्रवाह की स्थिति को ध्यान में रखते हुए चरणबद्ध तरीके से जल प्रबंधन की कार्यवाही की जा रही है। रिहंद बांध से डिस्चार्ज को नियंत्रित करते हुए बाणसागर से आने वाले अतिरिक्त जल के कारण चोपन में जलस्तर एवं डिस्चार्ज में अत्यधिक वृद्धि को नियंत्रित रखने का प्रयास किया जा रहा है। जिला प्रशासन पूरी स्थिति पर सतत निगरानी बनाए हुए है तथा आवश्यकता के अनुसार तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। जनपदवासियों से अपील है कि वे प्रशासन का सहयोग करें, सतर्क रहें और सुरक्षा की दृष्टि से नदी के आसपास जाने से पूर्णतः बचें।

क्षेत्र में विद्युत् चोरों के उपर चला हंटर , अबैध कनेक्शनधारियों में हड़कंप

किया वैध कनेक्शन लेने व बिजली बिल समय से जमा करने की अपील

कोन क्षेत्र में जारी रहेगा मार्निंग रेड, विद्युत् विच्छेदन से बचने की अपील- अवर अभियंता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोन/सोनभद्र- अधिशासी अभियंता दिलीप कुमार विद्युत् वितरण खंड पिपरी के दिये गये निर्देश के अनुपालन व सहायक अभियंता धीरेंद्र कुमार के पर्यवेक्षण में माह सितम्बर 2026 से लाईन हानियो ए टी एण्ड सी हानियों में कमी लाने हेतु बुधवार को कोन सब स्टेशन के चयनित फीडर रामगढ़, कोन में मार्निंग रेड किया गया। जिसमें अबैध कनेक्शन धारियों व बकायेदार उपभोक्ताओं के काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जिसके क्रम में अवर अभियंता अजय कुमार गुप्ता ने बताया कि मानिंग रेड करने के उपरान्त 22 नग एफ आई आर किया गया और 7 नग स्ल्क्ड़ 1 से स्ल्क्ड़-2, 05 नग स्मार्ट मीटर लगवाये गये और 32 उपभोक्ताओ जिनका बकाया राशि लगभग 960000. रुपये था जिसके क्रम में लाइन विच्छेदित की गई और 30 उपभोक्ताओं का पार्ट पेमेन्ट के रूप में 105000 रु0 लिया गया। आगे उन्होंने कहा कि लाईन लॉसेस को कम करने के उद्देश्य से मॉर्निंग रेड आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने सब स्टेशन से जुड़े उपभोक्ताओं से अपील किया गया कि वैध कनेक्शन लेकर ही बिजली उपयोग करें और जिन उपभोक्ताओं के बिजली बिल शेष रह गये हैं समय से जमा कर दें ताकि होने वाली परेशानियों से बच सकें। बिजली से जुड़े किसी भी समस्या के लिए अवर अभियंता के मोबाइल नंबर 8299393029 पर संपर्क कर समस्या का निस्तारण करा सकते हैं।

शक्ति वंदन रक्षा महोत्सव का आयोजन, एक हजार से अधिक महिलाओं ने लिया भाग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। शहर के निराला प्रेक्षागृह में गुरुवार दोपहर शक्ति वंदन रक्षा महोत्सव का आयोजन किया गया। सदर विधायक पंकज गुप्ता की ओर से आयोजित कार्यक्रम में एक हजार से अधिक महिलाओं की सहभागिता रही। बड़ी संख्या में महिलाओं की मौजूदगी से प्रेक्षागृह परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला सम्मान, सुरक्षा और नारी शक्ति को लेकर जागरूकता का संदेश देना रहा। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, विमल द्विवेदी समेत पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। महिलाओं की सुरक्षा और

सम्मान केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। वक्ताओं ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और अपने अधिकारों के लिए जागरूक रहने का संदेश दिया। कहा कि महिला अब केवल परिवार की जिम्मेदारी तक सीमित नहीं है। शिक्षा, रोजगार, राजनीति, प्रशासन और सामाजिक क्षेत्र में भी महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्हें आगे बढ़ने के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना सामूहिक जिम्मेदारी है।

आयोजकों के अनुसार सुबह से ही महिलाओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया था। दोपहर तक प्रेक्षागृह में बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। प्रवेश और बैठने की व्यवस्था आयोजकों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने संभाली। महिलाओं की बड़ी संख्या को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिसकर्मियों के साथ आयोजकों के कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई थीं। प्रवेश द्वार और परिसर में निगरानी रखी गई। कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। समापन पर आयोजकों ने शामिल महिलाओं और अतिथियों का आभार जताया।

पन्नूगंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 09 अभियुक्त/वारण्टी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी सदर सुधीर सिंह के कुशल निर्देशन में वांछित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु थाना पन्नूगंज पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 02.09.2026 को थाना पन्नूगंज पुलिस टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर 09 वांछित/वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों को नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई पूर्ण करते हुए न्यायालय सोनभद्र के समक्ष प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त/वारण्टीगण का विवरण

क्रमश :राधेश्याम पुत्र रामप्यारे, निवासी ग्राम पचोखर, विजय सोनी पुत्र बैजनाथ, निवासी ग्राम पन्नूगंज, अवधेश कुमार सिंह पुत्र स्व0 रामरक्षा सिंह, निवासी ग्राम पकरहट, थाना पन्नूगंज, आलोक पुत्र अवधेश कुमार सिंह, निवासी ग्राम पकरहट, थाना पन्नूगंज, रामप्रवेश पुत्र राममुद्रिका, निवासी ग्राम पकरहट, थाना पन्नूगंज,प्रेमनाथ पुत्र रामसेवक, निवासी तियरकला, थाना पन्नूगंज,अमरेश कुमार पुत्र नागेश्वर, निवासी नरगा, थाना पन्नूगंज, संजय सिंह पुत्र बीजेन्द्र सिंह निवासी चपईल थाना पन्नूगंज, पारसनाथ पुत्र काशी निवासी बेलाही थाना पन्नूगंज जनपद सोनभद्र। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक श्रीनिवास पांडेय, पन्नूगंज, उ0नि0 अवधेश सिंह, उ0नि0 शिवबदन यादव, उ0नि0 राम जनम यादव, उ0नि0 शशिकांत सिंह, हे0का0 राम निवास यादव सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल रहे।

1,200 करोड़ की अघोषित आय, रुस्तम फूड्स पर सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। दही क्षेत्र स्थित मीट प्रोसेसिंग कारोबार से जुड़ी रुस्तम फूड्स एक बार फिर चर्चा में है। दिसंबर 2022 में आयकर विभाग की बड़ी कार्रवाई में रुस्तम फूड्स समेत मीट कारोबार से जुड़े समूहों के यहां हुई छापेमारी में ?1,200 करोड़ से अधिक की अघोषित आय का पता चलने की जानकारी आयकर विभाग के हवाले से सामने आई थी। जांच के दौरान विभिन्न डमी बैंक खातों से करीब ?1,000 करोड़ की नकदी निकासी का भी दावा किया गया था। आयकर विभाग की कार्रवाई केवल एक-दो ठिकानों तक सीमित नहीं थी। उन्नाव, लखनऊ और बरेली में 40 से अधिक परिसरों पर तलाशी ली गई थी। रिपोर्टों के मुताबिक जांच में डमी बैंक खातों, कथित फर्जी संस्थाओं के जरिए खरीद और सब-कॉन्ट्रैक्ट खर्च दिखाने तथा संयुक्त उपक्रमों में मुनाफे को नियमित खातों में पूरी तरह नहीं दर्शाने से जुड़े साक्ष्य मिलने की बात कही गई थी।

रेड के बाद भी खत्म नहीं हुए सवाल

सबसे बड़ा सवाल अब यह है कि 2022 की उस बड़ी कार्रवाई के बाद आगे क्या हुआ? आयकर जांच का अंतिम परिणाम क्या रहा, कितनी राशि का कर निर्धारण हुआ और संबंधित मामलों में आगे क्या कार्रवाई हुई–इन सवालों का स्पष्ट सार्वजनिक जवाब सामने आना अभी बाकी है। दूसरी तरफ रुस्तम फूड्स के मौजूदा कारोबार को लेकर ?2,500 करोड़ से अधिक के वास्तविक टर्नओवर, नकद कारोबार, बिलिंग और कथित अवैध सप्लाई जैसे गंभीर दावे किए गए हैं। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि अभी उपलब्ध नहीं है, इसलिए इन्हें जांच का विषय मानना ही उचित होगा।

गेट पर रिसीविंग से लेकर सप्लाई तक के दावों ने बढ़ाई चिंता

कंपनी के अंदरूनी सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि बाहरी अथवा संदिग्ध पशु सप्लाई को लेकर गेट स्तर पर रिसीविंग और नकद लेनदेन का खेल चलता है। साथ ही स्थानीय पुलिस स्तर पर कथित संरक्षण के आरोप भी लगाए गए हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। बावजूद इसके, यदि ऐसे आरोप सामने आ रहे हैं तो पशुपालन विभाग, पुलिस प्रशासन और संबंधित नियामक एजेंसियों के लिए यह जांच का विषय जरूर बनता है कि कंपनी में आने वाले पशुओं की वैधता, परिवहन दस्तावेज, सीसीटीवी रिकॉर्ड,

गेट रजिस्टर और अन्य अनिवार्य रिकॉर्ड का नियमित सत्यापन होता है या नहीं।

प्रदूषण और स्लॉटरिंग मानकों पर भी निगाह जरूरी

रुस्तम फूड्स की अपनी वेबसाइट के मुताबिक कंपनी के पास आधुनिक स्लॉटर लाइन, कोल्ड स्टोरेज, प्रयोगशाला, पशु चिकित्सकों की व्यवस्था और एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट मौजूद है। वहीं सरकारी पर्यावरणीय रिकॉर्ड में रुस्तम फूड्स की उन्नाव इकाई का निरीक्षण भी दर्ज है। ऐसे में अपशिष्ट निस्तारण, प्रदूषण नियंत्रण, पानी और स्लॉटरिंग मानकों की मौजूदा स्थिति की नियमित जांच भी जरूरी हो जाती है। **2022 की रेड से 2026 तक—क्या बदला?**

चार साल पहले आयकर विभाग की कार्रवाई ने प्रदेश के मीट कारोबार में बड़ा सवाल खड़ा किया था। 1,200 करोड़ से अधिक की अघोषित आय और डमी खातों से 1,000 करोड़ की नकदी निकासी जैसी जानकारी सामने आने के बाद अब सवाल यह है कि उसके बाद व्यवस्था कितनी बदली?

क्या वित्तीय रिकॉर्ड पूरी तरह पारदर्शी हैं?

क्या पशु सप्लाई की शत-प्रतिशत निगरानी हो रही है?

क्या गेट रजिस्टर और सीसीटीवी की जांच होती है?

क्या प्रदूषण और स्लॉटरिंग मानकों का नियमित ऑडिट हो रहा है?

और सबसे अहम–2022 की कार्रवाई के बाद सामने आए मामलों का अंतिम निष्कर्ष क्या निकला?

इन सवालों के जवाब संबंधित विभागों और कंपनी प्रबंधन से सामने आना जरूरी हैं।

कुल मिलाकर, रुस्तम फूड्स को लेकर मामला सिर्फ पुराने आयकर छापे तक सीमित नहीं दिखता। पुराने वित्तीय जांच रिकॉर्ड और वर्तमान में लगाए जा रहे नए आरोपों को देखते हुए वित्तीय, पर्यावरणीय, पशु परिवहन तथा स्थानीय प्रशासनिक स्तर पर तथ्यों की स्वतंत्र जांच की जरूरत जरूर बनती है।

किसानों की सुविधा के लिए बढ़ेंगे धान क्रय केन्द्र, जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

इस वर्ष 1.70 लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य निर्धारित करने की कार्रवाई के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में जनसुनवाई कक्ष में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत धान खरीद की तैयारियों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने किसानों की सुविधा एवं धान खरीद की सुचारू व्यवस्था के लिए क्रय केन्द्रों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य विभाग के अनुमोदित 38 क्रय केन्द्रों को बढ़ाकर 50 करने तथा मण्डी समिति एवं भारतीय खाद्य निगम के 02-02 क्रय केन्द्रों के अतिरिक्त 02-02 केन्द्र बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही जिला पीसीएफ को अपने 30 धान क्रय केन्द्रों का प्रस्ताव तत्काल उपलब्ध कराने को कहा। जिलाधिकारी ने गतवर्ष की वास्तविक धान खरीद 1,25,837.34 मीट्रिक टन तथा जनपद में धान की उत्पादकता को देखते हुए इस वर्ष खरीद लक्ष्य में वृद्धि के निर्देश दिए। उन्होंने जिला खाद्य विपणन अधिकारी एवं उप निदेशक (कृषि) को आवश्यक कार्रवाई करते हुए 1,70,000 मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य निर्धारित किए जाने हेतु कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान खरीद से संबंधित सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं तथा किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की कठिनाई न होने पाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0) वागीश कुमार शुक्ला, उप निदेशक (कृषि), सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता, मण्डी सचिव रॉबर्ट्सगंज, जिला खाद्य विपणन अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस- वे की रिटेनिंग वॉल धंसी

उन्नाव। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर पड़री गांव के पास किमी 55.3 पर रिटेनिंग वॉल का बड़ा हिस्सा बारिश के बाद धंस गया। हादसा बुधवार शाम का है, वीडियो गुरुवार को सामने आया। जानकारी के अनुसार लगातार बारिश से अंडरपास के पास पानी भर गया। पानी के दबाव से दीवार के नीचे की मिट्टी कमजोर हुई और वॉल टूटकर गिर गई। बाद में क्षतिग्रस्त हिस्से को तिरपाल से ढक दिया गया। बुधवार से मरम्मत कार्य शुरू हो गया है। स्थानीय लोगों ने ड्रेनेज सिस्टम पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि पानी की निकासी ठीक न होने से मिट्टी कमजोर हो रही है। केवल मरम्मत से नहीं, ड्रेनेज ठीक करना भी जरूरी है। बता दें, यह पहला हादसा नहीं है। उद्घाटन के 14 वें दिन किमी 64 और 16वें दिन किमी 30.6 के पास सड़क धंस गई थी। तब NHAI ने तीन इंजीनियरों - विवेक कुमार गुप्ता, सुरेंद्र कुमार और यतेंद्र कुमार पर दो साल का बैन लगाया था।

सीएचसी परिसर बना तालाब, घरों तक पहुंचा बाढ़ का पानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। जिले में बुधवार सुबह से लगातार हो रही बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव और बाढ़ जैसे हालात बिगड़ गए हैं। पुरवा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का परिसर तालाब बन गया है। अस्पताल के मुख्य गेट पर घुटनों तक गंदा पानी भर गया है, जिससे मरीजों और तीमारदारों को पानी से होकर अस्पताल में जाना पड़ रहा है। सीएचसी की रसोई के पास भी गंदा पानी जमा है। इससे मरीजों के लिए बनने वाले भोजन और स्वास्थ्य व्यवस्था पर संक्रमण का डर बढ़ गया है। बीते शनिवार को निरीक्षण के दौरान एसडीएम पुरवा ने सीएचसी परिसर में रसोई के पास जलभराव देखा था। उन्होंने नगर पंचायत के अधिकारियों को फटकार लगाई थी और तुरंत पाइप डालकर पानी निकालने को कहा था। प्रशासनिक सख्ती के बावजूद पानी निकालने की व्यवस्था ठीक नहीं हो पाई।

बारिश होते ही अस्पताल परिसर में दोबारा पानी भर गया। इससे नगर पंचायत पुरवा के पानी निकासी व्यवस्था ठीक होने के दावों की सच्चाई भी सामने आ गई। अस्पताल आने वाले मरीजों का कहना है कि मुख्य गेट

पर पानी भरा होने के कारण अंदर जाने में दिक्कत हो रही है। गंदे पानी के बीच से गुजरने से संक्रमण का डर भी बना हुआ है। रसोई के आसपास पानी जमा होने से स्थिति और गंभीर है। यदि जल्द पानी नहीं निकाला गया, तो बीमारियां फैलने का डर बढ़ सकता है। सुमेरपुर विकासखंड के पोरई गांव में लोन नदी का पानी बहुत बढ़ गया है। बाढ़ का पानी गांव के आसपास फैल गया है। तकिया पाटन और उन्नाव की ओर जाने वाले रास्ते पूरी तरह पानी में डूब गए हैं। दर्जनों लोगों के घरों तक पानी पहुंचने से ग्रामीणों में डर का माहौल है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव लगभग चारों ओर से बाढ़ के पानी से घिर गया है। ऐसे में ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और उनके ठहरने की व्यवस्था के लिए ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सतेंद्र सिंह लगातार कोशिश कर रहे हैं। ग्रामीणों को डर है कि यदि जलस्तर और बढ़ा, तो स्थिति और खराब हो सकती है।

बारिश से उफनाई नदियां, सड़कों पर तेज बहाव: लोन नदी ने काटा रास्ता

सई के पानी में 100 मीटर सड़क बही; दर्जनों गांवों का संपर्क टूटा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। लगातार हो रही बारिश के बाद नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है। बीघापुर में गंगा की सहायक लोन नदी और हसनगंज क्षेत्र में सई नदी उफान पर हैं। कहीं नदी का पानी सड़क के ऊपर से तेज रफ्तार में बह रहा है तो कहीं कटान के चलते सड़क का बड़ा हिस्सा नदी में समा गया। इससे कई गांवों के लोगों का आवागमन प्रभावित हो गया है। बीघापुर के पाटन-पुर्वा मार्ग पर हालात बिगड़ने के बाद प्रशासन ने रास्ता बंद करा दिया है। वहीं हसनगंज के भोगला गांव में पुल तक जाने वाली अधूरी सड़क का करीब 100 मीटर हिस्सा सई नदी के तेज बहाव में बह गया। दोनों इलाकों में प्रशासन की टीमें स्थिति पर नजर रख रही हैं।

बीघापुर क्षेत्र में लोन नदी का पानी बढ़ने से पाटन-पुर्वा मार्ग पर संकट खड़ा हो गया है। पानी सड़क के ऊपर से तेज बहाव के साथ गुजर रहा है। बैजुआमऊ गांव के पास नदी के कटान से सड़क का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे यहां वाहन चालकों के लिए हादसे का खतरा बढ़ गया था। स्थिति की जानकारी मिलने पर एसडीएम बीघापुर मौके पर पहुंचे। उन्होंने हालात का जायजा लेने के

बाद मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बंद करा दी। प्रशासन ने लोगों से पानी के बीच से निकलने या तेज बहाव वाले रास्ते पर जाने से साफ मना किया है। अधिकारियों के मुताबिक, जब तक पानी का बहाव कम नहीं होता और सड़क पूरी तरह सुरक्षित नहीं हो जाती, तब तक इस मार्ग पर आवागमन शुरू नहीं किया जाएगा।

भोगला में अधूरी सड़क को नदी ने काटा, 100 मीटर हिस्सा बहा

हसनगंज के भोगला गांव में सई नदी का बढ़ता जलस्तर दूसरी बड़ी परेशानी बन गया है। करीब एक सप्ताह से लगातार बारिश के कारण नदी उफान पर है। गांव से पुल तक जाने वाली अधूरी सड़क की ऊंचाई कम होने के कारण पानी उसके ऊपर से बहने लगा। तेज बहाव ने करीब 100 मीटर सड़क को काट दिया। कई जगह मिट्टी धंसने से मार्ग पूरी तरह खराब हो गया है। अब निजी वाहनों से पुल तक पहुंचना भी बंद हो गया है। ग्रामीणों के मुताबिक, पुल तक पहुंचने के लिए लोग इसी रास्ते का इस्तेमाल करते थे।

65 लाख की सड़क, आरसीसी पूरी होने से पहले ही बंद हुआ काम

भोगला में सई नदी पर पुल का निर्माण अभी अधूरा है। इसे गांव से जोड़ने के लिए करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी और चार मीटर चौड़ी आरसीसी सड़क प्रस्तावित है। इसकी लागत करीब 65 लाख रुपए बताई गई है। निर्माण के दौरान ठेकेदार ने सड़क पर मिट्टी और बोल्डर डाले, लेकिन आरसीसी का काम पूरा नहीं हो सका। निर्माण अधूरा छोड़ दिए जाने के बाद बारिश का पानी इसी रास्ते से बहने लगा। नदी का जलस्तर बढ़ने पर पानी का दबाव बढ़ा और करीब 100 मीटर हिस्सा कटकर नदी में चला गया। अब सड़क के कई हिस्से धंस चुके हैं।

शेखपुर से बरेठी तक दर्जनों गांव प्रभावित

मार्ग टूटने का असर आसपास के कई गांवों पर पड़ा है। शेखपुर बुजुर्ग, दाउदपुर, रामपुर बुलाकीदास, फरहदपुर, आदमपुर और बरेठी समेत दर्जनों गांवों के लोगों का पुल तक पहुंचना बंद हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि पुल और संपर्क मार्ग का काम पूरा नहीं होने से पहले ही परेशानी थी। अब नदी के पानी ने रास्ता काट दिया है, जिससे जरूरी काम के लिए आने-जाने में भी दिक्कत बढ़ गई है। प्रशासन नदी के जलस्तर और सड़कों की स्थिति पर नजर रख रहा है। अधिकारियों ने लोगों से क्षतिग्रस्त सड़क पर जाने की कोशिश नहीं करने और नदी के तेज बहाव से दूर रहने की अपील की है। पानी कम होने के बाद ही प्रभावित रास्तों को दोबारा खोलने पर फैसला लिया जाएगा।

कृषि विकास से प्रदूषण नियंत्रण तक, मुख्य सचिव ने योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल की अध्यक्षता में गुरुवार को राज्य कृषि विकास योजना के तहत राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति की तृतीय बैठक तथा दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की रोकथाम एवं नियंत्रण को लेकर समीक्षा बैठक हुई। दोनों बैठकों में विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और परिणामपरक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। राज्य कृषि विकास योजना की बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर विचार करते हुए कुल 286.46 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इनमें पूर्व वर्षों की संचालित परियोजनाओं को पूरा कराने के लिए 101.13 करोड़ तथा कृषि एवं संबद्ध विभागों की नई परियोजनाओं के लिए 185.33 करोड़ रुपये शामिल हैं। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वीकृत परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में

पूरा कराया जाए और वित्तीय वर्ष 2026-27 में जारी धनराशि का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने योजनाओं में गुणवत्ता, वित्तीय अनुशासन और प्रभावी निगरानी पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इनका अधिकतम लाभ किसानों तक पहुंचना चाहिए। बैठक में राजकीय कृषि प्रक्षेत्रों के आधुनिकीकरण के लिए कृषि यंत्र, सिंचाई नलकूप और जल निकासी व्यवस्था विकसित करने को 60 करोड़ रुपये की परियोजना मंजूर की गई। कृषि विभाग की नौ आई.पी.एम. प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ाने, देवरिया और लखीमपुर खीरी में प्रयोगशालाओं के निर्माण, कृषि कर्मियों के प्रशिक्षण, कृषक-वैज्ञानिक संवाद, कृषि यंत्रीकरण और औद्यानिक विकास सहित विभिन्न कार्यों के लिए भी धनराशि स्वीकृत की गई। गोरखपुर में गन्ने की नई प्रजातियों के बीज उत्पादन के लिए टिश्यू कल्चर प्रयोगशाला की स्थापना तथा मत्स्य बीज उत्पादन क्षमता बढ़ाने की परियोजनाओं को भी मंजूरी मिली। बुलंदशहर, मैनपुरी और जालौन में 5,300 मीट्रिक टन क्षमता के बीज भंडारण गोदामों तथा सहकारिता विभाग के 14 पैक्स में करीब 25 हजार मीट्रिक टन क्षमता के गोदामों के निर्माण को भी स्वीकृति दी गई। कृषि एवं पशु चिकित्सा विश्वविद्यालयों में शोध और आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए भी परियोजनाएं मंजूर हुईं। प्रमुख सचिव कृषि रवीन्द्र ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 500 करोड़ रुपये का परिव्यय अनुमोदित है, जबकि बजट प्रावधान में 200 करोड़ रुपये स्वीकृत हैं। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने अधिकारियों को प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े सभी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्धारित कार्ययोजना की नियमित निगरानी और सभी गतिविधियों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा। गाजियाबाद और मेरठ नगर निगम तथा नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण को मासिक प्रगति रिपोर्ट प्रत्येक माह की तीन तारीख को पवन पोर्टल पर अद्यतन आंकड़ों के साथ अपलोड करने के निर्देश दिए गए। संबंधित विभागों को पांच तारीख तक रिपोर्ट उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भेजने को कहा गया। मुख्य सचिव ने ताप विद्युत संयंत्रों में पांच प्रतिशत जैव ईंधन छर्रों के सह-दहन का अनिवार्य अनुपालन सुनिश्चित कराने के साथ सड़क पुनर्विकास और सड़क की धूल रोकने के उपायों में तेजी लाने को कहा। यांत्रिक सड़क सफाई मशीनों की खरीद प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर कार्यादेश जारी करने तथा सभी मशीनों में जीपीएस आधारित सीधी निगरानी की सुविधा और उन्हें एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र से जोड़ने के निर्देश दिए।

एसएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक स्वर्गीय एस.के. सिंह को लाइफटाइम अवॉर्ड से सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में एसएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत स्वर्गीय एस.के. सिंह जी को इंडिया इन्वेस्टर्स फेडरेशन द्वारा आयोजित वार्षिक लीडरशिप समिट-2026 में प्रतिष्ठित लाइफटाइम अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह गरिमामय समारोह लखनऊ स्थित होटल ताज में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', माननीय औद्योगिक मंत्री, उत्तर प्रदेश एवं जसवंत सिंह सैनी, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास, उत्तर प्रदेश उपस्थित रहे। स्वर्गीय एस.के. सिंह की ओर से यह प्रतिष्ठित सम्मान उनके सुपुत्र एवं एसएमएस लखनऊ के सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शरद सिंह ने प्राप्त किया। इस अवसर पर शरद सिंह ने एसएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक स्वर्गीय एस.के. सिंह जी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि 'एस.के. सिंह की दूरदर्शिता, उनके द्वारा स्थापित उच्च मानदंड तथा संस्थान के प्रति उनके निर्धारित उद्देश्य आज भी एसएमएस

के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। उनकी प्रेरणा ने संस्थान की नींव को मजबूत आधार प्रदान किया और उन्हीं मूल्यों एवं आदर्शों को आगे बढ़ाना एसएमएस परिवार की निरंतर प्रतिबद्धता है।' उन्होंने इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए इंडिया इन्वेस्टर्स फेडरेशन एवं सम्मानित जूरी के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार स्वर्गीय एस.के. सिंह के दूरदर्शी नेतृत्व, शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान तथा संस्थान के प्रति उनकी समर्पित सेवाओं का सम्मान है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान पूरे एसएमएस परिवार के लिए अत्यंत गौरव और प्रेरणा का विषय है।

एल्पिस ग्लोबल विद्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुर बिसवां। शहर के प्रतिष्ठित एल्पिस ग्लोबल विद्यालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा, उल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, मनोहारी झांकियों एवं धार्मिक प्रसंगों का सुंदर मंचन किया गया। कार्यक्रम के दौरान नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण एवं राधारानी का स्वरूप धारण कर अपनी मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। बच्चों द्वारा श्रीकृष्ण के जन्म के समय का वृत्तांत भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसमें देवकी-वसुदेव, कारागार एवं नंदगांव से जुड़े प्रसंगों को आकर्षक झांकियों के माध्यम से जीवंत किया गया। वहीं नन्हें बच्चों द्वारा प्रस्तुत श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण माखन चोरी, मटकी से दधि चोरी एवं गोप-गोपियों के साथ कान्हा की नटखट

लीलाओं का मनमोहक मंचन देखकर उपस्थित दर्शक भावविभोर हो उठे। बच्चों की मासूम अदाओं और मनोहारी अभिनय ने सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में गोवर्धन पर्वत का दृश्य भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। बाल कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा अंगुली पर धारण कर ब्रजवासियों की रक्षा करने के प्रसंग को सुंदर झांकी के माध्यम से प्रस्तुत किया। इसके साथ ही राधारानी एवं श्रीकृष्ण की मनोहारी झांकियों ने पूरे कार्यक्रम को भक्तिमय बना दिया। विद्यार्थियों की आकर्षक वेशभूषा, भावपूर्ण अभिनय एवं मनमोहक प्रस्तुतियों की उपस्थित जनों ने जमकर सराहना की। नन्हें कलाकारों की प्रस्तुतियों में ब्रज की संस्कृति, श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं एवं भारतीय धार्मिक परंपराओं की सुंदर झलक देखने को मिली। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर श्री उमंग राजवंशी एवं प्रधानाचार्या श्रीमती दीपा चंद्रा ने समस्त अध्यापकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं कर्मचारियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें प्रेम, सत्य, कर्तव्य, करुणा एवं धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम का समापन उल्लासपूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण में हुआ। विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, परंपराओं एवं नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को पूरे उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाया।

चीनी मिल के रिटायर्ड कर्मचारियों ने पीएफ-ब्याज में करोड़ों की हेराफेरी का लगाया आरोप, मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। दि किसान सहकारी चीनी मिल्स लिमिटेड महमूदाबाद के सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने मिल प्रबंधन पर भविष्य निधि (पीएफ) की धनराशि और उस पर मिलने वाले ब्याज के भुगतान में गंभीर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया है। कर्मचारियों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर उनके पीएफ खातों का पूरा विवरण उपलब्ध कराने तथा नियमानुसार बकाया ब्याज का भुगतान कराने की मांग की है। मामले की शिकायत जिलाधिकारी से भी किए जाने की बात कही गई है। रहिलामऊ निवासी सेवानिवृत्त कर्मचारी कमलेश कुमार ने शिकायती पत्र और वीडियो के माध्यम से आरोप लगाया कि वह दि किसान सहकारी चीनी मिल में रसायन विभाग में सहायक पैनमैन के पद पर कार्यरत थे और वर्ष 2022 में सेवानिवृत्त हुए। उनके अनुसार उनके साथ

करीब 700 से 800 अन्य कर्मचारी भी अलग-अलग पदों से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। आरोप है कि सेवानिवृत्ति के बाद भी कर्मचारियों को उनके पीएफ खातों की पासबुक उपलब्ध नहीं कराई गई, जिससे खाते में जमा मूलधन और ब्याज की वास्तविक स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों का दावा है कि पीएफ की धनराशि पर 8.50 प्रतिशत ब्याज देय था, लेकिन कथित तौर पर उन्हें महज 6 से 7 प्रतिशत की दर से ही भुगतान किया गया। कर्मचारियों का आरोप है कि ब्याज की शेष धनराशि का भुगतान न होने से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने मिल प्रबंधन और इस मामले से जुड़े जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच कराने की मांग की है। शिकायती पत्र में कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया है कि मिल समिति की ओर से करीब 16 करोड़ रुपये की एफडी कराई गई है, जबकि दूसरी ओर सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने पीएफ और ब्याज की पूरी धनराशि के लिए परेशान हो रहे हैं। कर्मचारियों का दावा है कि कुछ मामलों में उन्हें अपने भुगतान के लिए हाईकोर्ट की शरण तक लेनी पड़ी, जिसके बाद धनराशि मिल सकी। कर्मचारियों ने मांग की है कि उनके पीएफ खातों का पूरा लेखा-जोखा और पासबुक उपलब्ध कराई जाए, जमा धनराशि एवं ब्याज का सत्यापन कराया जाए तथा नियमानुसार यदि कोई ब्याज राशि बकाया है तो उसका भुगतान तत्काल किया जाए। कर्मचारियों का कहना है कि यदि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे मामले को उच्च अधिकारियों के समक्ष उठाने के साथ ही आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। वहीं, मामले में चीनी मिल के महाप्रबंधक का पक्ष जानने के लिए संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। सेवानिवृत्त कर्मचारियों द्वारा दिए गए शिकायती पत्र पर कमलेश कुमार, सुभाष चंद्र यादव, गया प्रसाद और राकेश कुमार श्रीवास्तव समेत कई कर्मचारियों के हस्ताक्षर दर्ज हैं। अब सवाल यह है कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पीएफ खाते में जमा धनराशि और ब्याज का वास्तविक हिसाब क्या है और 8.50 प्रतिशत ब्याज के दावे में कितनी सच्चाई है? कर्मचारियों की शिकायत के बाद जांच होती है तो पूरे मामले की तस्वीर साफ होने की उम्मीद है।

मंडलीय भारोत्तोलन में सीतापुर का दबदबा, ओवरऑल विजेता बना सीतापुर

महमूदाबाद के सीता इंटर कॉलेज में चार जिलों के करीब 100 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, 31 विजेताओं में 16 सीतापुर के

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। सीता इंटर कॉलेज महमूदाबाद में मंडलीय माध्यमिक विद्यालयी भारोत्तोलन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मंडल के चार जनपदों के विभिन्न विद्यालयों के लगभग एक सैकड़ा प्रतिभागियों ने दमखम दिखाया। प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को मेडल व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। मंडलीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता में ओवरऑल विजेता का खिताब सीतापुर जनपद के नाम रहा। सीता इंटर कालेज के शास्त्री सभागार में मंडलीय माध्यमिक विद्यालयी भारोत्तोलन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ राजकीय इण्टर कॉलेज जेनवा के प्रधानाचार्य अशोक कुमार व प्रधानाचार्य रमेश वाजपेयी विरल, जिला क्रीड़ा सचिव अवधेश नंदन पाण्डेय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। मंडलीय प्रतियोगिता में लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर व हरदोई के करीब 100 प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने

प्रतिभाग किया। अंडर 17 व 19 आयु वर्ग में विभिन्न भार वर्गों में जूनियर बालिका वर्ग में लखनऊ से रमजा बानो, पलक कुमारी, चाहत मौर्या, चांदनी राजभर, सीतापुर से राखी, शिवानी वर्मा, सिमरन जीत कौर व हरदोई से नव्या गुप्ता, सीनियर बालिका लखनऊ से प्रियंका, नैना सैनी, सुनीता, शिवानी कश्यप, साक्षी गुप्ता व सीतापुर से सुचिता, तृप्ति गुप्ता, जूनियर बालक वर्ग में सीतापुर के अगम, अंश तिवारी, राजकुमार, आशुतोष कुमार, वंश गुप्त, शिवेन्द्र प्रताप व लखीमपुर के ऋतिक शर्मा, दिव्यकर, सीनियर बालक वर्ग सीतापुर के अनुराग यादव, राजशेखर, शुभ कुमार, अभिदीप रावत, मो. युसूफ लखनऊ के भविष्य जोशी, अनिरुद्ध शुक्ल व लखीमपुर के हर्षित गुप्त विजयी रहे। मंडलीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता में अंडर 17 बालक व बालिका वर्ग तथा अंडर 19 बालक वर्ग में जनपद सीतापुर विजेता रहा। अंडर 19 बालिका वर्ग में जनपद लखनऊ विजेता और जनपद सीतापुर उप विजेता बना। इसके साथ अंडर 17 बालक वर्ग में जनपद लखीमपुर तथा अंडर 19 बालक व 17 बालिका वर्ग में जनपद लखनऊ उप विजेता बना। ओवरऑल विजेता का खिताब जनपद सीतापुर ने अपने नाम किया। मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में विभिन्न जनपदों से स्थान प्राप्त करने वाले 31 प्रतिभागियों में से सर्वाधिक 16 प्रतिभागी जनपद सीतापुर से रहे जिसमें 10 प्रतिभागी सीता ग्रूप ऑफ एजूकेशन के रहे। मंडल स्तर पर विजयी प्रतिभागी 19 से 21 सितंबर तक सहारनपुर में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगें। इस अवसर पर संस्था के डिप्टी मैनेजर आंजनेय आशीष, वागीश दिनकर वाजपेयी, प्रधानाचार्य शैलेंद्र वर्मा, क्रीड़ा प्रभारी रौनक कश्यप, दीप वर्मा, पवन कुमार, निखिल रस्तोगी, अरविन्द पटेल, सांभवी गुप्ता, अनिल यादव, पीयूष चौबे, चंद्रवती, अनूप सिंह सहित कई अन्य खेल शिक्षक उपस्थित रहे।

राधा बिना कृष्ण अधूरे, प्रेम बिना धर्म अधूरा : बृजमोहन सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजमोहन सिंह जी ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह जन्माष्टमी केवल कृष्ण की नहीं, राधा-कृष्ण के अटूट प्रेम की पूजा का दिन है। उन्होंने कहा, 'कृष्ण धर्म हैं तो राधा प्रेम हैं, कृष्ण गीता हैं तो राधा भक्ति हैं। एक के बिना दूसरा अधूरा है। आज हमारे देश को भी इसी की जरूरत है - धर्म के साथ प्रेम, और सत्ता के साथ भक्ति।' उन्होंने कहा कि आज कंस केवल मथुरा में नहीं, घर-घर में बैठा है - बेरोजगारी के रूप में, महंगाई के रूप में, भ्रष्टाचार के रूप में। आज जनता के साथ हर तरफ अत्याचार हो रहा है। आज फिर से उसी कंस का अंत करने के लिए हर दिल में कृष्ण को जन्म लेना होगा। उन्होंने कहा, विष्णु अवतार का सत्य यही है कि जब-जब धरती पर पाप बढ़ता है, तब-तब भगवान का अवतार होता है। जब कंस और कौरवों का अत्याचार बढ़ा, तब श्री कृष्ण के रूप में धर्म ने जन्म लिया। युद्ध के मैदान में जब अर्जुन मोह में पड़ गया, तब भगवान

कृष्ण ने कहा था - 'पार्थ! तुम्हें युद्ध करना है, तुम हारे नहीं हो।' जिस प्रकार द्रौपदी की लाज बचाकर कृष्ण ने नारी सम्मान की रक्षा की थी, उसी प्रकार आज भी गरीबों के सम्मान की रक्षा करनी है। आज देश में कंस जैसे अभिमानी, अत्याचारी, गरीबों के दुश्मन नेता पैदा हो चुके हैं। उनके पाप का घड़ा भर चुका है, उनका अंत होना तय है। उनका वध करने के लिए कृष्ण का जन्म हो चुका है। बृजमोहन सिंह जी ने कहा कि भारतीय जन समाज पार्टी राधा-कृष्ण के इसी प्रेम और धर्म के मार्ग पर चलकर इस कंस रूपी अन्याय का अंत करेगी।

जय श्री राधे-कृष्णा! जय बांके बिहारी लाल की! जय मुरली मनोहर! जय कन्हैया लाल की!

ओमैक्स मैट्रो सिटी में अजगर की मौजूदगी से मचा हड़कंप

पीजीआई/लखनऊ। रायबरेली रोड कल्ली पश्चिम की ओमैक्स मैट्रो सिटी में अजगर सांप के मिलने से अफरातफरी मच गयी। बुधवार की रात ओमैक्स की सुरक्षा

टीम के सुपरवाइजर सुशील भट्ट और चन्द्रपाल की नजर पेंड़ पर चढ़ते हुए अजगर पर पड़ी।लगभग पंद्रह फुट लंबे अजगर को देख कर उनके होश उड़ गये।आननफानन फानन में सुशील भट्ट ने रेस्क्यू परसन महबूब अंसारी को फोन किया लेकिन तबतक अजगर पेंड़ की उंचाई पर पहुंच गया।मौके पर पहुंचे महबूब ने मशक्कतों के बाद अजगर को काबू किया और सुरक्षित उसे जंगल में छोड़ा।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, इमरान खान पुत्र श्री शकील खान, उम्र लगभग 35 वर्ष, निवासी मोहल्ला तुरंतपुर, पुरानी बाजार, तुलसीपुर, जनपद बलरामपुर, उत्तर प्रदेश-271208, भारत का नागरिक हूं। मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम 'IMRAN KHAN' अंकित है, जबकि मेरे पासपोर्ट संख्या P0332263 में मेरा नाम 'MOHAMMAD IMRAN' अंकित है। 'MOHAMMAD IMRAN' एवं 'IMRAN KHAN' दोनों नाम मेरे ही हैं तथा दोनों नामों से आशय एक ही व्यक्ति से है।

अत: मैंने शपथ पत्र के माध्यम से घोषणा की है कि भविष्य में अपने सभी सरकारी, गैर-सरकारी, बैंकिंग, यात्रा एवं अन्य अभिलेखों में अपना नाम 'IMRAN KHAN' ही रखूंगा एवं प्रयोग करूंगा। इस संबंध में दिनांक 02 सितंबर 2026 को शपथ पत्र निष्पादित किया गया है।

इमरान खान
पुत्र श्री शकील खान
निवासी- तुलसीपुर, जनपद
बलरामपुर, उत्तर प्रदेश।

दिव्यांग रेलकर्मियों को मिली राहत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में कार्यरत दिव्यांग

कर्मचारियों को कार्यस्थल तक सुगमता से पहुंचने के लिए तिपहिया स्कूटी वितरित की गई। महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरणवरकर ने लखनऊ मंडल के 23 दिव्यांग कर्मचारियों को स्कूटी प्रदान की। बताया गया कि करीब दो माह पूर्व मंडल के 13 दिव्यांग कर्मचारियों को स्कूटी वितरित की गई थी। इसके बाद एनई रेलवे मेंस कांग्रेस की मांग पर मंडल में शेष दिव्यांग कर्मचारियों को भी स्कूटी उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर महाप्रबंधक ने सहमति प्रदान की। कर्मचारी कल्याण निधि से स्कूटी वितरण के लिए धनराशि आवंटित कराने में मंडल रेल प्रबंधक लखनऊ गौरव अग्रवाल, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता, एनई रेलवे मेंस कांग्रेस के मंडल मंत्री राकेश चंद्र वर्मा, ओबीसी एसोसिएशन के मंडल मंत्री संजय यादव तथा एससी-एसटी एसोसिएशन के मंडल मंत्री नवनीत वर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्कूटी वितरण कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल, मंडल मंत्री राकेश चंद्र वर्मा, जोनल प्रतिनिधि शिवेंद्र पांडे, मंडल मंत्री मुख्यालय विजय नाथ ठाकुर, मंडल अध्यक्ष प्राणशाही, मंडल मंत्री प्रदीप श्रीवास्तव, शाखा मंत्री सिग्नल कारखाना नितेश शुक्ला, शाखा मंत्री अनुराग त्रिपाठी, योगेंद्र प्रताप सिंह, अध्यक्ष अमित पांडे, गौतम पांडे, अशोक मिश्रा, शादिक, सुखदेव, वंश बहादुर, प्रवीण सिंह, संदीप कुमार, वीरेंद्र सिंह, प्रमोद कुमार सिंह सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम इन्द्र कुमार पुत्र जलील प्रसाद ग्राम व पोस्ट धोबहा थाना कठेला समय माता, जनपद- सिद्धार्थनगर का स्थायी निवासी हूँ मेरा इंटर मीडिएट का मूल अंकपत्र वर्ष 2021 जिसका अनुक्रमांक 217325106 है। वास्तव में खो गया है। काफी तलाश करने के बाद भी मुझे प्राप्त नहीं हो पाया है।

नाम इन्द्र कुमार पुत्र जलील प्रसाद
ग्राम व पोस्ट धोबहा थाना कठेला
समय माता, जनपद- सिद्धार्थनगर

आवास विकास परिषद में दलालों का बोलबाला,बारह लाख की ठगी के आरोप में नकली बाबू गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीजीआई/लखनऊ। आवास विकास परिषद के वृन्दावन योजना में स्थित कार्यालय में दलालों का मकड़जाल बुरी तरह फैला हुआ है।इन दलालों के जाल में फंस कर खुद का आशियाना बनाने की चाहत रखने वाले कई लोग लाखों रुपये गंवा चुके हैं। ताजा मामले में दलाल आवास विकास परिषद का नकली बाबू बनकर मकान दिलाने के नाम पर लाखों रुपये ठग लिये।मिली जानकारी के मुताबिक वृंदावन योजना निवासी अनूप कुमार सिंह सस्ते मकान की चाहत में दलालों के शिकार बन गये।उनका आरोप है कि आरोपी ने आवास विकास परिषद में बाबू होने का दावा किया,यही नहीं उसने विश्वास में लेने के लिये परिषद कर्मचारी होने का फरजी परिचय कार्ड भी दिखाया।दलालों ने सस्ता

मकान दिलाने का भरोसा दिया और उसके तथा उसके दोस्त से करीब 12 लाख रुपये ले लिए लेकिन करीब एक साल इंतजार के बाद भी मकान नहीं मिल सका और रकम वापस मांगी गई तो दलालों ने मोबाइल नंबर बंद कर लिये।पीड़ित अनुप कुमार सिंह के मुताबिक आरोपी ने खुद को आवास विकास का बड़ा बाबू बताते हुए सेक्टर-6 में मकान दिलाने की बात कही थी और मकान का सौदा कराने के नाम पर पहले 20 प्रतिशत रकम मांगी गई। इसके बाद करीब 2 लाख रुपये नकद और लगभग 10 लाख रुपये ऑनलाइन दिए गए। बुधवार को निगोहां स्थित एक पेट्रोल पंप के पास पीड़ित की आरोपी से मुलाकात हो गई। पीड़ित ने उसे रोककर रकम वापस करने को कहा तो विवाद शुरू हो गया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी ने अपने लोगों को बुला लिया और मारपीट की स्थिति बन गई। इसके बाद पीड़ित ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

पूर्व में भी दर्ज हो चुके दलाल पर मुकदमे

पीड़ित अनुप कुमार सिंह ने बताया कि लाखों रुपए देने के बाद मकान न मिलने पर आवास विकास परिषद के बाबू के विषय मे जानकारी की तो पता चला कि राजेन्द्र पर आवास विकास परिषद का बाबू बनकर धोखाधड़ी और जालसाजी करने के एक से अधिक मामले दर्ज हैं और वह कई मामलों में जेल भी जा चुका है।

संपादकीय

अंधविरोध का वैचारिक गठबंधन

पश्चिमी जगत लंबे समय से मानवाधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धार्मिक स्वतंत्रता, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास जैसे विषयों पर स्वयं को वैश्विक नैतिकता के प्रहरी के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। इन मूल्यों का लोकतांत्रिक समाजों में अपना महत्व है और किसी भी सभ्य व्यवस्था की पहचान इसी से होती है कि वह व्यक्ति की स्वतंत्रता, असहमति के अधिकार और विविध विचारों के सह-अस्तित्व को कितना सम्मान देती है। किंतु समस्या तब उत्पन्न होती है, जब इन आदर्शों की कसौटी समान रूप से लागू न हो और राजनीतिक सुविधा के अनुसार उनके अर्थ बदलते दिखाई दें। अमेरिका जैसे लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को संवैधानिक व्यवस्था की आधारशिला माना जाता है। वहां असहमति को लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया के रूप में देखा जाता रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में वहां भी राजनीतिक और वैचारिक ध्रुवीकरण इतना गहरा हुआ है कि किसी व्यक्ति, संगठन अथवा विचार की स्वीकार्यता कई बार उसके तर्क और तथ्य से अधिक उसके राजनीतिक परिचय से तय होती दिखाई देती है। यदि कोई विचार स्थापित वैचारिक खांचे के अनुकूल है तो उसे लोकतांत्रिक असहमति कहा जाता है और यदि वह उस खांचे से बाहर है तो उसे असहिष्णुता, कट्टरता अथवा लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खतरा बताने की प्रवृत्ति दिखाई देती है। यही विरोधाभास चिंता का विषय है। न्यूयार्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में 29 अगस्त को आयोजित 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' का प्रसंग इसी बहस को सामने लाता है। विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक समुदायों के बीच संवाद, सह-अस्तित्व और एकता का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत ने संबोधन किया। कार्यक्रम का आयोजन 'अमेरिकन हिंदूज फार एगेजमेंट एंड डायलाग' ने किया और इसे अनेक हिंदू-अमेरिकी संगठनों का समर्थन मिला। अमेरिका के विभिन्न शहरों तथा 31 देशों से आए हजारों प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में हिंदू-अमेरिकी संगठनों की भागीदारी ने इसकी व्यापकता को रेखांकित किया। इसके बावजूद कार्यक्रम को लेकर विरोध के स्वर उठे। न्यूयार्क के मेयर जोहरान ममदानी ने सार्वजनिक रूप से असहमति जताई और कार्यक्रम रद करने की मांग की। प्रश्न यह नहीं है कि किसी राजनीतिक व्यक्ति या संगठन को किसी कार्यक्रम से असहमति रखने का अधिकार है या नहीं। निश्चित रूप से उसे यह अधिकार है। असली प्रश्न यह है कि क्या किसी वक्ता को सुने बिना ही उसके विचारों को अस्वीकार्य घोषित कर देना लोकतांत्रिक बहुलतावाद की भावना के अनुकूल है? लोकतंत्र का अर्थ केवल अपनी पसंद के विचारों को मंच उपलब्ध कराना नहीं है। लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा उस समय होती है, जब हमारे सामने ऐसा विचार उपस्थित हो जिससे हम सहमत न हों। ऐसे विचार को सुनना, उसका प्रतिवाद करना और आवश्यकता हो तो सार्वजनिक बहस के माध्यम से उसकी आलोचना करना लोकतांत्रिक परंपरा है। किसी विचार को मंच से पहले ही प्रतिबंधित कर देने की मानसिकता अंततः उस समाज को वैचारिक रूप से कमजोर करती है, जो स्वयं को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सबसे बड़ा समर्थक बताता है। इस प्रकरण में 'हिंदूज फार ह्यूमन राइट्स' जैसे संगठनों की सक्रियता भी चर्चा का विषय बनी। संगठन भारत, हिंदुत्व और संघ से जुड़े मुद्दों पर लंबे समय से आलोचनात्मक रुख अपनाता रहा है। उसकी कार्यकारी निदेशक सुनीता विश्वनाथ नागरिकता संशोधन कानून और 'हाऊडी मोदी' कार्यक्रम के विरोध सहित विभिन्न अभियानों में सक्रिय रही हैं। 'डिसमेंटलिंग ग्लोबल हिंदुत्व' जैसे अभियानों में उनकी भूमिका भी चर्चा में रही है। यहां किसी व्यक्ति या संगठन की राजनीतिक अथवा वैचारिक असहमति पर आपत्ति करना उद्देश्य नहीं है। लोकतंत्र में हर नागरिक और संगठन को अपनी विचारधारा रखने तथा सरकार अथवा किसी सामाजिक संगठन की आलोचना करने का अधिकार है। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब अलग-अलग संगठनों, राजनीतिक समूहों और दबाव समूहों के आरोप एक-दूसरे के प्रमाण की तरह इस्तेमाल होने लगें। एक मंच पर लगाया गया आरोप दूसरे मंच पर उद्धृत होता है, फिर वही आरोप तीसरे मंच से तथ्य की तरह प्रस्तुत किया जाता है और धीरे-धीरे एक ऐसा नैरेटिव तैयार हो जाता है, जिसे बिना स्वतंत्र जांच के स्थापित सत्य मान लिया जाता है। यही वह स्थिति है, जिसे वैचारिक प्रतिध्वनि-कक्ष कहा जा सकता है। इसमें समान विचार रखने वाले समूह एक-दूसरे की बात को लगातार दोहराते हैं और विरोधी विचारों के लिए संवाद का स्थान लगातार संकुचित होता जाता है। न्यूयार्क की राजनीति और भारत से जुड़े कुछ अंतरराष्ट्रीय विमर्शों को भी इसी संदर्भ में देखा जा सकता है। जोहरान ममदानी भारत की कुछ नीतियों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आलोचनात्मक रुख के लिए जाने जाते हैं। नागरिकता संशोधन कानून, जम्मू-कश्मीर और अन्य राजनीतिक विषयों पर उनका विरोध सार्वजनिक रूप से सामने आता रहा है। इसी प्रकार अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के कुछ पदाधिकारियों की भारत संबंधी टिप्पणियां भी लंबे समय से विवाद का विषय रही हैं। किसी देश की नीतियों की आलोचना करना किसी भी अंतरराष्ट्रीय संस्था या व्यक्ति का अधिकार है। भारत भी विश्व के विभिन्न देशों की नीतियों पर अपनी राय रखता है। इसलिए आलोचना को अपने आप में अनुचित नहीं कहा जा सकता। किंतु धार्मिक स्वतंत्रता जैसे गंभीर विषय को राजनीतिक संघर्ष का उपकरण बना देना चिंताजनक है।

राष्ट्रीय आत्मविश्वास को मजबूत करेगा जीएसएलवी-एफ17 का प्रक्षेपण

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जल्द ही जीएसएलवी-एफ17 के प्रक्षेपण के साथ भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ने जा रहा है। इस मिशन के तहत पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओएस-05 को अंतरिक्ष में स्थापित किया जाएगा। यह उपग्रह भारतीय उपमहाद्वीप और आसपास के क्षेत्रों की लगातार निगरानी करने में सक्षम होगा। विशेष रूप से प्राकृतिक आपदाओं, मौसम, कृषि, वानिकी, पर्यावरण और रणनीतिक क्षेत्रों की निगरानी में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ईओएस-05 को अत्याधुनिक चित्रांकन क्षमताओं से लैस किया गया है। इसका उद्देश्य बड़े भू-भाग की बार-बार और लगभग वास्तविक समय में तस्वीरें उपलब्ध कराना है। ऐसे समय में जब जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़, चक्रवात, जंगल की आग, बादल फटने और अन्य प्राकृतिक आपदाओं की घटनाएं बढ़ रही हैं, इस प्रकार की अंतरिक्ष आधारित निगरानी व्यवस्था आपदा प्रबंधन के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है। ईओएस-05 मिशन को वर्ष 2021 में ईओएस-03 के प्रक्षेपण के दौरान आई विफलता के बाद की महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। उस समय जीएसएलवी-एफ10 मिशन के दौरान रॉकेट के पहले और दूसरे चरण ने सामान्य रूप से काम किया था, लेकिन क्रायोजेनिक ऊपरी चरण का इंजन निर्धारित तरीके से शुरू नहीं हो सका। इसके परिणामस्वरूप उपग्रह को निर्धारित कक्षा में स्थापित नहीं किया जा सका। ऐसे में जीएसएलवी-एफ17 मिशन की सफलता केवल एक उपग्रह के सफल प्रक्षेपण तक सीमित नहीं होगी, बल्कि यह भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में तकनीकी भरोसे को और मजबूत करने का अवसर भी बनेगी। ईओएस-05 को लगभग 36 हजार किलोमीटर की जियोसिंक्रोनस कक्षा से भारतीय भू-भाग पर लगातार नजर रखने के लिए तैयार किया गया है। इसकी विशेषता यह है कि यह पृथ्वी के घूर्णन के साथ तालमेल बनाए रखते हुए एक बड़े क्षेत्र की निरंतर निगरानी कर सकता है। इसकी तुलना किसी ऐसे पर्यवेक्षक से की जा सकती है, जो ऊंचाई पर स्थित होकर एक बड़े क्षेत्र पर लगातार नजर रखता हो। निम्न पृथ्वी कक्षा में स्थापित उपग्रह किसी स्थान के ऊपर से समय-समय पर गुजरते हैं, जबकि जियोसिंक्रोनस कक्षा में स्थित उपग्रह एक निश्चित क्षेत्र पर लंबे समय तक निगरानी बनाए रख सकता है। उपग्रह में दृश्य, निकट-अवरक्त और लघु-तरंग अवरक्त बैंड में बहुवर्णीय तथा अतिवर्णीय चित्र लेने की क्षमता है। चुनिंदा क्षेत्रों की लगभग हर पांच मिनट में तथा पूरे भारतीय भू-भाग की लगभग हर 30 मिनट में तस्वीरें प्राप्त की जा सकती हैं। बहुवर्णीय प्रणाली में इसका स्थानिक विभेदन लगभग 42 मीटर बताया गया है। ईओएस-05 की सबसे महत्वपूर्ण उपयोगिता प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी में हो सकती है। चक्रवात, बाढ़, जंगल की आग, बादल फटने और आंधी-तूफान जैसी घटनाओं के दौरान तेजी से प्राप्त तस्वीरें प्रशासन को हालात का आकलन करने और राहत-बचाव कार्यों की बेहतर योजना बनाने में मदद कर सकती हैं। उपग्रह से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर प्रभावित क्षेत्रों की पहचान, नुकसान का आकलन और राहत कार्यों की प्राथमिकता तय करने में सहायता मिल सकती है। इसके अलावा मौसम और पर्यावरण की निगरानी को भी इससे मजबूती मिलेगी। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में पृथ्वी अवलोकन उपग्रहों का महत्व और बढ़ जाता है। ईओएस-05 से फसलों की स्थिति, वनस्पतियों के स्वास्थ्य, जल निकायों और प्राकृतिक संसाधनों की निगरानी में मदद मिलने की उम्मीद है। उपग्रह से मिलने वाले आंकड़े कृषि क्षेत्र में फसल आकलन, संभावित नुकसान की पहचान और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर प्रबंधन में उपयोगी हो सकते हैं। इससे आंकड़ा आधारित कृषि नियोजन को भी बढ़ावा मिलेगा। ईओएस-05 की लगातार निगरानी क्षमता का उपयोग रणनीतिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े क्षेत्रों में भी किया जा सकता है। महत्वपूर्ण सीमावर्ती क्षेत्रों तथा संवेदनशील इलाकों पर लगातार नजर रखने की क्षमता देश की अंतरिक्ष आधारित निगरानी व्यवस्था को मजबूती प्रदान कर सकती है। हालांकि उपग्रह का प्राथमिक उद्देश्य व्यापक पृथ्वी अवलोकन है, लेकिन इसकी उच्च आवृत्ति वाली चित्रांकन क्षमता रणनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हो सकती है। जीएसएलवी-एफ17 मिशन ऐसे समय में हो रहा है, जब इसरो अपने प्रक्षेपण कार्यक्रम को नई गति देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हाल के कुछ प्रक्षेपणों में आई तकनीकी चुनौतियों के बाद इस मिशन की सफलता पर विशेष ध्यान रहेगा। जीएसएलवी भारत का महत्वपूर्ण भू-समकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान है। इसमें ठोस रॉकेट बूस्टर, द्रव इंजन और क्रायोजेनिक ऊपरी चरण का इस्तेमाल किया जाता है। जीएसएलवी मार्क-2 भारतीय क्रायोजेनिक ऊपरी चरण के साथ देश की भारी उपग्रह प्रक्षेपण क्षमता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जीएसएलवी-एफ17 मिशन के तहत ईओएस-05 को उप-जियोसिंक्रोनस स्थानांतरण कक्षा में स्थापित किया जाना है। प्रस्तावित कक्षा में इसकी निकटतम ऊंचाई लगभग 170 किलोमीटर और सबसे दूर की ऊंचाई लगभग 28,934 किलोमीटर होगी। इसरो की आगामी योजनाओं में कई महत्वपूर्ण मिशन शामिल हैं। इनमें मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के तहत गगनयान की बिना चालक दल वाली उड़ान भी महत्वपूर्ण है। इसके अलावा संचार, नौवहन, पृथ्वी अवलोकन और वैज्ञानिक अनुसंधान से जुड़े कई उपग्रह मिशन भी प्रस्तावित हैं। इन मिशनों की सफलता भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं को और विस्तार देगी। साथ ही भविष्य में मानव अंतरिक्ष उड़ान, गहरे अंतरिक्ष अनुसंधान और उन्नत उपग्रह प्रणालियों के विकास के लिए आवश्यक तकनीकी आधार मजबूत होगा। जीएसएलवी-एफ17 का सफल प्रक्षेपण तकनीकी उपलब्धि के साथ-साथ राष्ट्रीय आत्मविश्वास के लिए भी महत्वपूर्ण होगा। अंतरिक्ष कार्यक्रम केवल रॉकेट और उपग्रहों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की वैज्ञानिक क्षमता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और रणनीतिक सामर्थ्य का भी प्रतीक है। ईओएस-05 से प्राप्त आंकड़े मौसम पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन, कृषि, वानिकी, पर्यावरण और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों में उपयोगी साबित हो सकते हैं। ऐसे में इस मिशन की सफलता भारत की अंतरिक्ष आधारित पृथ्वी अवलोकन क्षमता को नई ऊंचाई देने के साथ भविष्य के अधिक उन्नत उपग्रह मिशनों के लिए भी रास्ता तैयार करेगी।

क्या इंसानी गतिविधियां पिघला रही हैं हिमालय की बर्फ?

खुम्बू ग्लेशियर पर बढ़ती गर्मी और कचरे का असर चिंता का विषय, एक अध्ययन में बेस कैंप क्षेत्र में तेजी से बढ़ते तापमान का दावा

हिमालय को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक जल प्रणालियों में से एक माना जाता है। इसकी बर्फीली चोटियां और ग्लेशियर करोड़ों लोगों के लिए पानी के प्रमुख स्रोत हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ अब हिमालय के उन इलाकों में बढ़ती मानवीय गतिविधियां भी चिंता का कारण बन रही हैं, जिन्हें कभी पूरी तरह निर्जन और दुर्गम माना जाता था। माउंट एवरेस्ट का खुम्बू ग्लेशियर इसका एक प्रमुख उदाहरण है। एवरेस्ट बेस कैंप समुद्र तल से करीब 5,300 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। पर्वतारोहण के मौसम में यहां हजारों पर्वतारोही, गाइड, पोर्टर, रसोइये, चिकित्साकर्मी और अन्य कर्मचारी पहुंचते हैं। कुछ महीनों के लिए यह क्षेत्र एक अस्थायी कस्बे का रूप ले लेता है। बेस कैंप पर बढ़ती सुविधाओं ने पर्वतारोहण को पहले की तुलना में अधिक आरामदायक जरूर बनाया है, लेकिन इसके साथ ऊर्जा की खपत, कचरे और मानवीय गतिविधियों का दबाव भी बढ़ा है। वर्ष 2023 के पर्वतारोहण मौसम में एवरेस्ट बेस कैंप में करीब 1,600 टेंट लगाए गए थे। यहां खाना पकाने, बिजली और ताप व्यवस्था के लिए बड़ी मात्रा में ईंधन का इस्तेमाल हुआ। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान सैकड़ों गैस सिलेंडर के साथ हजारों लीटर मिट्टी का तेल और पेट्रोलियम ईंधन इस्तेमाल किया गया। इन गतिविधियों से निकलने वाली गर्मी स्थानीय वातावरण के तापमान को प्रभावित कर सकती है। एक अध्ययन में बेस कैंप के आसपास के क्षेत्र में सतह के तापमान में ग्लेशियर के अन्य हिस्सों की तुलना में अपेक्षाकृत तेज वृद्धि दर्ज किए जाने का दावा किया गया है। इस अध्ययन में नेपाल के मुख्य सर्वेक्षण अधिकारी खिम लाल गौतम और अमेरिका के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से जुड़ी वैज्ञानिक वर्जीनिया बर्केट सहित शोधकर्ताओं ने काम किया। शोधकर्ताओं ने 1991 से 2023 के बीच उपलब्ध बादल रहित तापीय उपग्रह तस्वीरों का विश्लेषण किया। इस अध्ययन से जुड़ा सबसे ज्यादा चर्चा में आया आंकड़ा मानव मूत्र से संबंधित है। शोधकर्ताओं के अनुमान के अनुसार, बेस कैंप में पर्वतारोहियों और कर्मचारियों द्वारा छोड़े गए मूत्र से पैदा होने वाली गर्मी से करीब 154 टन बर्फ पिघलने का प्रभाव हो सकता है। हालांकि इसे इस तरह समझना जरूरी है कि पूरे खुम्बू ग्लेशियर के पिघलने के लिए केवल इंसानी पेशाब जिम्मेदार नहीं है। अध्ययन में मानवीय गतिविधियों से पैदा होने वाली कुल गर्मी, ईंधन के इस्तेमाल और अन्य गतिविधियों के प्रभाव को व्यापक संदर्भ में देखा गया है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में शरीर को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना बेहद जरूरी होता है। इसलिए पर्वतारोही बड़ी मात्रा में पानी पीते हैं और स्वाभाविक रूप से बड़ी मात्रा में मूत्र भी पैदा होता है। यही कारण है कि हजारों लोगों की मौजूदगी वाले इस अस्थायी शिविर में मानव अपशिष्ट का प्रबंधन गंभीर पर्यावरणीय चुनौती बन गया है। बेस कैंप में करीब 2,000 लोगों की मौजूदगी के दौरान प्रतिदिन बड़ी मात्रा में मानव अपशिष्ट पैदा होता है। इसके लिए पिट-वॉल्ट शौचालयों की व्यवस्था की जाती है और ठोस अपशिष्ट को नीचे लाने का प्रयास किया जाता है। लेकिन रिपोर्टों के अनुसार, कई लोग खुले ग्लेशियर क्षेत्र में ही पेशाब कर देते हैं। यह स्थिति केवल बर्फ पिघलने के लिहाज से ही चिंताजनक नहीं है। ग्लेशियर से निकलने वाला पानी आसपास के समुदायों के लिए महत्वपूर्ण जल स्रोत है। ऐसे में मानव अपशिष्ट का सीधे बर्फ और जल स्रोतों में पहुंचना पर्यावरण तथा स्थानीय आबादी दोनों के लिए समस्या पैदा कर सकता है। शोधकर्ताओं ने उपग्रह से प्राप्त तापीय आंकड़ों के जरिए बेस कैंप और आसपास के ग्लेशियर क्षेत्रों में तापमान के बदलाव की तुलना की। अध्ययन के अनुसार, बेस कैंप वाले हिस्से में तापमान वृद्धि ग्लेशियर के बर्फ से ढके हिस्सों की तुलना में लगभग दोगुनी गति से हुई। इसके पीछे केवल एक कारण नहीं माना जा सकता। बेस कैंप में खाना पकाने, बिजली पैदा करने और गर्मी के लिए ईंधन जलाया जाता है। जनरेटर, रसोई, हीटिंग उपकरण और हजारों लोगों की मौजूदगी से स्थानीय स्तर पर अतिरिक्त गर्मी पैदा होती है। शोधकर्ताओं का यह भी कहना है कि उनके आकलन में हेलीकॉप्टर, ट्रेकर्स और याक जैसे अन्य गर्मी पैदा करने वाले स्रोतों को पूरी तरह शामिल नहीं किया गया था। इससे वास्तविक मानवीय प्रभाव कुछ अलग हो सकता है। हालांकि एवरेस्ट क्षेत्र में मानवीय गतिविधियों का स्थानीय प्रभाव महत्वपूर्ण है, लेकिन हिमालयी ग्लेशियरों के सामने सबसे बड़ा और दीर्घकालिक खतरा जलवायु परिवर्तन ही है। तापमान में वैश्विक वृद्धि के कारण हिमालय के ग्लेशियर लगातार सिकुड़ रहे हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, पिछले वर्षों में ग्लेशियरों के पिघलने की गति में भी वृद्धि हुई है। इसका असर केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इससे नीचे रहने वाली आबादी के जल संसाधनों, कृषि, पनबिजली और पारिस्थितिकी पर भी असर पड़ सकता है। यानी समस्या को केवल इस सवाल तक सीमित करना उचित नहीं होगा कि 'क्या पेशाब से ग्लेशियर पिघल रहा है?' असली सवाल यह है कि क्या बढ़ता पर्यटन और पर्वतारोहण हिमालय के नाजुक पर्यावरण पर अतिरिक्त दबाव डाल रहा है? ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से कई स्थानों पर पानी जमा होकर ग्लेशियर झीलों का निर्माण कर सकता है। यदि ऐसी झीलों की प्राकृतिक या बर्फीली बांध जैसी संरचना टूटती है तो अचानक बड़े पैमाने पर पानी नीचे की ओर आ सकता है। इसे ग्लेशियर झील विस्फोट बाढ़ कहा जाता है। ऐसी घटनाएं पहाड़ी क्षेत्रों में जान-माल और बुनियादी ढांचे के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती हैं। इसके अलावा ग्लेशियर के कमजोर होने से हिमस्खलन और चट्टानों के खिसकने जैसी घटनाओं का जोखिम भी बढ़ सकता है। एवरेस्ट दुनिया की सबसे ऊंची चोटी होने के कारण हर वर्ष हजारों लोगों को आकर्षित करता है। पर्वतारोहण नेपाल की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है और इससे स्थानीय समुदायों को रोजगार तथा आय मिलती है। लेकिन आर्थिक गतिविधियों और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाना अब पहले से अधिक जरूरी हो गया है। बढ़ते पर्वतारोहण के साथ कचरा प्रबंधन, मानव अपशिष्ट का निपटान, ईंधन की खपत और शिविरों की संख्या जैसे मुद्दों पर गंभीरता से विचार करना होगा। केवल पर्वतारोहियों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं है; हिमालय की वहन क्षमता को भी ध्यान में रखना होगा। एवरेस्ट बेस कैंप जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में पर्यावरणीय दबाव कम करने के लिए मानव अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन, स्वच्छ ऊर्जा के अधिक इस्तेमाल और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने की जरूरत है। इसके साथ ही पर्वतारोहियों और अभियान संचालकों के लिए कड़े पर्यावरणीय मानक लागू किए जा सकते हैं। कचरे की निगरानी, अपशिष्ट को वापस नीचे लाने की व्यवस्था, स्वच्छता संबंधी नियमों का पालन और संवेदनशील क्षेत्रों में मानवीय गतिविधियों की सीमा तय करना भी आवश्यक हो सकता है।

मेष-आज आपको काम पर ध्यान केंद्रित करने में कुछ कठिनाई हो सकती है। अपेक्षित सहयोग न मिलने से खर्च बढ़ सकता है। हालांकि मनोरंजन और उत्सव के अवसर मन को प्रसन्न रखेंगे।

वृषभ-आज योजनाबद्ध तरीके से काम करना आपके लिए बेहतर रहेगा। दूसरों पर निर्भरता कम होगी और भविष्य से जुड़ी योजनाओं पर धन खर्च हो सकता है। मानसिक सक्रियता बनी रहेगी।

मिथुन-आज आत्मविश्वास के साथ सकारात्मक बातचीत करने से नौकरी और व्यवसाय में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। शिक्षा से जुड़े मामलों में अपेक्षित सुविधाएं मिलने की संभावना है।

कर्क-आज राजनीतिक और सामाजिक मामलों में परिस्थितियां आपके पक्ष में रह सकती हैं। पुराने मुद्दों पर आगे बढ़ने से पहले अपने कार्यों की समीक्षा करें। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं।

सिंह-आज परिस्थितियों को अपने अनुकूल बनाने के लिए सक्रिय होकर काम करना होगा। अनुभव और कौशल का सही उपयोग लाभ देगा। प्रेम संबंधों में नई शुरुआत की संभावना बन सकती है।

कन्या-आज आर्थिक मामलों में कुछ दबाव महसूस हो सकता है। आवश्यकता पड़ने पर माता-पिता या मित्रों का सहयोग लेना पड़ सकता है। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और अपनी दिनचर्या पर ध्यान दें।

तुला-आज सरकारी योजनाओं से जुड़े मामलों में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं। विरोधियों की गतिविधियों पर नजर रखें और बदलती परिस्थितियों के अनुसार अपनी रणनीति में बदलाव के लिए तैयार रहें।

वृश्चिक-आज संपत्ति से जुड़े विवादों का समाधान निकल सकता है। हालांकि लाभ आपकी अपेक्षा से कम रह सकता है। बातचीत में संयम रखें और अनावश्यक यात्रा से बचना बेहतर होगा।

धनु-आज काम की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होगी। व्यापार से जुड़ी बातचीत सकारात्मक परिणाम दे सकती है। अपनी कलात्मक रुचियों को आगे बढ़ाने के अवसर भी मिलेंगे।

मकर-आज आरोप-प्रत्यारोप की स्थिति से खुद को दूर रखना आपके लिए बेहतर रहेगा। कम लेकिन प्रभावी बातचीत से काम बन सकता है। कार्यों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती है।

कुंभ-आज आपकी योग्यता और मेहनत को उचित पहचान मिल सकती है। पदोन्नति के अवसर बनने की संभावना है। काम से ध्यान भटकाने वाली गतिविधियों से दूरी बनाए रखना आपके लिए लाभदायक रहेगा।

मीन-आज जनहित से जुड़े कार्यों में व्यस्तता रह सकती है। भाई-बहनों के साथ बातचीत से सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। भविष्य को लेकर जरूरत से ज्यादा सोचने के बजाय वर्तमान कार्यों पर ध्यान देना बेहतर होगा।

जन्माष्टमी से पहले दुल्हन की तरह सजा मथुरा-वृंदावन

जन्माष्टमी के पर्व को लेकर भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा और वृंदावन में उत्सव का रंग गहराने लगा है। जन्माष्टमी से पहले मथुरा-वृंदावन को दुल्हन की तरह सजाया गया है। प्रमुख चौराहों, सड़कों और मंदिरों की ओर जाने वाले मार्गों पर आकर्षक सजावट और रंग-बिरंगी रोशनी श्रद्धालुओं का ध्यान खींच रही है। कृष्ण जन्मभूमि समेत प्रमुख मंदिरों के आसपास विशेष साज-सज्जा की गई है। ब्रज तीर्थ विकास परिषद, उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित 'श्रीकृष्ण जन्मोत्सव-2026' के तहत देशभर से एक हजार से अधिक कलाकार मथुरा-वृंदावन पहुंचे हैं। ये कलाकार दो दर्जन से अधिक छोटे मंचों और करीब आधा दर्जन प्रमुख मंचों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दे रहे हैं। बीन की मधुर धुन, ढोल-नगाड़ों की थाप और लोक नृत्यों ने पूरे ब्रज क्षेत्र के माहौल को भक्तिमय बना दिया है। ब्रज तीर्थ विकास परिषद की पदेन मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने कहा कि कान्हा के जन्मोत्सव का उल्लास अब पूरे ब्रज में चरम पर पहुंचने लगा है। जन्माष्टमी के अवसर पर मथुरा-वृंदावन की गलियां, चौराहे और प्रमुख सांस्कृतिक स्थल श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि परिषद की ओर से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उद्देश्य केवल मनोरंजन करना नहीं, बल्कि ब्रज की समृद्ध लोक परंपरा, संगीत और कला को श्रद्धालुओं के सामने जीवंत करना भी है। डैम्पीयर नगर स्थित विशाल प्रेक्षागृह 'पांचजन्य' में तीन दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव शुरू हो गया है। इसमें प्रसिद्ध कलाकार कन्हैया मित्तल समेत कई कलाकार अगले तीन दिनों तक कृष्ण भक्ति और ब्रज संस्कृति से जुड़ी प्रस्तुतियां देंगे। इसके अलावा प्रमुख मार्गों और चौराहों पर लोक कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। करीब 350 कलाकार बीन, ढोल, नगाड़े, ढपली, शहनाई और बेला-तबला जैसे वाद्ययंत्रों के माध्यम से श्रद्धालुओं का मनोरंजन कर रहे हैं। इस बार जन्माष्टमी पर मथुरा का आसमान भी कृष्णमय नजर आएगा। परिषद की ओर से पहली बार चार सितंबर की रात विशेष ड्रोन शो आयोजित किया जाएगा। रात नौ से दस बजे तक होने वाले इस भव्य प्रकाश प्रदर्शन में 500 ड्रोन शामिल होंगे। किशोरी रमण बीएड कॉलेज से आयोजित होने वाले इस ड्रोन शो में आसमान पर उड़ते ड्रोन श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़ी विभिन्न आकृतियां और दृश्य बनाएंगे। इससे जन्माष्टमी समारोह को नया आकर्षण मिलने की उम्मीद है। जन्माष्टमी के अवसर पर मथुरा-वृंदावन में सजावट, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रकाश प्रदर्शनों के जरिए श्रद्धालुओं को ब्रज की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने की व्यापक तैयारी की गई है। कृष्ण जन्मभूमि पर उमड़ने वाले श्रद्धालुओं को देखते हुए पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बना हुआ है।

ब्रज तीर्थ विकास परिषद, उार प्रदेश पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन की ओर से संयुत रूप से आयोजित 'श्रीकृष्ण जन्मोत्सव-2026' के तहत देशभर से एक हजार से अधिक कलाकार मथुरा-वृंदावन पहुंचे हैं। ये कलाकार दो दर्जन से अधिक छोटे मंचों और करीब आधा दर्जन प्रमुख मंचों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दे रहे हैं। बीन की मधुर धुन, ढोल-नगाड़ों की थाप और लोक नृत्यों ने पूरे ब्रज क्षेत्र के माहौल को भतिमय बना दिया है। ब्रज तीर्थ विकास परिषद की पदेन मुय कार्यकारी अधिकारी एवं मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने कहा कि कान्हा के जन्मोत्सव का उल्लास अब पूरे ब्रज में चरम पर पहुंचने लगा है। जन्माष्टमी के अवसर पर मथुरा-वृंदावन की गलियां, चौराहे और प्रमुख सांस्कृतिक स्थल श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहे हैं।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

लगातार हो रही बारिश से नदी नाले उफान पर, पुल के ऊपर से नदियों का पानी बहने ने मार्ग हुए अवरुद्ध

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

शहर की कई इलाकों में भरा पानी, घरों में पानी घुसने से घर गृहस्ती का सामान भी खराब

जनपद में पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश अब आफत की बारिश बन चुकी है। क्योंकि इस आफत की बारिश ने अब आम लोगों का जीना मुहाल तो कर ही दिया है, तो यह बारिश किसानों के लिए भी कहर बनकर टूटी है, क्योंकि किसानों के खेतों में पानी भरने से फसली खराब हो गई, तो भारी बारिश से जनपद की कई नदियां नाले उफान पर आने से कई निकले पुलों के ऊपर से पानी बह रहा है, जिससे यातायात बाधित हुआ है, तो कई स्थानों पर वाहन चालकों ने जान हथेली पर रखकर बहता पानी से अपने वाहन निकले। रात में हुई मूसलाधार बारिश से शहर के कई मोहल्लों के निचले इलाकों में घरों में पानी भर गया, जिससे घर गृहस्ती का सामान खराब हुआ। लगातार हुई भारी बारिश से कई गांवों और कस्बों का संपर्क जिला मुख्यालय से कट गया। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि यह आफत की बारिश सभी लोगों पर अब कहर बनकर टूट रही है। इस आफत की बारिश के कारण जिला प्रशासन ने जनपद के सभी कक्षा एक से लेकर 8 तक के स्कूलों को बंद करने के निर्देश जारी किये, हालांकि निर्देश जारी देर से किए गए, इसीलिए स्कूल खुले रहे तो कई स्कूल बंद हो गए। जनपद में पिछले करीब एक सप्ताह से लगातार हो रही आफत की बारिश ने अब लोगों का जीना मुहाल क़र दिया है, क्योंकि जहाँ एक ओर इस आफत की बारिश से नदी नाले उफान पर हैं तो कई गांव और कमन के रास्ते जिला मुख्यालय से कट गए हैं क्योंकि नदियों में पानी आने से निचले पुलों पर पानी है, जहां से आमागमन बंद हो गया है। तो वहीं लगातार हो रही बारिश के कारण किसानों के खेतों में पानी भरने से उन्हें भी बड़ा नुकसान हुआ है। लगातार हुई बारिश के कारण जनपद के लगभग सभी बंद भर चुके हैं और उनसे पानी की निकासी जारी है, जिसको लेकर निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है। कल रात हुई मूसलाधार बारिश के चलते पाली घटवार मार्ग बंद हो गया, क्योंकि इलाके की घुंसी नदी में पानी की ज्यादा आवक होने से नदी का पुल बहाव में डुब गया और पुल के ऊपर लगभग 5 फुट से भी ज्यादा पानी बहता हुआ दिखाई दिया, जिससे नदी के दोनों तरफ वाहनों की लंबी-लंबी कतार देखी गई।इसके साथ ही उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश को जोड़ने वाले बालाबेहट से निकली सोंर नदी के पुल पर भी पानी मात्रा में पानी आने से पुल डूब गया है और छोटे और हल्के वाहन इस तेज बाहर से नहीं निकल पा रहे हालांकि भारी वाहन पल के ऊपर से बह रहे पानी में से निकलते हुए दिखाई दिए जिसमें से यात्री बस ट्रक आदि शामिल है। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसके साथ ही विकासखंड जखौरा क्षेत्र के अंतर्गत स्थानीय कस्बे का संपर्क जिला और तहसील मुख्यालय से कट चुका है क्योंकि लगातार हुई बारिश के कारण मध्य प्रदेश की तरफ से आने वाली खेडर नदी उफान पर है। बताया गया है कि इस नदी में पानी की आवक अत्यधिक होने पर जखौरा से ललितपुर की ओर आने वाला सिरसी गांव के पास स्थित निकला पुल पानी में डूब गया और पुल के ऊपर करीब 5 से 7 फीट तक पानी देखा गया इसके साथ ही जखौरा से बंसी की तरफ आने वाले पुल पर भी बड़ी मात्रा में पानी बहता हुआ दिखाई दिया और जखौरा से तालबेहट की ओर जाने वाली इसी नदी पर बने हुए निकले पुल के ऊपर से करीब 7 से 8 फीट तक पानी बहता हुआ दिखाई दिया जिस कारण जखौरा गांव का संपर्क तहसील और जिला मुख्यालय से घंटे कटा रहा और आने जाने वाले लोग काफी परेशान रहे तो वहीं जखोरा में वाहनों की करें लगी देखी गई। पुलिस प्रशासन द्वारा सभी स्थानों पर सुरक्षा की दृष्टि से यहां पर कर्मचारियों की तैनाती की गई है ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना न घट सके।

गोविंद सागर बांध के खुले गेट, सहजाद नदी में पानी की आवक बढ़ने कई मार्ग बंद

लगातार हो रही बारिश के कारण गोविंद सागर बांध में पानी की काफी आवक हुई और यहां से हुई पानी की निकासी के कारण शहजाद नदी में पानी की आवक बढ़ गई जिस कारण कई स्थानों पर आवागमन अवरुद्ध रहा। बताया गया है कि शहजाद नदी में पानी की आवक बढ़ने से बाँसी बार मार्ग पर बने हुए निकले पुल केकरीब 5 फीट ऊपर से पानी बहने के कारण बाबा घमंड में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बताया गया है कि कस्बा बांसी से देवरान और बार की तरफ जाने वाले मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध रहे।

बारिश से लबालब हुए बांधों से बड़े पैमाने पर हुई पानी की निकासी

ललितपुर। अगस्त माह के अंतिम सप्ताह में और सितंबर माह की शुरुआत होते ही आसमान में काली घटाएं छाई और लगातार बारिश हो रही है, हालांकि पिछले करीब एक सप्ताह से लगातार हो रही बारिश से जहां एक पर हो रही बारिश से जनपद में कई स्थानों पर नदी नाले उफान पर हैं, तो वहीं दूसरी ओर जनपद के कई बांधों से पानी की निकासी की जा रही है और निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है। बताया गया है कि कचनोदा बाँध से 4863 क्यूसेक पानी की निकासी की गई। तो वही जमरार बाँध से 667, भावनी बांध से 3078, बंडई बाँध से 788 और भौरट बाँध से 7900 क्यूसेक पानी की निकासी की गई। इसके साथ ही गुरुवार को शहर के गोविंद सागर बांध में पानी का जलस्तर बढ़ने से दोपहर 2:30 बजे 4440 क्यूसेक से डिस्चार्ज किया गया, जिससे मवेशी बाजार का मार्ग प्रभावित हुआ और शहर से इस इलाके का संपर्क कटा रहा अधिकारियों ने क्षेत्रवासियों से निवेदन है कि नदी के किनारे से दूर रहें l लगातार हो रही बारिश के कारण जनपद के अन्य बाँध भी लगभग भर चुके हैं और उनसे कभी भी पानी की निकासी की जा सकती है इसीलिए विभागीय अधिकारियों द्वारा निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है और साधन रहने की हिदायत दी गई है।

संक्षिप्त खबरें

सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

कार सवार चोर घर के बाहर से चार बकरियां ले उड़े

ललितपुर | थाना कोतवाली क्षेत्र के आजाद चौक स्टेट बैंक सिटी शाखा निवासी विकास पुत्र राकेश ने अपनी चार बकरियां चोरी होने के मामले में पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर बरामदगी की मांग की है। पीडित का कहना है कि घटना के संबंध में कोतवाली में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद अब तक बकरियों का पता नहीं चल सका है। बताया कि बीती 7 अक्टूबर 2024 की सुबह करीब सात बजे विकास की चार बकरियां घर के बाहर घूम रही थीं। इसी दौरान एक सफेद रंग की चार पहिया कार में कुछ अज्ञात लोग वहां पहुंचे। आरोप है कि कार सवारों ने पहले बकरियों को दाना डाला और उन्हें अपने पास बुलाकर कार में बैठा लिया। पीडित के अनुसार, बकरियों को चोरी कर ले जाने की पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी। घटना की वीडियो फुटेज उसके पास अब भी सुरक्षित है, जिसे पुलिस को उपलब्ध कराया जा सकता है। विकास ने बताया कि घटना के संबंध में थाना कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया था, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी चोरी हुई बकरियां बरामद नहीं हो सकी हैं। पीडित ने पुलिस अधीक्षक से मामले में प्रभावी कार्रवाई कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों का पता लगाने तथा उसकी चारों बकरियां जल्द बरामद कराने की मांग की है।

सेहत सही, लाभ कई स्वास्थ्य शिविर आयोजित

ललितपुर। सेहत सही, लाभ कई कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक रेडियो ललित लोक वाणी 90.4 एफ.एम. परिसर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में जीरौन, बरखेरा, आलापुर, जाखलौन सहित आसपास के विभिन्न ग्रामों से बड़ी संख्या में ग्रामीण लोग पहुंचे जिनमें काफी संख्या महिलाओं की भी रही। ग्रामीणों ने शिविर में अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे बताया और विशेषज्ञों से जानकारियां साझा की तथा आवश्यक स्वास्थ्य जांचें भी कराई। शिविर के दौरान सोनम यादव, यशोदा देवी, गंगोत्री देवी एवं राजकुंवर अनुरुद्ध सिंह ने ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने लोगों को समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने, बीमारी के शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज न करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूक किया।

भारी बारिश के बीच अभाविप ने किया प्रदर्शन

» मानकविहीन स्कूल-कॉचिंग और लाइब्रेरी की जांच की मांग
» सात दिन में कार्रवाई न होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

भारी बारिश के बावजूद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पहुंचे और विद्यार्थियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रदर्शन करते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक को सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। परिषद ने जनपद में संचालित मानकविहीन विद्यालयों, निजी कोचिंग संस्थानों तथा निजी लाइब्रेरी एवं रीडिंग रूम की जांच कर नियमों के अनुरूप कार्रवाई किए जाने की मांग की। ज्ञापन में अभाविप ने विद्यालयों की मान्यता और निर्धारित शैक्षिक मानकों के सत्यापन के साथ भवन की स्थिति, अग्नि सुरक्षा, स्वच्छता, शुद्ध पेयजल, पर्याप्त एवं पृथक शौचालय तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं का भौतिक सत्यापन कराने की मांग की। परिषद ने निजी कोचिंग संस्थानों के पंजीकरण, शुल्क व्यवस्था, उपलब्ध सुविधाओं और प्रचार-प्रसार की भी जांच कराने को कहा। इसके अलावा निजी लाइब्रेरी एवं रीडिंग रूम में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था, भवन की क्षमता, पर्याप्त प्रकाश एवं वेंटिलेशन, स्वच्छता, पेयजल और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण कराने की मांग रखी गई। इस दौरान विभाग संगठन मंत्री निर्भय प्रताप ने कहा कि विद्यार्थियों के हित से जुड़े सात सूत्री मांग पत्र का ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक को सौंपा गया है। परिषद ने सात दिन के भीतर संबंधित संस्थानों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित अवधि में प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो अभाविप छात्रहित में बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। उन्होंने कहा कि छात्रहित और सुरक्षा से जुड़े इन विषयों पर परिषद लगातार नजर रखेगी और आवश्यकता पडऩे पर आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा। जिला संयोजक कृष्ण गोपाल शर्मा ने कहा कि भारी बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं का पहुंचना यह दर्शाता है कि विद्यार्थी परिषद विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दों को लेकर गंभीर है। परिषद का उद्देश्य किसी संस्था का विरोध करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिले तथा सभी शिक्षण संस्थान निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित हों। ज्ञापन प्राप्त करते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक ने अभाविप की मांगों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित संस्थानों की जांच कराने तथा नियमों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञापन में उठाए गए सभी बिंदुओं को नियमानुसार देखा जाएगा। इस मौके पर अभिषेक कुशवाहा, अंशुल, अंकित राजा, अनुष खटीक, ऋषभ तिवारी, ऋतिक कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में अभाविप कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यूजीसी कानून वापस लेने और आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने की मांग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा एवं सवर्ण समाज के तत्वावधान में गुरुवार को विभिन्न मांगों को लेकर राष्ट्रपति के नाम अपर जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। संगठन ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित यूजीसी से संबंधित कानून को वापस लेने तथा आरक्षण व्यवस्था में आर्थिक आधार को प्रमुखता देने की मांग उठाई। ज्ञापन में कहा गया कि भारत सरकार द्वारा यूजीसी से संबंधित कानून को संसद में पारित कर लागू करने की तैयारी की जा रही है, जिससे सवर्ण समाज पर प्रतिकूल प्रभाव पडऩे की आशंका है। संगठन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि इस कानून के प्रावधानों के कारण उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे सवर्ण समाज के विद्यार्थियों को छोटी-छोटी बातों पर प्रताडऩा का सामना करना पड़ सकता है। इससे विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाइयां उत्पन्न होंगी। ज्ञापन में आरक्षण व्यवस्था में भी सुधार किए जाने की मांग की गई। संगठन का कहना है कि वर्तमान आरक्षण व्यवस्था का लाभ आर्थिक रूप से सक्षम लोग अधिक उठा रहे हैं, जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़े वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि देश में गरीबी दूर करने के लिए आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा कर सभी वर्गों के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को आर्थिक स्थिति के आधार पर आरक्षण का लाभ दिए जाने की दिशा में कानून में आवश्यक संशोधन किया जाना चाहिए। इस दौरान भगवत सिंह बैंस ने कहा कि यूजीसी से संबंधित प्रस्तावित कानून को वापस लिया जाना चाहिए और आरक्षण व्यवस्था में आर्थिक आधार को शामिल कर सर्व समाज के जरूरतमंद लोगों को इसका लाभ दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन दोनों विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में पूर्व प्रधान सुखसाहब सिंह बुंदेला, शैलेंद्र जैन, जितेंद्र सिंह, अजय प्रताप सिंह तोमर, पुनीत देवलिया, भगवत सिंह बैंस, सम्राट राजा, चंद्रपाल सिंह परमार, अखंड प्रताप सिंह बुंदेला, शिवम अग्निहोत्री, विक्रम सिंह बुंदेला, आशीष तिवारी, बृजेंद्र सिंह गौर, विक्की राजा, अमित दीक्षित, हरनाम सिंह तोमर, दिव्यांश शर्मा, अजय तिवारी, हरेंद्र प्रताप सिंह, प्रदुम्न सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अतिवृष्टि से 80 फीसदी तक फसल बर्बाद

» भाकियू टिकैत ने डीएम को सौंपा ज्ञापन
» चकबंदी की गड़बडिय़ों और बीमा कंपनी पर कार्रवाई की भी मांग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

लगातार बारिश और जलभराव से फसलों को हुए भारी नुकसान सहित किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मंडल उपाध्यक्ष झांसी कीरत बाबा के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में किसानों ने फसल नुकसान का तत्काल सर्वे कराकर जिले को अतिवृष्टि प्रभावित घोषित करने और प्रभावित किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग की। किसानों ने बताया कि लगातार बारिश और जलभराव के कारण जिले में मक्का, उड़द, मूंगफली समेत अन्य फसलों को करीब 80 प्रतिशत तक नुकसान पहुंचा है। उन्होंने प्रशासन से जल्द जांच और सर्वे कराकर किसानों को क्षतिपूर्ति दिलाने की मांग की।

ज्ञापन में चकबंदी में कथित गड़बडिय़ों का मुद्दा भी उठाया गया। किसानों का आरोप है कि चकबंदी के बाद लेखपालों द्वारा ग्राम सभा में किसानों के हिस्से में घट-बढ़ की गई, जबकि इसमें किसानों की कोई गलती नहीं है। इस संबंध में तहसील न्यायालयों में लगातार मुकदमे दायर किए जा रहे हैं। किसानों ने ऐसे मामलों पर रोक लगाने की मांग की। इसके अलावा तहसील तालबेहट में हदबंदी के नाम पर जमा कराए गए पैसे वापस कराने की मांग की गई। किसानों के अनुसार एक नंबर के लिए एक हजार रुपये बैंकों में जमा कराए गए थे, लेकिन करीब 15 हजार हदबंदी मामले खारिज हो गए। किसानों ने खारिज मामलों में जमा धनराशि वापस दिलाने की मांग की। किसानों ने वर्ष 2024-25 में अतिवृष्टि और जलभराव से उड़द-मूंग की फसल को हुए नुकसान के बीमा भुगतान का मामला भी उठाया। ज्ञापन में कहा गया कि जिलाधिकारी की कार्रवाई में बीमा कंपनी की अनियमितता सामने आने की बात कही गई है। किसानों ने नुकसान की पूरी धनराशि ब्याज सहित दिलाने अथवा संबंधित बीमा कंपनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग की। भाकियू ने जिले के सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की भी मांग की। किसानों का कहना है कि इससे शिक्षकों के समय पर विद्यालय पहुंचने और जाने की निगरानी हो सकेगी तथा विद्यालयों में बच्चों को बेहतर एवं नियमित शिक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान शब्बीर खां, मानक लाल, मलखान सिंह, राजेंद्र, गिरवर नंद, प्रह्लाद, कीरत बाबा, रामदास (बाबा), शोभाराम सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

सहरिया आदिवासियों की जमीन और बाहरी अपराधियों की जमानत को लेकर डीएम से जांच की मांग

ललितपुर। सहरिया आदिवासी समुदाय की भूमि को कथित रूप से प्रलोभन, दबाव अथवा अन्य अनुचित माध्यमों से दूसरे व्यक्तियों के नाम हस्तांतरित कराए जाने तथा जिला कारागार में निरुद्ध बाहरी जनपदों एवं राज्यों के आरोपितों को आर्थिक प्रलोभन देकर स्थानीय स्तर पर जमानत दिलाए जाने की चर्चाओं को लेकर जिलाधिकारी से जांच की मांग की गई है। इस संबंध में अधिवक्ता इन्दयाल सिंह लोधी एवं पुष्पेन्द्र सिंह चौहान ने 3 सितंबर 2026 को जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपा। पत्र में कहा गया है कि सहरिया आदिवासियों की भूमि को कथित रूप से प्रलोभन, दबाव अथवा अन्य माध्यमों से अन्य व्यक्तियों के नाम हस्तांतरित/दर्ज कराने की शिकायतें सामने आ रही हैं। साथ ही जिला कारागार में निरुद्ध बाहरी जनपदों एवं राज्यों के आरोपितों को आर्थिक प्रलोभन देकर स्थानीय स्तर पर जमानत दिलाए जाने की भी चर्चा है। प्रार्थना पत्र में दोनों मामलों की निष्पक्ष एवं गोपनीय जांच कराए जाने तथा तथ्यों की पुष्टि होने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की गई है। साथ ही सहरिया आदिवासियों की भूमि एवं उनके हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है। जिला प्रशासन की ओर से सहरिया समुदाय के दस्तावेज तैयार कर उन्हें सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोडऩे का अभियान भी हाल में चलाया गया है।

पुरानी रंजिश में अधेड़ पर जानलेवा हमला, मारपीट के बाद नाले में फेंका

ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते गाली-गलौज का विरोध करना एक अधेड़ को भारी पड़ गया। पनारी सिद्धबाबा के पास आरोपियों ने घेरकर उसके साथ लाठी-डंडों और धारदार हथियार से मारपीट की। गंभीर रूप से घायल होने के बाद आरोपियों ने उसे मृत समझकर नाले में फेंक दिया और मौके से फरार हो गए। होश में आने पर पीड़ित ने अपने भाई को फोन कर घटना की जानकारी दी। मामले में पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम रघुनाथपुरा निवासी देवेन्द्र पुत्र चन्नू कुशवाहा एक सितंबर की रात करीब 9.45 बजे अपने घर जा रहा था। आरोप है कि जब वह पनारी सिद्धबाबा के पास पहुंचा, तभी वहां पहले से मौजूद पप्पू, उसकी पत्नी लक्ष्मी, पुत्र विशाल तथा रघुनाथपुरा निवासी जगभान पुत्र चन्नू कुशवाहा ने उसे घेर लिया और गाली-गलौज करने लगे। देवेन्द्र ने जब गाली देने का विरोध करते हुए आरोपियों को ऐसा करने से मना किया तो सभी ने मिलकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि लात-घूंसों और लाठी-डंडों से पीटने के साथ ही धारदार हथियार से भी वार किया गया। हमले में देवेन्द्र गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। इसके बाद आरोपियों ने उसे उठाकर पास के नाले में फेंक दिया और मौके से भाग गए। कुछ देर बाद होश आने पर देवेन्द्र ने अपने भाई रजपाल पुत्र चन्नू कुशवाहा को फोन कर घटना की जानकारी दी। भाई के मौके पर पहुंचने के बाद वह देवेन्द्र को लेकर कोतवाली पहुंचा, जहां पीडित ने पुलिस को घटना की लिखित तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पप्पू, लक्ष्मी पत्नी पप्पू, विशाल पुत्र पप्पू और जगभान पुत्र चन्नू कुशवाहा के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 351(3) और 352 के तहत दर्ज किया गया है।

तेज रफ्तार बाइक ने ड्यूटी से लौट रहे सिपाही को मारी टक्कर, पैर का लिगामेंट टूटा

ललितपुर। फतेहपुर जिले के बिंदकी ग्राम व पोस्ट सेलावन और वर्तमान में थाना महरौनी की डायल-112 पीआरवी 9316 पर तैनात आरक्षी नितिन कुमार पुत्र रामविशाल ने बताया कि वह 11 जून 2026 की रात करीब 9.30 बजे ड्यूटी समाप्त करने के बाद वह अपनी मोटरसाइकिल संख्या यू.पी. 78 जे.ए. 5658 से दवा लेने के लिए सीएचसी महरौनी जा रहे थे। बताया गया कि जैसे ही वह महरौनी के मेन बाजार में पहुंचे, तभी सामने से आ रही मोटर साइकिल संख्या यू.पी. 94 ए.बी. 0874 के चालक पुराना सौजना रोड देवा पुत्र महेन्द्र अहिरवार ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए आरक्षी की बाइक में सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि आरक्षी नितिन कुमार सड़क पर गिर पड़े और उनके दाहिने पैर में गंभीर चोट आई। हादसे के बाद उन्हें तत्काल उपचार के लिए सीएचसी महरौनी ले जाया गया। प्रारंभिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने पैर और घुटने में गंभीर चोट को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए बड़े अस्पताल ले जाने की सलाह दी। इसके बाद परिजन उन्हें कानपुर नगर ले गए, जहां जांच में घुटने का एसीएल लिगामेंट टूटने की पुष्टि हुई। चिकित्सकों की सलाह पर उनका किदवई नगर स्थित चंद्रभान हॉस्पिटल में ऑपरेशन कराया गया। उपचार और लंबी चिकित्सा प्रक्रिया के बाद महरौनी लौटे आरक्षी ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। तहरीर के आधार पर महरौनी पुलिस ने आरोपी देवा पुत्र महेन्द्र अहिरवार के खिलाफ बीएनएस की धारा 125(ए), 125(बी) और 281 के तहत दर्ज किया है।

बीस साल से सेवा दे रहे सफाई कर्मचारियों ने मांगा निगम में समायोजन

» सरकारी अस्पतालों के कर्मचारियों ने डीएम को सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन
» नौकरी से न हटाने की भी लगाई गुहार

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिले के सरकारी अस्पतालों में वर्षों से सेवाएं दे रहे सफाई कर्मचारियों और सुपरवाइजरों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी को मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने यू.पी. सी.ओ.एस. निगम/एलएमएस पोर्टल पर समायोजन किए जाने के साथ ही समायोजन की प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी कर्मचारी को सेवा से न हटाने की मांग उठाई। ज्ञापन सौंपने वाले कर्मचारियों ने बताया कि पुरुष अस्पताल, महिला अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज सहित विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सफाई व्यवस्था का कार्य करने वाले कर्मचारी पिछले 10 से 20 वर्षों से लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कर्मचारियों के अनुसार, उन्होंने अलग-अलग समय में डेली वेज तथा विभिन्न ठेकेदार एजेंसियों के माध्यम से पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम किया है। वर्तमान में भी वे बीएसएस एजेंसी, लखनऊ के माध्यम से सेवाएं दे रहे हैं। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आउटसोर्स कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए बनाए गए यू.पी. सी.ओ.एस. निगम में पुराने एवं अनुभवी कर्मचारियों को प्राथमिकता दिए जाने की व्यवस्था है। इसके बावजूद ललितपुर में लंबे समय से कार्यरत कर्मचारियों को निगम की व्यवस्था में समायोजित किए जाने के बजाय निजी एजेंसी के माध्यम से कार्य कराया जा रहा है। कर्मचारियों का आरोप है कि अनुभवी कर्मचारियों की जगह नए लोगों को मौका दिया जा रहा है, जिससे वर्षों से सेवा दे रहे कर्मचारियों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारियों ने कहा कि वह बेहद गरीब परिवारों से आते हैं और लंबे समय से इसी रोजगार के सहारे अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। यदि उन्हें सेवा से हटा दिया जाता है तो उनके सामने परिवार चलाने का गंभीर संकट उत्पन्न हो जाएगा। उन्होंने प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप करते हुए वर्षों से कार्यरत कर्मचारियों के हित में तत्काल निर्णय लेने की मांग की। कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपे ज्ञापन में मांग की कि 10 से 20 वर्षों से कार्यरत सभी सफाई कर्मचारियों एवं सुपरवाइजरों को निजी एजेंसी से हटाकर यू.पी. सी.ओ.एस. निगम/एलएमएस पोर्टल पर तत्काल समायोजित किया जाए। समायोजन की प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी कर्मचारी को नौकरी से न हटाया जाए। वर्षों से सेवा दे रहे अनुभवी कर्मचारियों के अनुभव और वरिष्ठता को ध्यान में रखते हुए उन्हें रोजगार में प्राथमिकता दी जाए। कर्मचारियों ने जिलाधिकारी से उनकी समस्याओं को शासन स्तर तक पहुंचाकर शीघ्र समाधान कराने की गुहार लगाई। उन्होंने उम्मीद जताई कि शासन और प्रशासन वर्षों से सेवाएं दे रहे कर्मचारियों की स्थिति को देखते हुए उनके रोजगार की सुरक्षा और समायोजन को लेकर जल्द ठोस कदम उठाएगा। ज्ञापन देते समय कलकलत्ता देवी, नन्दनी, कमरी नीसा, कली, निखिल, अजय रैकवार, रोहित, जितेन्द्र, विवेक, अनिल, राजीव, अशोक, अनुराग, सुखराम, अजेन्द्र, मिथुन, हेमन्त, बेबी, राखी, रवेन्द्र, सीमा, विजय कुमार, अजय, धर्मेंद्र, साधना बानो, अमर सिंह, गंगा, सावित्री, सुधामा, प्रियंका, अनिकेत, प्रेमरानी आदि मौजूद रहे।

तेज रफ्तार बाइक ने दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं को रौंदा, महिला व किशोर की मौत

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के बामोर कलां क्षेत्र के ग्राम काली पहाड़ी निवासी अमित पुत्र कैलाश रजक की पत्नी रचना 23 अगस्त को अपने भाइयों के साथ अमझरा घाटी दर्शन करने गई थीं। दर्शन के बाद सभी वापस लौट रहे थे। नाराहट थाना क्षेत्र के सरखड़ी तिराहे पर वाहन का इंतजार करते समय ग्राम बगौनी निवासी पीतम उर्फ प्रीतम पुत्र कालूराम विश्वकर्मा मोटर साइकिल संख्या यू.पी. 94 ए.एल. 2916 से वहां पहुंचा। आरोप है कि बाइक चालक मोटरसाइकिल को अत्यधिक तेज गति और लापरवाही से चला रहा था। उसने सड़क किनारे खड़े श्रद्धालुओं को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में रचना, डोंगरा कलां निवासी सत्यम पुत्र नंदू और कलख निवासी अखिलेश पुत्र मुकेश गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास मौजूद लोगों ने घायलों को उपचार के लिए एंबुलेंस से बिरधा अस्पताल पहुंचाया।

प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने घायलों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल ललितपुर रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने रचना को मृत घोषित कर दिया। वहीं सत्यम और अखिलेश की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। सत्यम की हालत नाजुक होने पर उसे ग्वालियर भेजा गया, जहां उपचार के दौरान 28 अगस्त 2026 को उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया। घायल अखिलेश के उपचार के बाद मृतका रचना के पति अमित ने नाराहट थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी पीतम उर्फ प्रीतम के खिलाफ बीएनएस की धारा 106, 125(बी) और 281 के तहत दर्ज किया गया है।

मालवा एक्सप्रेस में महिला यात्री का सिरहाने रखा पर्स चोरी

ललितपुर। जम्मू से इंदौर जा रही मालवा एक्सप्रेस में सफर कर रही महिला यात्री का सिरहाने रखा पर्स चोरी हो गया। पर्स में मोबाइल फोन, नकदी, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड, आर्मी अस्पताल का कार्ड और यात्रा टिकट समेत जरूरी सामान रखा था। ललितपुर रेलवे स्टेशन के पास महिला की नींद खुलने पर पर्स गायब मिला। पीड़िता की शिकायत पर जीआरपी थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जम्मू-कश्मीर के साम्बा जिले के ग्राम किराडकी, घगवाल निवासी इच्छा देवी पत्नी किल्कराज तीन अगस्त 2026 को ट्रेन संख्या 12920 मालवा एक्सप्रेस से जम्मू से इंदौर की यात्रा कर रही थीं। उनका आरक्षण ट्रेन के एस-3 कोच की सीट संख्या 76 पर था। रात में खाना खाने के बाद उन्होंने अपना पर्स सिरहाने रख लिया और सो गईं। चार अगस्त की सुबह करीब 4.15 बजे ललितपुर रेलवे स्टेशन के पास उनकी नींद खुली तो सिरहाने रखा पर्स गायब था। उन्होंने आसपास तलाश की, लेकिन पर्स का कोई पता नहीं चला। इसके बाद घटना की सूचना ड्यूटी पर तैनात जीआरपी स्टाफ को दी गई। चोरी हुए पर्स में सैमसंग कंपनी का मोबाइल फोन, जिसमें जियो की सिम लगी थी, करीब 22 हजार रुपये की कीमत का था।

संभव अभियान में लापरवाही पर बड़ी कार्रवाई

» बार-बिरधा की 32 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय रोका

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

संभव अभियान 2026 के तहत निर्धारित कार्यों और लक्ष्यों में लापरवाही बरतने पर जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बड़ी कार्रवाई की है। बाल विकास परियोजना बार और बिरधा की कुल 32 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का माह सितंबर 2026 का मानदेय अग्रिम आदेशों तक तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। संबंधित कार्यकत्रियों से कार्य में मिली कमियों को लेकर लिखित स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। विभागीय कार्रवाई से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों में हड़कंप मचा है। बाल विकास परियोजना अधिकारी बार और बिरधा द्वारा प्रस्तुत आख्याओं के आधार पर जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय ने यह कार्रवाई की है। विभागीय समीक्षा में संभव अभियान 2026 के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण मानकों पर अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने की बात सामने आई। इनमें गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच, गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के वजन में वृद्धि की मॉनिटरिंग, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को अनुपूरक पुष्टाहार का वितरण तथा सैम श्रेणी के कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य प्रबंधन एवं उपचार जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। विभाग ने इसे संबंधित कार्यकत्रियों की कार्य के प्रति गंभीर उदासीनता और लापरवाही माना है। जिला कार्यक्रम अधिकारी की ओर से संबंधित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपनी कार्यप्रणाली में तत्काल सुधार लाएं और मिली कमियों के संबंध में अपना लिखित स्पष्टीकरण 05 सितंबर 2026 तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में उपलब्ध कराएं। निर्धारित समय सीमा में स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं होने पर संबंधित के विरुद्ध और कठोर अग्रिम कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दी गई है। इस कार्रवाई की जिम्मेदारी संबंधित कार्यकत्री की होगी। इसके साथ ही संबंधित क्षेत्रीय मुख्य सेविकाओं को भी मामले में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। बार बाल विकास परियोजना में कार्रवाई की जद में आई 19 कार्यकत्रियों में कुआतला-2 की गुलाबबाई, चकौरा-1 की कस्तूरी, चकौरा-2 की ममता देवी, विलाटा की उमा देवी, नीमखेरा की कमलेश राजा, सुनवाहा-1 की गायत्री देवी, सुनवाहा-2 की सावित्री देवी, सूरीखुर्द की लक्ष्मी देवी, मौगान-1 की रेनका, मथुराडांग की मालती, बरौदाडांग की रानी, अजनौरा की उमा देवी, गदयाना-1 की संध्या जैन, गदयाना-2 की विमला जैन, म्यांव की राममूर्ति, पारौन-2 की अतल कुंवर, पुरापाचौनी की सुखवती, टोड़ी-1 की कांन्ति और गदयाना-3 की देवेन्द सोनी शामिल हैं। वहीं, बिरधा बाल विकास परियोजना की 13 कार्यकत्रियों पर भी कार्रवाई की गई है। इनमें ऐरा-1 की किशोरी, रीछपुरा की आलोकिता, झरकौन की ममता, बिरारी-2 की सुधा, गढौली की रामबाई, डोगरा-3 की लक्ष्मी, बालाबेहट-5 की गोपी, बम्हौरीवंशा की कृष्णा, दुधई की अरूणा, राजगढ़ की सुशीला, सेमरा की गुडडी, सिंगेपुर की रामकली और सलैया की रामश्री शामिल हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि संभव अभियान के तहत निर्धारित स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी गतिविधियों में सुधार और लक्ष्यों की पूर्ति को गंभीरता से लिया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने गोविंद सागर बांध का किया निरीक्षण

बांधों व जलाशयों के आसपास विशेष सतर्कता और आमजनों की सुरक्षा के लिए सिंचाई, राजस्व व पुलिस अधिकारियों की लगाई टीम

अत्यधिक वर्षा व बांधों से जल निकासी के दौरान बांधों व जलाशयों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने हेतु आमजनों से की अपील

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जनपद में विगत 2 सितंबर से हो रही निरंतर वर्षा के कारण जनपद के लगभग सभी बांधों का जलस्तर बढ़ गया है, जिस कारण बांधों से समुचित मात्रा में जल निकासी की जा रही है, इसी स्थिति में बांधों व जलाशयों के आसपास विशेष सतर्कता एवं आमजन की सुरक्षा के दृष्टिगत जिलाधिकारी श्री सत्य प्रकाश ने सिंचाई विभाग के अभियंताओं के साथ उप जिलाधिकारियों एवं क्षेत्राधिकारियों की टीम गठित की है। ये अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत पड़ने वाले बांधों, जलाशयों एवं संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण करेंगे और चिन्हित संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखते हुए सुरक्षा हेतु समुचित प्रबन्ध सुनिश्चित करेंगे।

इसके साथ ही जिलाधिकारी स्वयं भी बांधो से जल निकासी की सतत् निगरानी कर रहे हैं, उन्होंने आज गुरुवार को अधिशासी अभियान राजघाट निर्माण खंड शैलेश कुमार के साथ गोविंद सागर बांध का निरीक्षण किया और जल स्तर व जल निकासी की जानकारी लेकर सुरक्षात्मक दिशा निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि बेतवा नदी में अपस्ट्रीम से पानी की निरन्तर वृद्धि होने के कारण राजघाट बांध एवं माताटीला बांध से गेटों के माध्यम से पानी की निकासी की जा रही है। ऐसी स्थिति में बांधो पर लोगों की भीड़ इकट्ठी होती है। उक्त परिस्थितियों के दृष्टिगत जनसामान्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु बांधों / जलाशयों के आसपास विशेष सतर्कता एवं आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि संवेदनशील स्थलों पर पुलिस बल/कर्मचारियों की तैनाती करते हुये उन्हें निरन्तर 'अलर्ट मोड' पर रखा जाय। आवश्यकतानुसार आमजन / वाहनों को खतरनाक स्थलों पर जाने से रोका जाए तथा बेरिकेडिंग आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करते हुये आगन्तुकों/भीड़ को नियंत्रित रखा जाय, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो सके। इसके अलावा जाखलौन पंप कैनाल से गोविंद सागर बांध में किए जा रहे जल भराव को भी पर्याप्त जल की उपलब्धता के कारण रोक दिया गया है।

ललितपुर में भारी बारिश से नदियां-नाले उफनाए, कई मार्ग बंद

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

बुधवार रात करीब 11 बजे से लगातार हो रही तेज बारिश ने जनपद में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। लगातार बारिश के चलते शहजाद नदी, बयाना नाला और नदी समेत कई नदी-नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। कई पुलों के ऊपर से पानी बहने के कारण प्रमुख मार्गों पर आवागमन बंद हो गया है। वहीं शहर के कई मोहल्लों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। आजादपुरा में तुवन मंदिर के पीछे 25 से अधिक घरों में करीब तीन-तीन फीट पानी भरने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। शहजाद नदी में उफान आने के कारण बांसी-बार मार्ग पर गढिया गांव के पास स्थित पुल करीब दो फीट पानी में डूब गया, जिससे इस मार्ग पर आवागमन बंद हो गया है। पानी का बहाव तेज होने के कारण लोगों को पुल पार न करने की सलाह दी जा रही है। इसी तरह ललितपुर शहर में बयाना नाला भी उफान पर है। बयाना नाले का पानी बढ़ने से ललितपुर-बुढवार मार्ग पर सिद्धन के पास स्थित पुल पानी में डूब गया, जिसके चलते मार्ग पर आवागमन प्रभावित हो गया है। रामनगर से बड़ापुरा जाने वाले बयाना पुल के ऊपर से करीब तीन फीट पानी बह रहा है। खिरकापुरा स्थित बूढ़े बब्बा मंदिर के पास का पुल भी पानी में डूब गया है। वहीं मोहल्ला आजादपुरा में तुवन मंदिर के पीछे जलभराव की स्थिति गंभीर हो गई। यहां 25 से अधिक घरों में करीब तीन फीट तक पानी भरने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के चलते शहर की कई गलियां भी तालाब जैसी नजर आईं। जगह-जगह जलभराव ने नगर की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। स्थानीय लोग जलभराव और बंद मार्गों की तस्वीरें एवं वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर प्रशासन का ध्यान समस्या की ओर आकर्षित कर रहे हैं। लगातार बारिश के कारण पिपरा से मनपुरा होते हुए जखौरा-तालबेहट मार्ग पर भी आवागमन प्रभावित हुआ है। पुलिया के ऊपर तेज गति से पानी बहने के कारण इस मार्ग से निकलना जोखिम भरा हो गया है।

संक्षिप्त खबरें

सत्संग में शामिल होने गए परिवार पर रिश्तेदारों ने किया हमला, मिर्च स्प्रे छिड़ककर पीटा

ललितपुर। तालबेहट कोतवाली क्षेत्र के तोरण कॉलोनी स्थित ननुआ सत्संग में शामिल होने गए एक परिवार के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि पुरानी रंजिश और पारिवारिक विवाद के चलते सगे रिश्तेदारों ने परिवार के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। इस दौरान पति के चेहरे पर मिर्च स्प्रे छिड़कने और हाथ में काटने का भी आरोप लगाया गया है। विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने और गुंडों से पिटवाने की धमकी दी। तहरीर पर तालबेहट पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला चौबयाना निवासी सुष्मिता वर्मा पत्नी दीपक वर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 9 अगस्त 2026 की रात करीब नौ बजे अपने पति दीपक वर्मा और सास हेमलता वर्मा के साथ तोरण कॉलोनी स्थित ननुआ सत्संग में शामिल होने गई थीं। आरोप है कि इसी दौरान वहां रॉबिन वर्मा पुत्र स्व. हरदेव कुमार वर्मा और उसकी पत्नी इन्द्रमाला वर्मा भी पहुंच गए। दोनों ने पुरानी रंजिश और घरेलू विवाद को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने परिवार के साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान रॉबिन वर्मा ने दीपक वर्मा के चेहरे पर मिर्च स्प्रे छिड़क दिया तथा उनके हाथ में काट लिया। परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने और गुंडों से पिटवाने की धमकी दी। पीड़िता ने पुलिस को यह भी बताया कि आरोपियों की ओर से पूर्व में भी उन्हें कथित रूप से फर्जी मुकदमों में फंसाने की धमकियां दी जाती रही हैं। बताया गया कि घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच रिश्तेदारों के माध्यम से मामले को सुलझाने और आपसी सामंजस्य बनाने का प्रयास किया गया। जब बातचीत से मामला नहीं सुलझा तो पीड़िता ने पुलिस को लिखित तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रॉबिन वर्मा और इन्द्रमाला वर्मा के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 351(3) और 352 के तहत दर्ज किया गया है।

जलभराव की समस्या को देखते हुए तालाबपुरा में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, 25 अतिक्रमणकारियों के काटे चालान

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

शहर में बुधवार की रात से हुई मूसलाधार बारिश के बाद विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव की समस्या को देखते हुए जिला प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद द्वारा अभियान चलाकर नालियों एवं नालों पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। गुरुवार को जिलाधिकारी के आदेश के क्रम में नगर पालिका, राजस्व विभाग एवं जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने मोहल्ला तालाबपुरा स्थित डोडाघाट गेट के पास जेसीबी के माध्यम से अतिक्रमण हटाया।

अभियान के दौरान टीम द्वारा लाउडस्पीकर के माध्यम से अतिक्रमणकारियों को नालियों एवं नालों पर किए गए अतिक्रमण को स्वयं हटाने के निर्देश दिए गए। इसके बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाए जाने पर पालिका द्वारा जेसीबी के माध्यम से कुछ अतिक्रमण हटाए गए। वहीं, मोहल्लेवासियों के लिखित प्रार्थना पत्र एवं अनुरोध पर उन्हें स्वयं अतिक्रमण हटाने का अवसर देते हुए शुक्रवार सुबह तक का समय दिया गया।

इस दौरान नगर पालिका द्वारा लगभग 25 अतिक्रमणकारियों के पांच-पांच हजार रुपये के चालान भी काटे गए। कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके पर जल निकासी की स्थिति का भी जायजा लिया और जलभराव की समस्या को दूर कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई की।

बताते चलें कि लगातार बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने पर नगर पालिका एवं जिला प्रशासन की टीमें विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त कराने में जुटी हुई हैं। कई स्थानों पर जेसीबी के माध्यम से नालियों एवं जल निकासी के मार्गों को साफ कराया गया।

इस संबंध में अधिशासी अधिकारी श्री दिनेश कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि वर्तमान में बारिश का समय चल रहा है। शहर के कई स्थानों पर भवन स्वामियों द्वारा नगर पालिका की नालियों एवं नालों पर चबूतरे तथा भवन बनाकर अतिक्रमण कर लिया गया है, जिसके कारण नालियों एवं नालों की सफाई में पालिका कर्मियों को परेशानी होती है और जल निकासी प्रभावित होती है।

उन्होंने कहा कि पालिका द्वारा लाउडस्पीकर एवं सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार अतिक्रमणकारियों से स्वयं अतिक्रमण हटाने की अपील की जा रही है। इसके बाद भी यदि अतिक्रमण नहीं हटाया जाता है तो जेसीबी के माध्यम से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी तथा नियमानुसार चालान भी काटे जाएंगे।

अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान तहसीलदार सदर श्री भानुप्रताप सिंह, कर अधीक्षक राजेश कुमार, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक जितेन्द्र स्वरूप तिवारी, राजस्व निरीक्षक आशुतोष, अवर अभियंता निधि पाण्डेय, नजूल लिपिक सुधीर रावत, हेड सुपरवाइजर संजय कुमार, गैराज प्रभारी अमित कुमार रिंकू सहित नगर पालिका एवं राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

12 सितंबर की राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने की तैयारी तेज

सचिव देवप्रिय सारस्वत ने अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ से प्राप्त दिशा-निर्देशों एवं प्रभारी जिला जज/अध्यक्ष यादवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार आगामी 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में 2 सितंबर 2026 को सचिव देवप्रिय सारस्वत की अध्यक्षता में न्यायिक मजिस्ट्रेटों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान पिछली राष्ट्रीय लोक अदालत में निर्णीत किए गए वादों की भी समीक्षा की गई तथा आगामी लोक अदालत में निस्तारण योग्य वादों को चिह्नित कर उनके प्रभावी निस्तारण के संबंध में चर्चा हुई। बैठक में सिविल जज सीडि. रविशंकर गुप्ता, सिविल जज सीडि./एफटीसी ललितपुर अदिति जैन, सिविल जज जूडि. सुश्री श्वेता यादव, सिविल जज जूडि./एफटीसी राखी भदौरिया तथा विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट बहादुर सिंह उपस्थित रहे। वहीं ग्राम न्यायालय तालबेहट के नवीन कुमार पांडे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में जुड़े। सचिव देवप्रिय सारस्वत ने उपस्थित न्यायिक अधिकारियों से अपेक्षा की कि वह अपने-अपने स्तर पर अधिक से अधिक वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारित कराने के लिए प्रभावी प्रयास करें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य अधिक से अधिक मामलों का त्वरित एवं सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण कर वादकारियों को राहत प्रदान करना है। बैठक में लोक अदालत को सफल बनाने के लिए आवश्यक कार्यवाही एवं तैयारियों पर भी चर्चा की गई।

जलभराव की समस्या को देखते हुए तालाबपुरा में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, 25 अतिक्रमणकारियों के काटे चालान

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

शहर में बुधवार की रात से हुई मूसलाधार बारिश के बाद विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव की समस्या को देखते हुए जिला प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद द्वारा अभियान चलाकर नालियों एवं नालों पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। गुरुवार को जिलाधिकारी के आदेश के क्रम में नगर पालिका, राजस्व विभाग एवं जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने मोहल्ला तालाबपुरा स्थित डोडाघाट गेट के पास जेसीबी के माध्यम से अतिक्रमण हटाया।

अभियान के दौरान टीम द्वारा लाउडस्पीकर के माध्यम से अतिक्रमणकारियों को नालियों एवं नालों पर किए गए अतिक्रमण को स्वयं हटाने के निर्देश दिए गए। इसके बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाए जाने पर पालिका द्वारा जेसीबी के माध्यम से कुछ अतिक्रमण हटाए गए। वहीं, मोहल्लेवासियों के लिखित प्रार्थना पत्र एवं अनुरोध पर उन्हें स्वयं अतिक्रमण हटाने का अवसर देते हुए शुक्रवार सुबह तक का समय दिया गया। इस दौरान नगर पालिका द्वारा लगभग 25 अतिक्रमणकारियों के पांच-पांच हजार रुपये के चालान भी काटे गए। कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके पर जल निकासी की स्थिति का भी जायजा लिया और जलभराव की समस्या को दूर कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई की।

बताते चलें कि लगातार बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने पर नगर पालिका एवं जिला प्रशासन की टीमें विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त कराने में जुटी हुई हैं। कई स्थानों पर जेसीबी के माध्यम से नालियों एवं जल निकासी के मार्गों को साफ कराया गया। इस संबंध में अधिशासी अधिकारी श्री दिनेश कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि वर्तमान में बारिश का समय चल रहा है। शहर के कई स्थानों पर भवन स्वामियों द्वारा नगर पालिका की नालियों एवं नालों पर चबूतरे तथा भवन बनाकर अतिक्रमण कर लिया गया है, जिसके कारण नालियों एवं नालों की सफाई में पालिका कर्मियों को परेशानी होती है और जल निकासी प्रभावित होती है।

उन्होंने कहा कि पालिका द्वारा लाउडस्पीकर एवं सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार अतिक्रमणकारियों से स्वयं अतिक्रमण हटाने की अपील की जा रही है। इसके बाद भी यदि अतिक्रमण नहीं हटाया जाता है तो जेसीबी के माध्यम से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी तथा नियमानुसार चालान भी काटे जाएंगे।

अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान तहसीलदार सदर श्री भानुप्रताप सिंह, कर अधीक्षक राजेश कुमार, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक जितेन्द्र स्वरूप तिवारी, राजस्व निरीक्षक आशुतोष, अवर अभियंता निधि पाण्डेय, नजूल लिपिक सुधीर रावत, हेड सुपरवाइजर संजय कुमार, गैराज प्रभारी अमित कुमार रिंकू सहित नगर पालिका एवं राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

जिला पंचायत के राजस्व निरीक्षक द्वारा गाड़ी हटाने की कहाँ पर दबंगों ने गाली गलौज मारपीट कर दी धमकी

ललितपुर। शहर के जिला पंचायत कार्यालय परिसर में बनी सरकारी आवास में रहने वाले एक राजस्व निरीक्षक ने मोहल्ले में ही रहने वाले विपक्षियों पर उनके दरवाजे के सामने रखी गाड़ी हटाने की कहाने पर उनके साथ गाली गलौज कर मारपीट पर आमादा हुए और जान से मारने की धमकी देकर अवैध रूप से 50000 की धनराशि मांगने का आरोप लगाया है। उक्त मामले को लेकर पीड़ित ने एसपी को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग उठाई है।

जिला पंचायत प्रांगण के सरकारी आवास में रहने वाले राजस्व निरीक्षक वलबीर सिँह पुत्र दूधनाथ सिंह ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देते हुए अवगत कराया कि उनके आवास के सामने वाली गली में निवासरत संतोष एवं भरत इगलिया की गाडी संख्या यूपी 94 एड़ी 1243 अधिकांशतः मेरे दरवाजे के सामने वाहर रखी जाती है, जिस पर पर्व में मेरे द्वारा इनको कई बार विनग्रता से मेरे गेट के सामने गाडी खड़ी न करने हेतु कहा गया, लेकिन उन्होंने अपनी गाड़ी नहीं हटाई। इसके बाद दिनांक 03 सितंबर 2026को वाहन स्वामी अपने अन्य लोगों के साथ आये और मेरा गेट तोड़कर गाली-गलौज करने लगे और गाड़ी के टूटे साइड ग्लास का गुआवजा माँगने लगे । आप है कि सभी दबंग विपक्षियों ने उसके साथ गांव मोहल्ले में सरेआम जमकर गाली गलौज की और तरह-तरह की धमकियां दी गई। इसके साथ ही मुआबजे के तौर पर गुझासे 50000 (पचास हजार रूपये)उक्त शीशे के मरम्मत हेतु गांगने लगे । इस दौरान बिपक्षी घरके अन्दर घुसे तथा छीना छपटी करने लगे और सरकारी सम्पत्ति को नुकसान पहंचाया गया तथा मेरी पत्नी व दोछोटी बचियों से गाली-गलौच करते हये अभदता की गसी। जिराके चलते गेरी 02 तोला सोने की चैन कहीं गिर गयी या इनके द्वारा छीनकर निकाल ली गयी। इस प्रार्थना पत्र के माध्यम से पीड़ित ने विपक्षियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की मांग उठाई।

पिछले कई दिनों से हो रही बारिश के कारण खरीफ के सीजन की सभी फसलें खराब होने की कगार पर

ललितपुर। जनपद में पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण अब यहां के हालात खराब हो चुके हैं और खरीफ की फसलें खराब होने से किसाना बदहाली की कगार पर पहुंच चुका है। बारिश के कारण हालत इतनी खराब है कि अब खेतों में पानी भरा हुआ है और कई खेत अब तालाब के रूप में नजर आ रहे हैं जिस कारण खेतों में हुई फासले पूरी तरह मर चुकी हैं किसानों की मां है तो जनपद के करीब 80 प्रतिशत किसानों की फसले खराब हो चुकी हैं। किसने की समस्याओं को देखते हुए भारतीय किसान यूनियन ने जिलाधिकारी कार्यालय पर ज्ञापन दिया और किसानों की खराब हुई फसलों का जल्द से जल्द सर्वे करा कर उनका फसल बीमा और मुआवजा दिलाने की मांग उठाई। इसके साथ ही उन्होंने अन्य मांगों के लिए भी ज्ञापन दिया।

जनपद में लगातार हुई बारिश के कारण खेतों में पानी भर गया और किसानों की खरीफ के सीजन में खेतों में बोई हुई उर्दू मूंग मक्का मूंगफली आदि की फसलें करीब 80 प्रतिशत खराब हो चुकी हैं किसानों की समस्याओं को देखते हुए भारतीय किसान यूनियन टिकट के मंडल उपाध्यक्ष कीरत बाबा के साथ अन्य किसान नेट गुरुवार को जिला अधिकारी कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने अधिकारियों से मुलाकात की और किसनाओं की समस्याओं को लेकर ज्ञापन दिया। ज्ञापन में अवगत कराया गया है कि जनपद में अतिव्रष्टी एवं जल भराव होने के कारण सभी फसलें मक्का उर्द मूंगफलीआदि फसलें 80 प्रतिशत नूकशान हो गया है। अतः आपसे निवेदन है कि अपने कर्मचारियों से मामले की जल्द से जल्द जॉच कराकर जिला को अतिव्रष्टी घोषित किया जाये और किसानों को फसल बीमा और मुआवजे का पैसा जल्द से जल्द दिलाया जाए, ताकि वह अपनी अगली फसल की तैयारी कर सकें। पूरे जिले में चकबन्दी को छोडकर लेखपालों द्वारा हिस्सा सभीग्राम सभा में घटबड कर दिए हैं, उसमें किसान भाईयों की कोई गलती नहीं है। आज भी तहसील में न्यायालय में मुकदमा दायर किये जा रहे हैं, ऐसे मुकदमा पर पूर्ण प्रतिबन्ध होना चाहिए। तहसील तालबेहट में हदवन्दी दायर हुई है, उसमें किसानों ने एक नम्बर का 1000 रू बैंको में जमा किया, लेकिन करीब 15000 हदवन्दी खारिज हुई, उन किसानों के 1000 नम्बर के पैसे वापिस करवाये जाय, जो किसान हित में है। वर्ष 2024-25 में भी अतिवृष्टी एवं जल भराव होंने के कारण किसानो कि उर्द मुंग का नुकशान हो गया था, जिसकी जांच की कार्यवाही की जिलाधिकारी द्वारा कराई, तो पाया की बीमा कम्पनी ने घोटाला किया, उसका पुरा पैसा मय ब्याज के किसानों को दिलाया जाय या बीमा कम्पनी पर मुकदमा लिखवाया जाये । पूरे जिले के प्राईमरी माध्यमिक विद्यालयों में सी०सी0टी0बी0 कैमरे लगाये जाये, जिससे अध्यापको के समय से आने जाने परध्यान दिया जाये, जिससे बच्चों को सही शिक्षा प्रादान की जा सके। इस ज्ञापन के माध्यम से किसान नेताओं ने सभी मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने की मांग उठाई।

साहब... हम सभी पुराने सफाई कर्मचारियों को निगम (UPCOS) में समाहित किया जाय

» जिला अस्पताल एवं जिला महिला अस्पताल में काम करने वाले आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों ने अपने को निगम में समाहित करने की उठाई मांग
» करीब 40 से अधिक सफाई कर्मचारियों ने क्लैक्ट्रेट परिसर में किया धरना प्रदर्शन
» मुख्यमंत्री कुछ संबोधित कर जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर तत्काल कार्यवाही की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

साहब... हम पिछले करीब 20 वर्षों से जनपद के अस्पतालों में सफाई कर्मी के पद पर आउटसोर्सिंग कमी है और अब हमें निगम कर्मचारियों के रूप में समाहित कर लिया जाए यह मांग जनपद के अस्पतालों में काम करने वाली सफाई कर्मचारियों ने उस समय उठाई, जब मुख्यमंत्री द्वारा आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को निगम के कर्मचारी घोषित करने की घोषणा की। इसको लेकर जनपद के जिला चिकित्सालय और जिला मलिक महिला चिकित्सालय में काम करने वाले कर्मचारी कलेक्ट परिसर पहुंचे जहां उन्होंने अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित कर जिला अधिकारी को ज्ञापन दिया और जल्द से जल्द कार्यवाही की मांग उठाई।

प्रदेश में लंबे समय से चली आ रही आउटसोर्स सेवा निगम के गठन की मांग को लेकर सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने बुधबार को राजधानी से हरी झण्डी दी और उन्होंने लखनऊ स्थित लोकभवन से उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम का शुभारंभ किया तथा सिंगल क्लिक के साथ आउटसोर्स सेवा निगम UPCOS पोर्टल एवं वेबसाइट तथा निगम के लोगो का अनावरण किया। इसके साथ ही खाताधारक आउटसोर्स कर्मियों के व्यापक कल्याण के लिए भारतीय स्टेट बैंक के साथ एमओयू साइन किया। सरकार के इस एतिहासिक फैसले से विभिन्न विभागों के कार्यरत 3.5 लाख से अधिक आउटसोर्स कर्मचारियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा और उन्हें आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा के साथ ही उनकी सेवा भी सुरक्षित होगी।

क्योंकि पूर्व में आउटसोर्सिंग एजेन्सियों के मनमाने रवैये से इन कर्मचारियों का शोषण होता था और अनियमित वेतन तथा नियुक्तियों में भ्रष्टाचार की संभावना भी होती थी, इन सभी समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक विशेष कार्ययोजना के तहत आउटसोर्स सेवा निगम के गठन का एतिहासिक निर्णय लिया और अपने वादे के अनुसार प्रदेश के आउटसोर्स कर्मियों को आज निगम की सौगात दे दी। मुख्यमंत्री की इस सौगात के बाद गुरुवार को जिला मुख्यालय पर संचालित जिला अस्पताल और जिला महिला अस्पताल के करीब 40 महिला पुरुष आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारी क्लैक्ट्रेट परिसर पहुँचे, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित कर जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया जिसमें बताया गया है कि वह जनपद के जिला महिला चिकित्सालय और जिला चिकित्सालय में करीब 10 - 15 वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं और अनुभवी कर्मचारी हैं। वर्तमान समय में हुआ वह बीबीएस एजेंसी लखनऊ के माध्यम से काम कर रहे हैं, इसीलिए अब उन्हें आपकी योजना के अनुसार निगम (UPCOS) कर्मचारी घोषित करते हुए योजना में समाहित कर लिया जाए, ताकि उन्हें भी इसका लाभ मिल सके। बताया गया है कि जनपद में पुराने कर्मचारियों को निगम में समाहित नहीं किया गया जबकि नए कर्मचारियों को इसमें समाहित कर लिया गया।

उनकी मांग है कि जनपद में पिछले कई वर्षों से निरंतर कार्य कर रही समस्त सफाई कर्मचारी एवं सुपरवाइजरों को प्राइवेट एजेंसी से हटकर (UPCOS) निगम/ एलएमएस पोर्टल पर तत्काल समायोजित किया जाए। जब तक निगम में समायोजन नहीं होता, तब तक उन्हें नौकरी से न हटाया जाए, इसका भी तत्काल प्रभाव से आदेश जारी किया जाए। इस प्रार्थना पत्र के माध्यम से समस्त 40 कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाई है इस प्रार्थना पत्र की प्रतिलिपि श्रम मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार जिला अधिकारी एवं प्रधानाचार्य स्वशासी मेडिकल कॉलेज चिकित्सा महाविद्यालय को भेजी है दिए गए ज्ञापन पर नंदिनी काली निखिल अमन रैकवार रोहित जितेंद्र विवेक विनय कुमार सीमा राखी हेमंत सुखराम सहित 40 आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों के हस्ताक्षर बने हुए हैं।

वरदानी भवन में भक्ति, संस्कृति और आध्यात्मिकता का अनूठा संगम

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय वरदानी भवन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में श्रद्धा, भक्ति और संस्कृति का सुंदर संगम देखने को मिला। नन्हे-मुन्ने बाल कलाकारों ने श्रीकृष्ण की मनमोहक लीलाओं का मंचन कर सभी का मन जीत लिया। आयोजन के इस मौक़े पर मुख्य अतिथि सदर विधायक रामरतन कुशवाहा जी, जेलअधीक्षक प्रशांत उपाध्याय जी और अमर सिंह गौर जी ने श्रीकृष्ण जी की आरती की। पूरा परिसर "जय श्रीकृष्ण" के जयघोष से गूंज उठा।

सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने कहा कि जब अधर्म और अत्याचार बढ़ते हैं, तब दिव्य शक्ति मानवता का मार्गदर्शन करती है। उन्होंने सभी से सत्य, धर्म, प्रेम, शांति और सद्भाव अपनाने का आह्वान किया। जन्माष्टमी का आध्यात्मिक रहस्य बीके चित्ररेखा दीदी ने समझाया किश्रीकृष्ण का कारागार में जन्म केवल ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि गहरा आध्यात्मिक संदेश है। अज्ञान, भय और विकारों के बंधन भी एक कारागार हैं। परमात्म-ज्ञान का प्रकाश ही मनुष्य को सच्ची स्वतंत्रता और शांति की ओर ले जाता है। जेलर साहब प्रशांत उपाध्याय जी ने कहा कि सकारात्मक परिवर्तन भीतर से शुरू होता है और आध्यात्मिक ज्ञान जीवन को नई दिशा देता है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए बीके मायारानी दीदी ने कहा हर फूल जानता है कि उसे मुरझाना है, फिर भी वह मुस्कुराकर खिलता है। जीवन भी यही सिखाता है कि परिस्थितियों को जानते हुए हर पल को सुंदरता से जिएं। अमर सिंह गौर जी ने शुभकामनाएँ दीं, जबकि विद्यासागर भाई जी ने सभी अतिथियों और उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया। नन्हे कलाकारों की मासूम अदाओं और सुंदर प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। उनके मंचन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों और कलाकारों को ईश्वरीय सौगात एवं भोग प्रसाद वितरित किया गया। यह आयोजन भारतीय संस्कृति आध्यात्मिकता और मानवीय मूल्यों का जीवंत संदेश बन गया।

इलाज कराकर घर लौट रहे व्यक्ति को बाइक ने मारी टक्कर, झांसी मेडिकल कॉलेज में मौत

ललितपुर। ग्राम हंसारी रामपुर निवासी राजपाल सिंह पुत्र हरचरन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके भाई कृष्णपाल पुत्र हरचरन 18 जुलाई 2026 को अपना इलाज कराने के बाद तालबेहट से घर लौट रहे थे। रात करीब 10.30 बजे वह तेरई फाटक पर ठेके के सामने सड़क पर घर जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान तालबेहट की ओर से आ रही मोटरसाइकिल संख्या यू.पी. 94 ए.ई. 5387 के अज्ञात चालक ने बाइक को तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए कृष्णपाल को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कृष्णपाल सड़क से नीचे जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद वह रातभर सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़े रहे। सुबह स्थानीय लोगों की नजर पडऩे पर घटना की जानकारी परिजनों को दी गई। परिजन मौके पर पहुंचे और घायल कृष्णपाल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालबेहट ले गए। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहां उपचार के दौरान 19 जुलाई 2026 को दोपहर करीब दो बजे कृष्णपाल की मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया। वहीं, भाई की आकस्मिक मौत के बाद परिवार में मातम छा गया। मृतक के भाई राजपाल सिंह के अनुसार, वह अंतिम संस्कार और अन्य धार्मिक रीति-रिवाजों में व्यस्त रहे, जिसके चलते घटना की रिपोर्ट तत्काल दर्ज नहीं करा सके।

पीडब्ल्यूडी अफसरों के नहीं पहुंचने पर किसानों में आक्रोश, धरना 16वें दिन भी जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के बैनर तले कुबहरा सामुदायिक मिलन केंद्र पर चल रहा किसानों का धरना गुरुवार को 16वें दिन भी जारी रहा। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के धरना स्थल पर पहुंचकर किसानों की समस्याएं सुनने की उम्मीद उस समय टूट गई, जब विभाग का कोई उच्चाधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। इससे किसानों में आक्रोश फैल गया। किसानों ने अधिकारियों के नहीं पहुंचने को विभाग की टालमटोल की नीति बताया। किसानों का आरोप है कि पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से लगातार अधिकारियों के धरना स्थल पर आने और समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया जा रहा है, लेकिन अधिकारी मौके पर पहुंचने के बजाय केवल आश्वासन तक सीमित हैं। गुरुवार को भी अधिकारियों के नहीं पहुंचने पर किसानों ने नाराजगी जताई। धरना स्थल पर मौजूद नगराम थाना प्रभारी तथा दरोगा उमाशंकर और चंद्रराज ने किसानों को बताया कि पीडब्ल्यूडी विभाग

के उच्चाधिकारी न्यायालय की कार्यवाही में व्यस्त होने के कारण गुरुवार को धरना स्थल पर नहीं आ सकेंगे। उन्होंने अधिकारियों के शुक्रवार दोपहर 12 बजे तक पहुंचने की बात कही। इस पर किसानों ने स्पष्ट किया कि वे लंबे समय से मांगों को लेकर धरने पर बैठे हैं और अब केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा।

पूर्व सैनिकों ने किसानों के आंदोलन को दिया समर्थन

गुरुवार को जिला अध्यक्ष विजय कुमार के नेतृत्व में पूर्व सैनिकों की टीम भी धरना स्थल पर पहुंची। पूर्व सैनिकों ने किसानों की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि देश की रक्षा के बाद भी जनहित के मुद्दों पर उनकी जिम्मेदारी समाप्त नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि यदि जनहित में सड़क निर्माण में किसी प्रकार की अड़चन आती है और किसानों के हित प्रभावित होते हैं तो सभी पूर्व सैनिक किसानों के साथ खड़े रहेंगे। जरूरत पड़ने पर आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का भी आश्वासन दिया।

मंडल महामंत्री हरिपाल सिंह ने धरना स्थल पर पहुंचे पूर्व सैनिकों का स्वागत कर उनके सहयोग के लिए आभार जताया। वहीं, धरने पर मौजूद किसानों ने मोहनलालगंज के उपजिलाधिकारी की कार्यशैली को लेकर भी नाराजगी जाहिर की। किसानों का कहना था कि 16 दिनों से धरना चल रहा है, इसके बावजूद समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रशासन की ओर से अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है।

जन्माष्टमी नहीं मनाने की सामूहिक शपथ

किसानों ने सामूहिक रूप से शपथ लेते हुए कहा कि यदि शुक्रवार दोपहर 12 बजे तक पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी धरना स्थल पर पहुंचकर उनकी समस्या का उचित समाधान नहीं करते हैं तो धरने पर बैठे किसान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव नहीं मनाएंगे। किसानों ने कहा कि वे भगवान श्रीकृष्ण में आस्था रखते हैं, लेकिन लंबे समय से लंबित जनहित की समस्या का समाधान न होने से आहत हैं। धरने में प्रदेश अध्यक्ष प्रताप बहादुर, प्रदेश महासचिव दिनेश यादव, मंडल उपाध्यक्ष राजेंद्र यादव, मंडल महामंत्री हरिपाल सिंह, जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार, युवा ब्लॉक अध्यक्ष योगेंद्र कुमार, जिला उपाध्यक्ष रामकुमार यादव, रामपाल राजपूत, केशवराम लोधी, प्रेमचंद, अखिलेश यादव, अमृतलाल, राम प्रसाद फौजी, सुरेंद्र कुमार, पुनवासी, राम कुमार प्रधान पति, रामनरेश प्रधान समेत सैकड़ों किसान व संगठन के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला लेखपाल का निलंबन वापस लेने की मांग पर धरने पर बैठे लेखपाल

.....एसडीएम पर अमानवीय व्यवहार का आरोप, शुक्रवार से कार्यबहिष्कार की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज तहसील में बुधवार को लेखपाल संघ के बैनर तले लेखपालों ने धरना-प्रदर्शन किया। सुबह से तहसील परिसर में कामकाज ठप रहा। लेखपालों ने एसडीएम पर अमानवीय व्यवहार और बेवजह निलंबन का आरोप लगाते हुए महिला लेखपाल रूचि मौर्या का निलंबन तत्काल वापस लेने की मांग की। संघ ने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं हुई तो शुक्रवार से पूरी तरह कार्यबहिष्कार किया जाएगा। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ उपशाखा मोहनलालगंज के तहसील अध्यक्ष अमरीश कुमार और मंत्री विकास दीक्षित ने एसडीएम को दिए पत्र में बताया कि लेखपाल रूचि मौर्या को मंगलवार को बिना किसी नोटिस के निलंबित कर दिया गया। संघ के अनुसार, उन्होंने सर्पदंश से मृत व्यक्ति की पोस्टमार्टम रिपोर्ट, पंचनामा और 20 प्रपत्र 24 घंटे के अंदर रजिस्ट्रार कार्यालय में उपलब्ध करा दिए थे। वारिसों के बाहरी निवासी होने से प्रपत्र देर से मिले और साइट न चलने के कारण आवेदन अग्रसारित नहीं हो सका। अगले दिन आवेदन निस्तारित कर दिया गया था। संघ ने आरोप लगाया कि लेखपाल नेहा कपूर को वृद्ध पिता की हालत नाजुक होने के बावजूद 29 अगस्त को अल्पावधि मीटिंग में जबरन बुलाया गया। संघ के मुताबिक, इलाज न होने से उनके पिता का देहांत हो गया। लेखपालों ने मंगलवार को मूसलाधार बारिश के बीच शाम 4:30 बजे मीटिंग बुलाए जाने और छुट्टी व रविवार को भी अनावश्यक दबाव बनाकर बुलाने का आरोप लगाया। फोन रिसीव न होने पर रोष प्रकट किए जाने की बात भी कही। लेखपालों ने बताया कि 12 साथियों का वेतन बिना दोष के रोक दिया गया है, जो अभी तक नहीं मिला है। बिल, एरियर और मेडिकल भुगतान भी महीनों से लंबित हैं। तहसील अध्यक्ष अमरीश कुमार ने कहा कि अमानवीय व्यवहार बंद किया जाए और रूचि मौर्या का निलंबन तत्काल वापस लिया जाए। मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

दस वर्षीय जावेद और नौ वर्षीय कुर्बान लापता, मुकदमा दर्ज

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के हीरालालखेड़ा गांव से दो नाबालिग बच्चों के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों की सूचना पर

पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू कर दी है। हीरालालखेड़ा मजरा सिसेंडी निवासी शफीक ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनका करीब दस वर्षीय बेटा जावेद और नौ वर्षीय भांजा कुर्बान 22 अगस्त को बिना बताए घर से कहीं चले गए। काफी तलाश करने के बाद भी दोनों बच्चों का कोई पता नहीं चल सका। परिजनों की सूचना पर मोहनलालगंज पुलिस ने बीएनएस के तहत अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस बच्चों की तलाश के साथ ही उनके अचानक लापता होने के कारणों और संभावित ठिकानों की जांच में जुटी है।

घर का ताला तोड़कर 13 बकरियां चोरी, चौकी से कोतवाली तक भटकता रहा पीड़ित

मोहनलालगंज, लखनऊ। हुलासखेड़ा गांव में चोर घर का ताला तोड़कर कमरे में बंधी 13 बकरियां चोरी कर ले गए। पीड़ित का आरोप है कि घटना की सूचना देने और कार्रवाई की गुहार लगाने के बावजूद उसे चौकी से लेकर कोतवाली तक भटकना पड़ रहा है। पीड़ित ने अब आईजीआरएस पर शिकायत दर्ज कराकर बकरियों की बरामदगी और मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। गांव निवासी मातादीन के मुताबिक बीती रात करीब 12:20 बजे उसकी सभी बकरियां घर के अंदर एक कमरे में बंधी थीं। कमरे में ताला लगा था। सुबह उठकर देखा तो ताला टूटा पड़ा था और अंदर बंधी 13 बकरियां गायब थीं। काफी तलाश करने के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पीड़ित ने 112 नंबर पर सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन बकरियों का पता नहीं चल सका। पीड़ित का कहना है कि घर के आसपास लगे कैमरों की फुटेज में घटना के दौरान पीली नंबर प्लेट वाली मारुति कार दिखाई दे रही है। इससे चोरी में वाहन के इस्तेमाल की आशंका जताई जा रही है। मातादीन के अनुसार, वह कार्रवाई की मांग को लेकर हुलासखेड़ा चौकी प्रभारी को प्रार्थना पत्र देने पहुंचा था। आरोप है कि चौकी प्रभारी ने उसकी बात सुनने के बजाय उसे चौकी से भगा दिया। इसके बाद पीड़ित मोहनलालगंज कोतवाली पहुंचा और इंस्पेक्टर को लिखित तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने तथा बकरियों की बरामदगी की मांग की। पीड़ित का आरोप है कि वहां भी उसे जांच का हवाला देकर लौटा दिया गया। उसका कहना है कि अभी तक मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। मातादीन ने आईजीआरएस पर शिकायत संख्या 40015726126269 दर्ज कराते हुए 13 बकरियों की बरामदगी और प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित का कहना है कि बकरियां उसकी आजीविका का महत्वपूर्ण साधन थीं। चोरी के बाद परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

7 सितंबर को होगी जिला सैनिक बंधु की बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद। सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने जनपद के सभी पूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों एवं वीर नारियों को अवगत कराया है कि जिला सैनिक बंधु की बैठक का आयोजन 7 सितंबर 2026 को दोपहर 12:00 बजे कलक्ट्रेट स्थित सभागार, फिरोजाबाद में किया जाना प्रस्तावित है। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा करेंगे। बैठक में पूर्व सैनिकों, आश्रितों एवं वीर नारियों से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों पर विचार-विमर्श करते हुए उनके त्वरित निस्तारण की कार्रवाई की जाएगी।

10:30 बजे तक उपलब्ध कराएं लिखित शिकायतें

सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने सभी संबंधित लोगों से अनुरोध किया है कि वे अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को लिखित रूप में 7 सितंबर 2026 को सुबह 10:30 बजे तक जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय, सेक्टर-1, सुहाग नगर, फिरोजाबाद में उपलब्ध करा दें। प्राप्त शिकायतों को जिला सैनिक बंधु बैठक के एजेंडा बिंदुओं में शामिल किया जाएगा, जिससे संबंधित विभागों के माध्यम से उनका त्वरित गति से निस्तारण कराया जा सके।

बैठक में प्रतिभाग करने की अपील

सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने सभी पूर्व सैनिकों, आश्रितों एवं वीर नारियों से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं को निर्धारित समय पर कार्यालय में उपलब्ध कराने के साथ ही 7 सितंबर को दोपहर 12:00 बजे कलक्ट्रेट सभागार, फिरोजाबाद में आयोजित जिला सैनिक बंधु बैठक में प्रतिभाग करें। प्रशासन का उद्देश्य पूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों एवं वीर नारियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनकर उनका त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है।

निलंबन के बाद वेतन-भत्ते के तनाव में स्टोर कीपर की मौत

.....हार्ट अटैक से ओम प्रकाश मौर्य की मौत, पत्नी ने आर्थिक तंगी और मानसिक तनाव का लगाया आरोप; अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। उत्तर प्रदेश उपभोक्ता सहकारी संघ लिमिटेड में स्टोर कीपर के पद पर कार्यरत 36 वर्षीय ओम प्रकाश मौर्य की शुक्रवार को हृदयाघात से मौत हो गई। अमेठी के गदागंज थाना क्षेत्र के रूप का पुरवा मजरे पयागपुर निवासी ओम प्रकाश की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी, दो बेटियों और बुजुर्ग माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने निलंबन के बाद लंबे समय तक वेतन और जीवन निर्वाह भत्ता नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। परिजनों के मुताबिक ओम प्रकाश की तैनाती बदायूं में थी, जहां वह जिला प्रभारी की जिम्मेदारी भी संभाल रहे थे। विभागीय कार्रवाई के तहत 11 सितंबर 2025 को उन्हें निलंबित कर दिया गया था। पत्नी का आरोप है कि निलंबन के बाद वेतन और जीवन निर्वाह भत्ते को लेकर लगातार परेशानी बनी रही। समय से भुगतान नहीं होने के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ती चली गई।

बेटियों की पढ़ाई और घर के खर्च को लेकर रहते थे चिंतित

पत्नी और परिजनों का कहना है कि ओम प्रकाश ही परिवार का प्रमुख सहारा थे। उनकी दो बेटियां 16 वर्षीय मोनिका और 13 वर्षीय श्रेया हैं। बेटियों की पढ़ाई, घरेलू खर्च और बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल को लेकर वह चिंतित रहते थे। परिजनों के अनुसार निलंबन के बाद आर्थिक संकट बढ़ने से उनकी परेशानी और बढ़ गई थी। पत्नी ने आरोप लगाया कि उनके पति को विभागीय मामले में गलत तरीके से फंसाकर निलंबित किया गया। उनका कहना है कि यदि समय से वेतन और जीवन निर्वाह भत्ता मिलता रहता तो परिवार को इस तरह आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ता। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

अधिकारियों की भूमिका पर उठाए सवाल

परिजनों ने तत्कालीन क्षेत्रीय प्रबंधक ओमेंद्र कुमार और वर्तमान क्षेत्रीय प्रबंधक बरेली विनीत कुमार चौहान की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि मामले में वास्तविक जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई, जबकि ओम प्रकाश को निलंबन का दंश झेलना पड़ा। परिजनों का यह भी आरोप है कि निलंबन के बाद लंबे समय तक जीवन निर्वाह भत्ता नहीं मिला। इससे रोजमर्रा के खर्च, बच्चों की पढ़ाई और बुजुर्ग माता-पिता की जिम्मेदारियां निभाना मुश्किल हो गया।

रिकॉर्ड की जांच और एफआईआर की मांग

ओम प्रकाश की मौत के बाद परिजनों ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। परिवार का कहना है कि जल्द ही संबंधित थाने में तहरीर देकर पूरे मामले की जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग की जाएगी। परिजनों ने विभागीय स्तर पर निलंबन की कार्रवाई, वेतन भुगतान और जीवन निर्वाह भत्ते से संबंधित रिकॉर्ड की जांच कराने की भी मांग की है। उनका कहना है कि जांच से यह स्पष्ट हो सकेगा कि भुगतान में देरी क्यों हुई और इसके लिए कौन जिम्मेदार था। ओम प्रकाश की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पिता की मौत के बाद दोनों बेटियों के भविष्य को लेकर परिजन चिंतित हैं। पत्नी और बुजुर्ग माता-पिता के सामने अब परिवार के भरण-पोषण की चुनौती खड़ी हो गई है। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से निष्पक्ष जांच कराने तथा यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

ऊर्जा सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा, सामरिक स्वायत्तता और आर्थिक लचीलेपन से अविभाज्य है: डॉ. जितेंद्र सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सचिन बाजपेई

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बुधवार को यहां पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित छठे अंतरराष्ट्रीय जलवायु शिखर सम्मेलन 2026 – 'भारत का ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा मिशन' – को संबोधित करते हुए कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, बाधित आपूर्ति श्रृंखलाओं और ऊर्जा बाजारों में उतार-चढ़ाव के मौजूदा माहौल में भारत के लिए ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ते आत्मनिर्भर, स्वदेशी, किफायती और प्रौद्योगिकी-उन्नत बनना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि एआई-संचालित डेटा-सेंटर युग के आगमन के साथ भारत को इन प्रौद्योगिकियों से अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए किफायती एवं स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की

आवश्यकता होगी। भारत के लिए यह एक निर्णायक क्षण है – सुरक्षित और सतत ऊर्जा भविष्य की ओर संक्रमण का क्षण, जिसमें स्वच्छ ऊर्जा की ओर संक्रमण भी शामिल है। ऊर्जा सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा, सामरिक स्वायत्तता और आर्थिक लचीलेपन से अविभाज्य है। डॉ. सिंह ने स्पष्ट किया कि सरकार अकेले सब कुछ नहीं कर सकती, इसलिए निजी क्षेत्र को उन नए क्षेत्रों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए जो निजी खिलाड़ियों के लिए खुल रहे हैं। हालिया SHANTI अधिनियम (Sustainable Harnessing and Advancement of Nuclear Energy for Transforming India Act) इसी दिशा में सरकार के प्रयास का उदाहरण है, जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की व्यक्तिगत रुचि रही है। मंत्री ने बताया कि सरकार ऊर्जा सुरक्षा को विभिन्न मार्गों से आगे बढ़ा रही है, जिसमें परमाणु ऊर्जा महत्वपूर्ण क्षेत्र है। परमाणु ऊर्जा मिशन का लक्ष्य 2047 तक 100 गीगावॉट क्षमता हासिल करना है। परमाणु क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोलना एक महत्वपूर्ण विकास है। देश के महत्वाकांक्षी ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण और संसाधनों का विस्तार आवश्यक होगा। 2033 तक पांच लघु मॉड्यूलर रिएक्टर (SMR) स्थापित करने का लक्ष्य भी रखा गया है। सम्मेलन में बायो-रिफाइनरी, बायोफ्यूल, सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (SAF), कोयला गैसीकरण, न्यूक्लियर ऊर्जा, प्रोसेस सेफ्टी और जोखिम आकलन जैसे विषयों पर नीति-निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं और विशेषज्ञों ने चर्चा की। पीएचडीसीसीआई के पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन समिति द्वारा आयोजित इस आयोजन का उद्देश्य भारत की ऊर्जा सुरक्षा को आत्मनिर्भरता, स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण और निजी भागीदारी के माध्यम से मजबूत करना था। डॉ. सिंह ने जोर दिया कि जैव-ईंधन और सर्कुलर इकोनॉमी भारत के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण का महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे। कृषि, स्वास्थ्य, सिंचाई, उर्वरक और परिवहन जैसे क्षेत्रों में बढ़ती जरूरतों को देखते हुए स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के विकास और अपनाने की गति निरंतर बढ़ाई जानी चाहिए। भारत का ऊर्जा संक्रमण तकनीक, आत्मनिर्भरता, किफायतीपन, स्वच्छ ऊर्जा, निजी भागीदारी और नवाचार में एक साथ प्रगति की मांग करता है। यह सम्मेलन भारत की ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा मिशन को ठोस कार्रवाई में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ।

बाबा बाणेश्वर धाम का पंचायती जूना अखाड़ा धंसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। घाटमपुर के पतारा ब्लाक के बरनाव गांव में स्थित बाबा बाणेश्वर धाम का पंचायती जूना अखाड़ा बारिश के कारण कमजोर हो गया है, लगातार बारिश से अखाड़े का भवन धीरे-धीरे धंसने लगा हैं,भवन की दीवारों में कई जगह बड़ी दरारें आ गई है, इससे वहां रहने वाले महंत पुजारी और श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं,,

अखाड़े के आसपास बारिश के पानी के साथ मिट्टी का कटान भी हो रहा है, इसके कारण पास में स्थित हरिहर गिरि जी महाराज के जीवित समाधि स्थल का चबूतरा भी धंसने लगा हैं, चबूतरे के आसपास की मिट्टी खिसकने से हालात और बिगड़ गए,, मंदिर में रह रहे महंत और पुजारियों ने बताया कि लगातार वारिस से पंचायती जूना अखाड़ा बहुत

कमजोर हो गया है, दीवारों में दरारें और मिट्टी का कटान खतरे को बढ़ा रहा है उनका कहना है कि समय रहते भवन की जांच और सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई तो जूना अखाड़ा कभी भी गिर सकता है इसमें मंदिर परिसर में मौजूद महंत, पुजारी, और श्रद्धालुओं की जान का खतरा हो सकता है,,यह एक धार्मिक स्थल है श्रद्धालुओं का आना जाना लगा रहता है।

निगोहां थाने में गूंजेंगे 'नंद के घर आनंद भयो' के जयकारे

.....कृष्ण जन्माष्टमी पर सजेगी झांकी, एसीपी व एसओ समेत पुलिसकर्मी होंगे शामिल ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहां। निगोहां थाने में गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम और भक्तिमय माहौल में मनाया जाएगा। थाना परिसर में भगवान श्रीकृष्ण की आकर्षक झांकी सजाई गई है। फूलों और रंग-बिरंगी लाइटों से पूरे परिसर को सजाया गया है। कार्यक्रम में एसीपी मोहनलालगंज, थाना प्रभारी रविंद्र कुमार समेत थाने के सभी उपनिरीक्षक, सिपाही और पुलिसकर्मी शामिल होंगे। शाम को भजन-कीर्तन का आयोजन होगा। इसके बाद रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर आरती की जाएगी। इस दौरान थाने में 'नंद के घर आनंद भयो' के जयकारे गूंजेंगे। थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि पुलिसकर्मियों में आपसी भाईचारा और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए हर वर्ष थाने में जन्माष्टमी मनाई जाती है। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य लोग और पत्रकार भी शामिल होंगे। अंत में प्रसाद वितरण किया जाएगा।

किन्नर के घर से 90 हजार रुपये नकद और जेवर गायब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। बैरिसालपुर गांव में एक किन्नर के घर से करीब 90 हजार रुपये नकद और सोने-चांदी के जेवर गायब होने का मामला सामने आया है। पीड़िता करिश्मा किन्नर ने अपने साथ रहने वाली दो किन्नरों सोनी और सुरीली पर चोरी का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। दोनों पर धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। करिश्मा के मुताबिक, 31 अगस्त को उसकी साथी प्रियंका सिंह रघुवंशी दोनों किन्नरों को चारबाग स्थित एक होटल से समझाकर बैरिसालपुर स्थित घर लेकर आई थीं। रात करीब आठ बजे प्रियंका के चले जाने के बाद दोनों साथी घर में रुक गईं। आरोप है कि इसके बाद दोनों घर के अलग-अलग कमरों में सामान देख रही थीं। पीड़िता का आरोप है कि रात करीब 2:30 से 3 बजे के बीच घर में रखा एक पर्स गायब हो गया। उसमें करीब 90 हजार रुपये नकद, सोने की

अंगूठी, नाक की कील और दो जोड़ी चांदी की पायल रखी थीं। करिश्मा के अनुसार, नकदी पिछले करीब सात दिनों में बधाई कार्यक्रमों से मिली थी, जबकि जेवर जजमानों की ओर से उपहार में मिले थे। करिश्मा ने बताया कि दोनों साथियों ने किसी व्यक्ति को मोटरसाइकिल से बुलाया था। कुत्तों के भौंकने पर जब वह बाहर पहुंची तो दोनों को मोटरसाइकिल से जाते हुए देखा। सीसीटीवी फुटेज में भी दोनों के देर रात घर से निकलने की बात सामने आई है। पीड़िता के अनुसार, घटना के बाद दोनों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन बंद मिला। बाद में सोनी से बातचीत के दौरान कथित तौर पर मुकदमा दर्ज कराने पर झूठे मुकदमे में फंसाने और जान-माल का नुकसान पहुंचाने की धमकी दी गई। करिश्मा ने पुलिस से नकदी और जेवर बरामद कराने, आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने, सीसीटीवी फुटेज की जांच कराने और सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। पुलिस तहरीर, सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सड़क पर पेड़ गिरने से आवागमन रहा बाधित

कोंच(जालौन)- कोंच-नदीगांव सड़क मार्ग पर गुरुवार की सुबह अचानक एक पेड़ टूटकर बीच सड़क पर आ गिरा जिससे आवागमन प्रभावित हो गया। काफी देर तक पेड़ सड़क के बीच से न हटाए जाने से सड़क के दोनों साइड छोटे-बड़े वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। राहगीरों और स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस एवं वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सड़क के बीच से उक्त पेड़ हटवा कर आवागमन सुचारू कराया। जानकारी के अनुसार, गुरूवार की सुबह करीब 7 बजे ग्राम तूमरा के समीप कोंच-नदीगांव सड़क मार्ग के किनारे लगा एक पेड़ अचानक टूट कर सड़क के बीच आ गिरा जिससे सड़क पर आवागमन बाधित हो गया। कुछ ही देर में सड़क के दोनों साइड वाहनों की लंबी कतारें लग गई जिससे राहगीरों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा।

गुरुओं के हुनर को सलाम, राजकीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए चयनित शिक्षकों को टीचर्स ऑफ बिहार ने दी बधाई

टीचर्स ऑफ बिहार ने कहा- शिक्षक सम्मानित होंगे तो शिक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, नवाचार और समर्पण की मिसाल कायम करने वाले बिहार के राजकीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए चयनित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को टीचर्स ऑफ बिहार परिवार ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। शिक्षा विभाग द्वारा जारी सूची में राज्य के विभिन्न जिलों से चयनित शिक्षकों को शिक्षक दिवस के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। टीचर्स ऑफ बिहार ने कहा कि यह सम्मान केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि विद्यालय, विद्यार्थियों और समाज के प्रति शिक्षकों की प्रतिबद्धता, मेहनत और उल्लेखनीय योगदान की पहचान है। चयनित शिक्षकों के नवाचारपूर्ण प्रयासों ने न केवल विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाया है, बल्कि राज्य के अन्य शिक्षकों को भी प्रेरणा देने का कार्य किया है। टीचर्स ऑफ बिहार के के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई.शिवेन्द्र प्रकाश सुमन ने कहा कि 'जब शिक्षक का सम्मान बढ़ता है, तब शिक्षा का सम्मान बढ़ता है।' ऐसे सम्मान शिक्षकों के मनोबल को बढ़ाने के साथ-साथ विद्यालयों में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार ने सभी चयनित शिक्षक-शिक्षिकाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां आने वाले समय में हजारों शिक्षकों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगी। टीचर्स ऑफ बिहार परिवार ने सभी सम्मानित होने वाले शिक्षकों को पुनः शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों की यह यात्रा निरंतर जारी रहे। प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने राजकीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए चयनित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि– 'राजकीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चयनित होना शिक्षकों के समर्पण, नवाचार और उत्कृष्ट कार्यों का सम्मान है। ये शिक्षक अपने विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत रहे हैं। उनका चयन पूरे शिक्षक समाज के लिए गर्व का विषय है। शिक्षकों का सम्मान केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं होता, बल्कि यह संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था के सम्मान का प्रतीक है। ऐसे सम्मान शिक्षकों के मनोबल को बढ़ाते हैं और उन्हें समाज व राष्ट्र निर्माण के लिए और अधिक ऊर्जा के साथ कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। हमें विश्वास है कि सम्मानित होने वाले सभी शिक्षक भविष्य में भी अपने उत्कृष्ट कार्यों से बिहार की शिक्षा व्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

दुल्लभछड़ा-गुवाहाटी एक्सप्रेस जल्द शुरू होने की संभावना, ट्रैक पैकिंग का काम जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: न्यू हरांगाजाओ में प्राकृतिक आपदा के कारण क्षतिग्रस्त हुई रेल लाइन नंबर-2 को फिर से चालू करने के लिए रेलवे की ओर से युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है। दिन-रात एक कर रेलवे कर्मचारी अत्याधुनिक मशीनों और उपकरणों की मदद से मरम्मत कार्य में जुटे हुए हैं। क्षतिग्रस्त रेल लाइन पर नई पटरी बिछाने का काम पूरा कर लिया गया है, जबकि फिलहाल ट्रैक पैकिंग का महत्वपूर्ण कार्य जारी है। बताया गया है कि भारी बारिश के बावजूद 2 सितंबर की देर रात तक रेलवे कर्मचारी मौके पर लगातार काम करते रहे। रेलवे प्रशासन का प्रयास है कि क्षतिग्रस्त लाइन को जल्द से जल्द यात्री सेवा के लिए बहाल किया जाए। ट्रैक पैकिंग का काम पूरा होने के बाद लाइन की आवश्यक तकनीकी जांच, परीक्षण और अन्य प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। इसके बाद रेल परिचालन दोबारा शुरू करने की दिशा में कदम उठाया जाएगा। प्राकृतिक आपदा के कारण रेल यातायात प्रभावित होने के बावजूद स्थिति को जल्द सामान्य करने के लिए रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी लगातार मैदान में जुटे हैं। न्यू हरांगाजाओ की लाइन नंबर-2 के फिर से चालू होने से रेल सेवाओं को सामान्य करने की दिशा में एक बड़ी सफलता मिलने की उम्मीद है। लाइन के पूरी तरह बहाल होने के बाद वर्तमान में रद्द की गई ट्रेनों को भी चरणबद्ध तरीके से दोबारा चलाने की पहल किए जाने की संभावना है। ऐसे में दुल्लभछड़ा-गुवाहाटी एक्सप्रेस के भी जल्द पुनः परिचालन शुरू होने की उम्मीद जगी है। हालांकि, ट्रेन सेवा की बहाली आवश्यक परीक्षण और रेलवे की अंतिम अनुमति के बाद ही सुनिश्चित होगी। यात्रियों की परेशानी को देखते हुए रेलवे अधिकारी और कर्मचारी लगातार दिन-रात काम कर रहे हैं। रेल लाइन के पुनर्निर्माण का कार्य अंतिम चरण में पहुंचने से दुल्लभछड़ा समेत आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों में भी रेल सेवा जल्द सामान्य होने की उम्मीद बढ़ी है।

संक्षिप्त खबरें

निर्धन महिला ने सरकारी मदद की माँग की

कोंच(जालौन)– गांवों में भूमिहीन, निर्धन लोगों को पीएम और सीएम आवास योजना से लेकर अन्य तमाम जनकल्याणकारी सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाए जाने का कितना भी ढिंढोरा पीटा जाए, हकीकत में अभी भी गांवों में ऐसे पात्र लोग नजर आ रहे हैं जो सरकारी इमदाद की आस में शासन प्रशासन का मुंह ताक रहे हैं। ऐसा ही एक मामला नदीगांव विकास खंड की ग्राम पंचायत तीतरा में देखने को मिल रहा है जहां की रहने वाली एक निर्धन विधवा महिला ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर आवास योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाए जाने की गुहार लगाई है। महिला कल्पना पत्नी स्व. शिवकुमार ने गुरुवार को एसडीएम कार्यालय में शिकायती पत्र देकर बताया कि उसके पति की कैंसर की बीमारी के चलते बीती एक सितम्बर को मौत हो गई है। वह भूमिहीन है और उसके तीन नाबालिग बेटियां और एक बेटा है, परिवार के साथ रहने के लिए उसके पास कोई पक्का घर नहीं है और मजबूरन वह जीर्ण शीर्ण हालत में कच्चे घर के ऊपर प्लास्टिक की पॉलीथिन डालकर बारिश के मौसम में रह रही है। उसने मजदूरी कर जो थोड़े बहुत रुपए जमा किए थे वह अब पति की बीमारी में खर्च हो चुके हैं लेकिन अभी तक उसे कोई सरकारी स्तर पर मदद नहीं मिल सकी है।

उत्तरी दिल्ली में सड़कों और फुटपाथों से हटाए गए अवैध कब्जे, 1500 से अधिक चालान काटे

नई दिल्ली। याताया पुलिस के उत्तरी रेंज द्वारा सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए दो सितंबर को एक दिन का विशेष अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य सड़कों और फुटपाथों से अवैध कब्जे हटाकर यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करना, पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और व्यस्त मार्गों पर लगने वाले जाम से मुक्ति दिलाना था। डीसीपी ट्रैफिक डा. सचिन कुमार सिंघल का कहना है कि बुधवार को उत्तरी रेंज के सभी ट्रैफिक सर्किलों में सघन अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया। उन्होंने स्पष्ट किया है कि सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक स्थानों पर अवैध कब्जे को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, क्योंकि अतिक्रमण ही यातायात जाम और दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बनता है।

खन्ना में जन्माष्टमी को लेकर एसएसपी डा. दर्पण आहलूवालिया ने की विशेष बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खन्ना/लुधियाना– आगामी जन्माष्टमी पर्व को शांतिपूर्ण, व्यवस्थित और सुरक्षित ढंग से मनाने के लिए खन्ना पुलिस की तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। इसी के तहत एसएसपी खन्ना डा. दर्पण आहलूवालिया ने खन्ना पुलिस के सभी जीओज और जिला खन्ना के विभिन्न मंदिरों की प्रबंधक कमेटियों के प्रतिनिधियों के साथ विशेष बैठक की।बैठक के दौरान एसएसपी डा. दर्पण आहलूवालिया ने जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिरों में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्व के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पहले से ही सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं।बैठक में मंदिरों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, पुलिस कर्मचारियों की तैनाती, यातायात को सुचारू बनाए रखने, भीड़ को नियंत्रित करने और पार्किंग के उचित प्रबंधों को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा मंदिरों में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा, मुख्य मार्गों पर यातायात व्यवस्था और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी सुनिश्चित करने पर भी चर्चा हुई।एसएसपी डा. दर्पण आहलूवालिया ने कहा कि धार्मिक त्योहार लोगों की आस्था से जुड़े होते हैं और ऐसे अवसरों पर पुलिस की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। जन्माष्टमी के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को मंदिर प्रबंधक कमेटियों के साथ लगातार तालमेल बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी समस्या का तत्काल समाधान किया जा सके।उन्होंने मंदिर प्रबंधक कमेटियों के प्रतिनिधियों से भी अपील की कि वे सुरक्षा व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस का सहयोग करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई।खन्ना पुलिस ने जन्माष्टमी पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न करवाने के लिए हर संभव प्रबंध करने का भरोसा दिया। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्रमुख जिम्मेदारी है।

नीमा संघ के अध्यक्ष बने डॉ. दिनेश उदैनिया

कोंच (जालौन)। नीमा की बैठक में बुधवार रात डॉ. दिनेश उदैनिया को कोंच नीमा का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक पूर्व अध्यक्ष डॉ. सुशील तिवारी की अध्यक्षता में नीमा भवन में हुई। सर्वसम्मति से डॉ. केशव निरंजन को उपाध्यक्ष, डॉ. अभिषेक निरंजन को महासचिव, प्रदीप अग्रवाल को कोषाध्यक्ष और डॉ. विकास सिंह राठौर को सहसचिव चुना गया। नवनियुक्त अध्यक्ष ने कहा कि कार्यकारिणी का उद्देश्य चिकित्सा सेवाओं को बेहतर बनाना, चिकित्सकों के हितों की रक्षा करना तथा आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों पर भी चर्चा हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में चिकित्सक मौजूद रहे।

अब इंदौर में राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' को रोकने की कोशिश, स्टेडियम की अनुमति नहीं मिली, अब 19 सितंबर को होगा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो। देहरादून, कोटा, प्रयागराज और पुणे के बाद अब इंदौर में भी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 12 सितंबर को प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को रोकने की कोशिश की जा रही है। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने बताया कि जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजन की अनुमति नहीं मिलने के कारण कार्यक्रम की तारीख बदल दी गई है। अब यह कार्यक्रम 19 सितंबर को होगा। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा स्टेडियम उपलब्ध कराने से इनकार किए जाने के बाद अब यह कार्यक्रम 12 सितंबर के बजाय 19 सितंबर को आयोजित होगा। पटवारी ने यह घोषणा इंदौर में कार्यक्रम की तैयारियों से जुड़ी बैठक के दौरान की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब कार्यक्रम के लिए नया आयोजन स्थल तलाश करके उसे तैयार करेगी। जीतू पटवारी ने इससे पहले मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर 12 सितंबर को प्रस्तावित कार्यक्रम के लिए नेहरू स्टेडियम उपलब्ध कराने का आग्रह किया था। उन्होंने पत्र में कहा था कि राहुल गांधी का कार्यक्रम कोई सामान्य राजनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि देश के भविष्य, युवाओं के सपनों, शिक्षा के अधिकार और शिक्षा व्यवस्था की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित जनसंवाद है। नेहरू स्टेडियम इंदौर नगर निगम के तहत आता है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा था कि नेहरू स्टेडियम को लेकर उच्च न्यायालय का स्पष्ट आदेश है, जिसके तहत वहां खेलकूद गतिविधियों या राज्यस्तरीय शासकीय कार्यक्रमों के आयोजन की ही अनुमति दी जा सकती है।महौपार के इस बयान पर इंदौर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने कहा था कि यदि नेहरू स्टेडियम में राहुल गांधी के कार्यक्रम की अनुमति नहीं मिली, तो आंदोलन किया जाएगा।

एसआईआर-2026 की प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष ढंग से पूरी करने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मालेरकोटला। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 की प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से पूरा करने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पंजाब द्वारा आईएएस अधिकारी गुरप्रीत सिंह खैहरा को मालेरकोटला जिले का रोल ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है। जिले के अपने पहले दौरे पर उन्होंने उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन अधिकारी विराज एस. तिड़के, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ), 105-मालेरकोटला व 106-अमरगढ़ विधानसभा क्षेत्रों के लोक प्रतिनिधियों तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में रोल ऑब्जर्वर ने एसआईआर-2026 के नोटिस चरण, प्राप्त दावों एवं आपत्तियों, उनके निस्तारण तथा मतदाता सूचियों के सत्यापन के संबंध में अब तक की कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुनरीक्षण का उद्देश्य शुद्ध, सही और त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना है। कोई भी योग्य नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे और किसी अयोग्य व्यक्ति का नाम सूची में दर्ज न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि 6 सितंबर 2026 को जिले के सभी 406 मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपने-अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) को इन शिविरों की जानकारी देने की अपील की। शिविर के दौरान सभी बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) संबंधित मतदान केंद्रों पर मौजूद रहकर मतदाताओं को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराएंगे। खैहरा ने कहा कि मतदाता पहचान पत्र, मतदाता सेवाओं अथवा एसआईआर प्रक्रिया से संबंधित जानकारी और सहायता के लिए जिला एवं विधानसभा क्षेत्र स्तर पर स्थापित हेल्पडेस्क के अलावा मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950 पर भी संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि 13 से 31 अगस्त 2026 तक विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में फॉर्म-6, फॉर्म-6ए, फॉर्म-7 और फॉर्म-8 प्राप्त हुए हैं।

सीनियर डिप्टी मेयर पराशर ने सफाई अभियान का किया नेतृत्व

फॉगिंग सुनिश्चित करने के लिए सख्त निर्देश जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना– 'मिशन क्लीन पंजाब' के दूसरे चरण के तहत आगे बढ़ते हुए सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर ने बुधवार को गुरुद्वारा दुखनिवारण साहिब रोड पर सफाई अभियान का नेतृत्व किया। शहर में बारिश के चलते सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर ने निवासियों को मच्छरों से होने वाली बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए फॉगिंग सुनिश्चित करने के भी सख्त निर्देश जारी किए। नगर निगम की स्वास्थ्य शाखा के अधिकारियों के साथ सीनियर डिप्टी मेयर पराशर ने फील्ड स्टाफ को सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और कहा कि इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पराशर ने अधिकारियों को सफाई सेवकों की हाजिरी की नियमित रूप से जांच करने और कूड़े की नियमित लिफ्टिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीनियर डिप्टी मेयर पराशर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और स्थानीय निकाय मंत्री हरजोत सिंह बैंस के नेतृत्व में काम करते हुए शहर में कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पराशर ने आगे कहा कि वह जमीनी स्तर पर हालात सुधारने के लिए फील्ड निरीक्षण कर रहे हैं। जहां भी जरूरत हो, सुधार के लिए निवासियों से फीडबैक भी लिया जा रहा है।

कमला नेहरू बालिका इंटर कॉलेज में मनाई जन्माष्टमी

कोंच (जालौन)। नगर पालिका परिषद द्वारा संचालित कमला नेहरू बालिका इंटर कॉलेज में गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाया गया। पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता पत्नी मोंटी गुप्ता के साथ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने मां सरस्वती और श्रीकृष्ण की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्राओं ने श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान छात्राओं ने पिरामिड बनाकर मटकी फोड़ी। पालिकाध्यक्ष ने छात्राओं की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है। प्रधानाचार्या डॉ. प्रतिमा सिंह ने भी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

पहली बारिश में ही बह गया मोदी सरकार का 'विकास'! गंगा एक्सप्रेस-वे पर 7 फीट गड्ढा, ऊपर बिछाई चादर और शॉल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो। हजारों करोड़ रुपये की लागत से तैयार जिस एक्सप्रेसवे को आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास का मॉडल बताया गया, उसकी असल स्थिति पहली बारिश से ही सामने आ गई। विकास के बड़े–बड़े दावों के बीच मानसून की बारिश ने एक बार फिर मोदी सरकार के 'विकास' को बहा ले गई! दरअसल, उन्नाव में भारी बारिश के बाद गंगा एक्सप्रेसवे का एक हिस्सा धंस गया और वहां करीब सात फीट गहरा गड्ढा बन गया। यह वही एक्सप्रेसवे है, जिसे सरकार उत्तर प्रदेश के विकास की नई रफ्तार और अपनी बड़ी उपलब्धि के तौर पर पेश करती रही है। बसीरतगंज टोल प्लाजा के पास प्रयागराज की ओर जाने वाले कैरिजवे पर करीब 423.6 किलोमीटर पर सड़क के धंसने से करीब पांच फीट चौड़ा और सात फीट गहरा गड्ढा बन गया। हादसे की आशंका को देखते हुए क्षतिग्रस्त हिस्से से करीब 300 मीटर पहले ही बैरिकेडिंग कर यातायात को दूसरी लेन में डायवर्ट कर दिया गया।

आपको बता दें, गंगा एक्सप्रेसवे कोई सामान्य सड़क परियोजना नहीं है। करीब 594 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे पर लगभग 36,230 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 29 अप्रैल 2026 को हरदोई में इसका उद्घाटन किया था। केंद्र सरकार ने इसे उत्तर प्रदेश के विकास और कनेक्टिविटी के लिए बेहद महत्वपूर्ण परियोजना बताया था।

उद्घाटन के समय जिस एक्सप्रेसवे को विकास की नई 'लाइफलाइन' बताया गया था, अब उसी पर मानसून के दौरान सड़क धंसने की घटनाएं सवाल खड़े कर रही हैं।

खास बात यह है कि इस मानसून में उन्नाव में गंगा एक्सप्रेसवे पर सड़क क्षतिग्रस्त होने की यह दूसरी घटना है। इससे पहले 17 अगस्त को दही थाना क्षेत्र के सोनिक गांव के पास करीब 421 किलोमीटर पर सड़क के किनारे की मिट्टी बह गई थी। करीब 200 मीटर हिस्से में सड़क को नुकसान पहुंचा था।

SIR विवाद बढ़ाः पंजाब में बीजेपी सांसद राघव चड्ढा का नाम उड़ाया, झारखंड में जांच का आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनाव आयोग की ओर से चलाए जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। पंजाब में आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटाए जाने के बाद राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। वहीं झारखंड के गोड्डा जिले में एक बूथ पर 25 मतदाताओं के नाम हटाने के लिए जमा किए गए Form 7 को लेकर प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है। इन दोनों घटनाओं ने SIR के दौरान मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया, उसकी पारदर्शिता और राजनीतिक दुरुपयोग की आशंकाओं पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। पंजाब में 13 अगस्त को प्रकाशित SIR की ड्राफ्ट मतदाता सूची में राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम उन मतदाताओं की सूची में शामिल है, जिनके नाम Absent, Shifted, Deceased and Duplicate (ASDD) श्रेणी के तहत हटाए गए हैं। चड्ढा के नाम के सामने कारणpermanently shifted यानी स्थायी रूप से ट्रांसफर दर्ज है। चड्ढा ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया है। उनका कहना है कि वह पंजाब से निर्वाचित राज्यसभा सांसद हैं और SIR के दौरान चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल किए जाने चाहिए थे। चड्ढा ने कहा कि अगर उनके नाम को लेकर कोई सवाल या आपत्ति थी तो उन्हें ड्राफ्ट सूची में शामिल कर दावों और आपत्तियों की अवधि के दौरान आवश्यक दस्तावेज लेने चाहिए थे। उनके मुताबिक, ऐसा नहीं किया गया और उनके मामले में आयोग के दिशानिर्देशों का उल्लंघन हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि यह महज क्लेरिकल गलती नहीं बल्कि 'राजनीतिक प्रतिशोध' का मामला है। चड्ढा ने SIR के लिए 24 जून 2025 को जारी विस्तृत दिशा–निर्देशों के पैराग्राफ 4(d) का हवाला दिया है। इसमें कहा गया था कि न्यायपालिका के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों, घोषित पदों पर बैठे लोगों तथा कला, संस्कृति, पत्रकारिता, खेल और सार्वजनिक सेवा जैसे क्षेत्रों से जुड़े लोगों के नाम, यदि वे पहले से चुनावी डेटाबेस में चिन्हित हों, तो ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल किए जाएं ताकि दावों और आपत्तियों की अवधि में आवश्यक दस्तावेज लिए जा सकें। SIR को लेकर दूसरा गंभीर मामला झारखंड के गोड्डा जिले के बसंतराय प्रखंड के महेशटिकरी गांव के बूथ नंबर 9 से सामने आया है। यहां मतदाताओं के नाम हटाने के लिए Form 7 जमा किए गए थे। मामले की खबर सामने आने के बाद जिला निर्वाचन अधिकारियों ने रिपोर्ट मांगी और जांच शुरू कर दी है। बसंतराय के प्रखंड विकास अधिकारी और निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी श्रीमन मरांडी ने बताया कि जिला उप निर्वाचन अधिकारी ने रिपोर्ट मांगी है और एक प्रखंड पंचायती राज अधिकारी को महेशटिकरी भेजकर मौके पर जांच कराई गई है। रिपोर्ट गुरुवार को आने की उम्मीद है। प्रशासन ने फिलहाल जांच को बूथ नंबर 9 तक सीमित रखा है। स्थानीय स्तर पर दो–तीन अन्य स्थानों को लेकर भी शिकायतें सामने आई हैं, लेकिन उनके संबंध में प्रशासन को अभी लिखित शिकायत नहीं मिली है। प्रदेश में नकली दवाओं के नेटवर्क का भंडाफोड़, लखनऊ से दूसरे कई शहरों तक फैला है अवैध नेटवर्क प्रदेश में नकली दवाओं के कारोबार के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की कार्रवाई में सहारनपुर से लखनऊ तक फैले सप्लाई नेटवर्क का खुलासा हुआ है। लखनऊ में गिरफ्तार सहारनपुर निवासी एजाज से पूछताछ के बाद सहारनपुर के नागल क्षेत्र में कार्रवाई की गई। एजाज का नाम अमीनाबाद थाने में दर्ज एफआईआर में भी है और उस पर सस्ती/नकली दवाओं की सप्लाई से जुड़े होने का आरोप है। कर दिया गया। जस्टिस शेखर बी. सराफ और जस्टिस अभदेश कुमार चौधरी की बेंच वकील अशोक पांडे और एक अन्य व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस याचिका में राहुल गांधी (जिन्हें याचिका में 'श्री राहुल गांधी ञ्च राउल विंची' कहा गया) के खिलाफ 'को वारंटो' (अधिकार–पृच्छा) रिट जारी करने की मांग की गई। यह याचिका इस 'अनुमानित आधार' पर आधारित थी कि वे भारतीय नागरिक नहीं, बल्कि ग्रेट ब्रिटेन के नागरिक हैं। कोर्ट ने गौर किया कि याचिकाकर्ताओं ने पहले 2015 और 2019 में भी ऐसी ही रिट याचिकाएं दायर की थीं, जिनमें राहुल गांधी की कथित तौर पर भारतीय नागरिकता खत्म होने का मुद्दा उठाया गया और उन्हें ब्रिटिश नागरिक घोषित करने की मांग की गई।

कोर्ट ने पाया कि 2015 की याचिका में एक समान बेंच ने कहा कि नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 9(2) के तहत ऐसी शिकायत का समाधान केंद्र सरकार के पास ही हो सकता है।

कोर्ट ने यह भी दर्ज किया कि 2019 की कार्यवाही में इस मुद्दे पर केंद्र सरकार के पास पहले ही अभ्यावेदन (रिप्रेजेंटेशन) दायर किया जा चुका था और उस पर विचार किया जाना अभी बाकी था।

कोर्ट ने यह भी गौर किया कि याचिकाकर्ता नंबर 2 का अभ्यावेदन 3 मई, 2019 को दायर किया गया और केंद्र सरकार ने 29 जून, 2019 को इसकी प्राप्ति स्वीकार की थी। इस मामले के लंबित रहने के दौरान, याचिकाकर्ताओं ने कई अधिकारियों से संपर्क किया, जिसमें 2024 के आम चुनावों के दौरान रिटर्निंग ऑफिसर भी शामिल थे। इस पृष्ठभूमि में, कोर्ट ने पाया कि याचिकाकर्ताओं ने फिर से हाईकोर्ट का रुख किया और तर्क दिया कि चूंकि सक्षम प्राधिकारी द्वारा उनके अभ्यावेदन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई, इसलिए कोर्ट को खुद इस मुद्दे पर गुण–दोष के आधार पर निर्णय लेना चाहिए।